

MRCi की राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 31]

नई विल्ली, शनिवार, अगस्त 5, 1978 (श्रावण 14, 1900)

No. 31

NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 5, 1978 (SRAVANA 14, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—वण्ड 1 PART III—SECTION 1

उच्च न्यायासयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा स्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 31 मई 1978

मं० ए० 12025(ii)/1/77-प्रणा० III--मंघ लोक सेना ग्रायोग के केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थाई सहायक श्री जी० बी० माथुर को जिन्हें संघ लोक सेना ग्रायोग की ग्राधिसूचना सं० ए० 32014/1/68-प्रणा० III दिनांक 24-4-78 द्वारा तदर्थ ग्राधार पर श्रनुभाग ग्राधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया गया था कार्मिक ग्रौर प्रणासनिक मुधार विभाग के का० ज्ञा० सं० 5/21/77-सी० एफ० (i) दिनांक 15 मार्च, 1978 द्वारा श्रौद्योगिक विकास मंत्रालय में ग्रनुभाग ग्राधिकारी के पद पर नामित कर दिये जाने के परिणाम-स्वरूप 1-5-78 के पूर्वाह्न से मंघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय के ग्रनुभाग ग्राधिकारी के कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है।

सं० ए० 12025(ii)/1/77-प्रशा $^\circ$ III—संघ लोक मेवा धायोग के केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थाई 186GI/78

सहायक श्री पी० एस० सबरवाल की जिन्हें मंघ लोक सेवा श्रायोग की श्रिधसूचना सं० ए० 32014/1/78-प्रशा० III दिनांक 27 मार्च, 1978 द्वारा तदर्थ ग्राधार पर श्रनुभाग ग्रिधकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया गया था, कार्मिक ग्रीर प्रणामनिक सुधार विभाग के का० ज्ञा० सं० 5/21/77-सी० एम० (i) दिनांक 15 मार्च 78 द्वारा निर्माण ग्रीर ग्रावास मंत्रालय में श्रनुभाग ग्रिधकारी के पद पर नामित कर दियें जाने के परिणामस्वरूप 2 मई, 1978 के पूर्वाह्म से संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय के ग्रनुभाग ग्रिधकारी के कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है।

दिनांक 27 जून 1978

मं० ए० 32014/1/78-प्रणा० III(1)—-संघ लोक मेवा ग्रायोग में केन्द्रीय मिलजालय मेवा संवर्ग के स्थाई महायक श्री बी० श्रार० बमरा को, राष्ट्रपति द्वारा 2-6-78 मे 17-7-78 तक 46 दिन की ग्रवधि के लिये, श्रयंबा श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के श्रनुभाग श्रधिकारी ग्रेंड मे स्थानापस रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया गया है।

(4365)

स० ए० 32014/1/76-प्रशा० III(2)—संघ लोक मेवा प्रायोग में केन्द्रीय सिववालय सेवा सवर्ग के स्थाई सहायक तथा उस्क ध्रटैची के पद पर कार्यरत श्री एस० के० श्ररोड़ा की, राष्ट्रपति द्वारा 12-6-78 से 27-7-78 तक 46 विन की श्रवधि के लिये, श्रथवा श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के श्रनुभाग श्रधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया गया है।

2 का० ग्रीर प्र० मु० विभाग के का० ज्ञा० सं० 12/1/74-सी० एम० (1) दिनांक 11-12-75 का ग्रनुसरण करते हुए श्री एस० के० श्ररोड़ा को, जब तक वह श्रनुभाग श्रिधकारी के पद पर कार्यरत है, डैस्क ग्रिधकारी पूर्न-पदित किया गया है तथा वह श्रनुभाग श्रिधकारी के वेतन के श्रित-रिक्त क० 75/- प्रति माह विशेष वेतन लेगे।

मं० ए० 32014/1/78-प्रणा० III(3)--इस कार्यालय की समसंख्यक ग्रिविस्चना दिनांक 24-5-78 के ग्रनुक्रम में, संघ लोक सेवा ग्रायोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थाई सहायक श्री एस० ग्रार० खन्ना को, राष्ट्रपति द्वारा 1-7-78 से 7-7-78 तक की ग्रितिरिक्त ग्रम्रिध के लिये, ग्रथवा ग्रागामी ग्रादेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के ग्रनुभाग ग्रिधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया गया है।

दिनाक 30 जून 1978

सं० ए० 11016/1/76 प्रशा० III—संघ लोक ध्रायोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के संवर्ग के निम्नलिखित स्थाई ध्रनुभाग श्रिधकारियों को राष्ट्रपति द्वारा उनके मामने निर्दिष्ट ग्रविध के लिये श्रथवा ग्रागमी ग्रादेशो तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा ग्रायोग के कार्यालय में डैस्क श्रिधकारी के कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है —

ऋम स०	नाम	 ग्रवधि
1. श्री ग्रार० एन०	खुराना	15-6-78 से 15-7-78 तक (31 दिन)
2 श्री एस० श्रीनिव	ासन	21-6-78 से 15-7-78 तक (25 दिन)

2. का० तथा प्र० सु० विभाग के का० ज्ञा० सं० 12/1/74-सी० एस० (i) दिनाक 11-12-75 की मतों के श्रनुसार ऊपरिलिखित ग्रिधकारी 75/- रु० प्रित माह विशेष वेतन लेंगे।

> प्र० ना० मुखर्जी उप सचिव (प्रशासन प्रभारी) संघ लोक सेवा ग्रायोग

नई दिल्ली, दिनांक 19 जून 1978 शुद्धि-पन्न

सं० ए० 11016/1/78-प्रशा० III—इस कार्यालय की समसंख्यक ग्रधिसूचना दिनांक 6-6-78 का ग्रांशिक ग्राशोधन किया जाये श्रौर इस प्रकार पढ़ा जाये:—

- (ii) श्री एम० के० ग्ररोड़ा, स्थानापन्न ग्रनुभाक्ष् ग्रधिकारी (विशेष) को 30-5-78 (पूर्वाह्म) से सहायक के पद पर प्रत्यावर्तित कर दिया गया है श्रीर 30-5-78 से 28-2-79 तक डैस्क ग्रटैची नियुक्त किया गया है। वे भर्ती (नि०) ग्रनुभाग मे कार्य करते रहेंगे।
- 2. इस कार्यालय की समसख्यक श्रिधसूचना दिनांक 6-6-78 द्वारा 30-5-78 से 28-2-79 तक डैंस्क श्रटेंची के पद पर श्री एन० के० ढींगरा की नियुक्ति को रह समझा जाये।

दिनांक 30 जून 1978

सं० पी०/248 प्रशासन I—संघ लोक सेवा स्रायोग के कार्यालय में स्थानापन्न प्रवर सचिव के रूप में कार्य कर रहे स्थाई स्रनुभाग स्रधिकारी श्री ग्रार० ग्रार० ग्रहीर को राष्ट्रपति द्वारा 30-6-1978 (श्रपराह्न) से वार्धक्य निर्वतन की श्रायु प्राप्त करने पर सरकारी सेवा से निवृत्त किया जाता है।

प्र० ना० मुखर्जी, उप सचिव संघ लोक सेवा ब्रायोग

नई दिल्ली, दिनांक 10 जुलाई 1978

सं० ए० 31014/1/78-प्रशा० III—संघ लोक सेवा स्रायोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के प्रमुभाग श्रधि-कारी ग्रेड में भारतीय प्रशासन सेवा श्रादि परीक्षा, 1974 के श्राधार पर परिवीक्षाधीन रूप में नियुक्त श्री के० के० सा को राष्ट्रपति हारा 1 जुलाई, 1978 से उक्त सेवा के श्रमुभाग श्रधिकारी ग्रेड में उसी संवर्ग में मूल रूप से नियुक्त किया जाता है।

प्र० ना० मुखर्जी, श्रवर सचिव (प्रशासन प्रभारी) संघ लोक सेवा श्रायोग

गृह मंत्रालय

कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली-1, दिनांक 17 जुलाई 1978

सं० पी०-4/73-प्रणासन-5—प्रितिनयुक्ति की प्रविध समाप्त हो जाने पर, श्री पी० वी० हिंगोरानी, भारतीय पुलिस सेवा (उत्तर प्रदेण) ने दिनांक 30-6-78 (श्रपराह्म) में अपर निदेशक, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस विशेष महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना के पद का कार्यभार त्याग दिया।

सं० पी०-4/73-प्रशासन-5—राष्ट्रपति म्रपने प्रसाद से उत्तर प्रदेश संवर्ग के सेवा-निवृत्त भारतीय पुलिस सेवा म्रधि-कारी श्री पी० वी० हिगोरानी को दिनांक 1 जुलाई, 1978 के पूर्वाह्न से छः मास की श्रवधि के लिये पुर्नानयुक्ति, के आधार पर श्रपर निदेशक, केन्द्रीय श्रन्भेषण ब्यूरो एवं पुलिस विशेष महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना के रूप में नियुक्त करते हैं।

> के० के० पुरी, उपनिदेशक (प्रशासन) केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्युरो

नई दिल्ली, दिनांक 14 जुलाई 1978

सं० बी०-5/74-प्रणासन-5—प्रत्यावर्तन हो जाने पर, केन्द्रीय ग्रन्थेपण ब्यूरो, ग्रहमदाबाद में प्रतिनियुक्ति गुजरात राज्य पुलिस के ग्रधिकारी श्री बी० के० गिल, पुलिस उप-ग्रधीक्षक की सेवायें दिनांक 30-6-78 (ग्रपराह्न) से राज्य सरकार को सौंपी जाती है।

महेन्द्र कुमार अग्रवाल, प्रमासनिक प्रधिकारी (लेखा) केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिगांक 15 जुलाई 1978

सं० ए०-21021/15/78-प्रणासन-I—पुलिस उप-महानिरीक्षक, धिशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, निम्नजिखित उप-निरीक्षकों को उनकी प्रोन्नति हो जाने पर प्रत्येक के सम्मुख दिखाई गई तिथि से प्रगले ग्रादेश तक के लिये केन्द्रीय श्रन्त्रेषण ब्यूरो के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग बम्बई (सामान्य ग्रपराध स्कन्ध) शाखा में पुलिस निरीक्षक नियुक्त करते हैं:--

क्रम सं०	नाम	पुलिस निरी- क्षक के रूप में नियुक्ति की तिथि
सर्वश्री		
		(श्रपराह्म)
1. के० डी० मि	भा	19-6-1978
2. श्रार० श्रार०	सहाय	19-6-1978
3. के० टी० मैंथ	यू	22-6-1978
4. ए० जी० क	Ĩ	19-6-1978

सं० ए० 21021/15/78-प्रशासन-I--पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्द्वारा श्री मोहम्मद भ्रांसार ई० मुशी, उप-निरीक्षक की प्रोन्नति हो जाने पर, दिनांक 17-6-78 के पूर्वाह्म से ग्रगले श्रादेश तक के लिये केन्द्रीय भ्रन्थेषण ब्यूरो, के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग, श्रहमदाबाद शाखा में श्रस्थाई रूप से पुलिस निरीक्षक नियुक्त करते हैं।

> जरनैल सिंह, प्रशासनिक ग्रधिकारी (स्था) केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो,

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली-110001, दिनांक 11 जुलाई 1978

सं श्री० दी० 1045/76-स्थापना—मह निदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस चल ने डाक्टर बी० दलीश मूर्ति को 21-6-1978 पूर्वोह्म से केवल 3 माह के लिये श्रथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो, उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा श्रधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 13 जुलाई 1978

सं० श्रो० दो० 4/76-स्थापना—श्री बी० श्रार० सूर, मनीपुर त्निपुरा सवर्ग के भारतीय पुलिप सेवा श्रधिकारी की सेवा में महानिरीक्षक सी० श्राई० एस०एफ० को निर्वेतन हेतु सौंप देने के फलस्वरूप, ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिप्त बल के उप महानिरीक्षक श्रजमेर के पद का कार्यभार दिनांक 17-6-1978 पूर्वाह्न से छोड़ा।

दिनांक 17 जुलाई 1978

सं० भ्रो० दो० 1076/77-स्थापना—राष्ट्रपति ने वरिष्ठ चिकित्मा ग्रामारी (जनरल ड्यूटी ग्राफिसर ग्रेड-I) डाक्टर (श्रीमती) बीता गुप्ता, बेस हासपिटल, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, नई दिल्ली का, त्यागपत्न दिनांक 14 जून, 1978 ग्रपराह्न से स्वीकृत कर लिया।

दिनाक 18 जुलाई 1978

सं० पी० सात० 9/76-स्थापना—केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में, निम्नलिखित चिकित्सा श्रिधकारियों (जनरल ड्यूटी ग्राफिसर ग्रेड दो, उप पुलिस ग्रिधिकानिकम्पनी कमांडर) की, ग्रिधसूचना संख्याये पी० सात० 9/76 स्थापना दिनांक 20-10-77 तथा 2-2-78 के ग्रन्तर्गत, जनरल ड्यूटी ग्राफिसर ग्रेड-1 (सहायक कमांउन्ट) के पद पर तदर्थ रूप में हुई नियुक्तियों को, उनकी तदर्थ रूप से हुई पदोन्नति की तिथियों से ही, जैसा कि प्रत्येक के सामने लिखा हुग्रा है, नियमित किया जाता है:——,

क्रम स० नाम	जी० डी०ग्रो० I के रूप में पदोन्नति की तारीख	वर्तमान नैनाती का स्थान
1 2	3	4
1 डाक्टर पुरुषोत्तम पांडा	2-9-77	ग्रुप सेटर मोकामा घाट
2. " देवेन्द्र नाथ कार	5-9-77	" गांधीनगर
3. ″टी० के० राय	31-8-77	'' पल्लोपुरम
4. " श्वार० के० प्रधान	7-9-77	'' नागपुर
 3 कुलोमनी महापात्रा 	12-9-77	'' भुवनेष्वर

1	2	3	4
6.	डाक्टर बंचानिधि ग्राचा	र्य 9-9 - 77	बेस हासपिटल-दो हैदराबाद
7.	'' बी० सी० साहु	18-9 - 77	ग्रुप सेटर स्रवाड़ी
8.	" ऐ० के० दास	6-10-77	" रामपुर
9.	" सत्य नारायण पट-		
	नायक	22-12-77	'' बनतलाब,
			ज≠मू
10.	" श्रार० के० मोहन्ती	10-12-77	'' नीमच
11.	'' जी० सी० मोहन्ती	6-12-77	'' इम्फाल
1 2.	'' यू० सी० बिसवाल	7-12-77	बेम हासपिटल-दो
			हैदराबाद
13.	" के० के० सैनी	21-11-77	" –I, नई
			दिल्ली
14.	" एस० एन० जय-		
	प्रकाश	24-11-77	ग्रुप सेटर-1,
			श्रजमेर

सं० स्रो० दो० 1058/77-स्थापना—-राष्ट्रपति ने किन्छि चिकित्सा प्रधिकारी (जी० डी० स्रो०: ग्रेड-दो) डाक्टर राम भरोसा ठाकुर, 31 बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, का स्थागपत्र दिनांक 6 जून, 1978 ग्रपराह्म से स्वीकृत कर लिया।

> ए० के० बन्द्योपाध्याय सहायक निदेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय केन्द्रीय श्रौद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110024, दिनाक 6 जुलाई 1978

सं० ई०-38013(2)/1/78-कार्मिक---एच० एफ० सी० एल० बरौनी को स्थानान्तरण होने पर श्री विजय सिन्हा ने 20 मई, 1978 के पूर्वाह्न से के० ग्रो० सु० ब० यूनिट बी० सी० सी० एल० झरिया के कमाडेंट के पद का कार्यभार छोड़ विया।

कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट से स्थानान्तरण होने पर श्री ए० सी० राय ने उसी तारीख से के० म्रो० सु० ब० यूनिट बी० सी० सी० एल० झरिया के कमाडेट पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई० 38013(2)/1/78-कार्मिक—कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट को स्थानान्तरण होने पर श्री अपोक दरबारी ने 28 मई, 1978 के पूर्वाह्म से के० ग्रो० सु० ब० यूनिट एच० एफ० सी० एल० वरौनी के कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया। बी० सी० सी० एल० झरिया से स्थानान्तरण होने प र श्री विजय सिन्हा ने उसी तारीख से के० ग्रो० सु० ब० यूनिट हिन्दुस्तान उर्वरक निगम निमिटेड बरौनी के कमांडेट पद का कार्यभार संभाल लिया।

> रा० च० गोपाल, महानिरीक्षक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व का कार्यालय

नई दिल्ली-2, दिनांक 12 जुलाई 1978 सं० प्रशासन-1 का० ग्र० सं० 188/5-5/पदोन्नति/78-79/662—महालेखाकार, इसके द्वारा इस कार्यालय के निम्त-लिखित स्थाई ग्रनुभाग ग्रिधकारी को 30 जून, 1978 से ग्रगले ग्रादेशो तक स्थानापन्न लेखा ग्रिधकारी के रूप में नियुक्त करते हैं:-

ऋम सं० नाम

1. श्री स्रो० पी० स्रग्रवाल-II

(ह०) ग्राउनीय वरि० उप महालेखाकार (प्रगासन)

कार्यालय, महालेखाकार महाराष्ट्र-1 बम्बई-400020, दिनांक 30 जून 1978

सं० प्रणासन-1/म्राय० ए० डी०/5(128)/3—श्री जी० एस० रामसुभन, इस कार्यालय के स्थानापन्न लेखा श्रिधकारी को केन्द्रीय भांडागार निगम में दिनांक 31-10-1975 से स्थाई रूप में समा लेने के फलस्बरूप, केन्द्रीय नागरी सेवा (निवृत्ति वेतन) नियमावली 1972 के नियम 37, जो भारत सरकार, वित्त मत्रालय के कार्यालय ज्ञापन, क० सं० 44(1)-ई० व्ही०/71, दिनांक 13-4-1973 के साथ पढ़ा जाये, के श्रन्तगंत दिनाक 31-10-1975 से सेवानिवृत्त समझे जायेगे।

भारत सरकार, वित्त मंद्रालय के कार्यालय ने श्री जी० एम० रासुभन, लेखा प्रधिकारी के, भारत के नियंत्रक ग्रीर महालेखानरीक्षक, नई दिल्ली ने उनके प० सं० 1777 जी० ई०-II-62-77-II दिनाक 17-6-78 स सूचित की गई गर्ती के श्रनुसार, केन्द्रीय भांडागार निगम में दिनांक 31-10-1975 से स्थाई रूप से समा लेने की मंजूरी दी है।

ह०/स्रपठनीय वरिष्ठ उप महालेखाकार, प्रशासन

कार्यालय निर्देशक लेखा परीक्षा रक्षा सेवाये,

नई दिल्ली, दिनांक 18 जुलाई 1978

सं० 79/ए०-प्रशासन/130/75-78—्निवेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवायों, निम्निलिखत ग्रधीनस्थ लेखा सेवा के स्थाई/ग्रस्थाई मदस्यों को उनके सामने ग्रंकित तिथि से लेखा परीक्षा ग्रधिकारी के स्थानापन्न रूप मे ग्रागामी ग्रादेश तक सहर्ष नियुक्त करते हैं:--

ऋम स० नाम	कार्मालय जहा नियुक्ति की गई है	नियुक्ति की तिथि
सर्वश्री		
ा. वी० शंकरानाराय	णन वरिष्ठ उप निदेशक	7-6-78
(स्थाई अनुभाग ग्र	धि- लेखा परीक्षा रक्षा	(ग्रपराह्म)
कारी)	नेवाये पश्चिमी कमान	
	मेरठ ।	
2. किशन लाल ग्रस्थ	ाई विरिष्ठ उप मुख्य	26-6-78
ग्रनुभाग ग्रधिकारी	ो लेखा परीक्षा ग्रायुद्ध	(पूर्वाह्न)
	फैक्टरी कानपुर)	

म० 80/ए० प्रशासन/130/75-78—हिन्दुस्तान जस्ता लिमिटेड में स्थाई रूप से श्रन्तलंयन के परिणाम स्वरूप श्री सी० बी० विश्वानाथन स्थाई श्रनुभाग ग्रधिकारी/श्रस्थाई लेखा परीक्षा श्रधिकारी, का ग्रहणाधिकार श्रवसान इस विभाग में मूल नियम 14-ए(डी०) के श्रधीन, दिनांक 5-5-77 (पूर्वाह्न) से हो गया है।

सं० 81/ए० प्रशासन/130/75-78--वार्धक्य निवृत्ति ग्रायु प्राप्त करने पर श्री ग्रो० पी० एस० दाव० स्थाई लेखा परीक्षा प्रधिकारी, दिनांक 31-5-1978 (ग्रपराह्म) लेखा परीक्षा रक्षा सेवाये विभाग से सेवा निवृत्त हुए।

के० बी० दास भौमिक, वरिष्ठ उप-निदेशक, लेखा परीक्षा,

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियत्नक

नई दिल्ली-22, दिनाक 6 जुलाई 1978

स० 23011(1)/66/प्रशा०-II—निम्नलिखित प्रधि-कारियों की, प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख से, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के ग्रुप ए० के कनिष्ठ समय-मान मे, पुष्टि की जाती है.—

क्रम स०	नाम	पुष्टि की तारीख
3. श्री श्रभिजि	ए० कल्लीवयलिल ात वसु धा एस० म्रय्यर ोष कुमार	16-7-1977 30-11-1977 17-7-1977 30-11-1977 30-11-1977 31-7-1977

दिनाक 14 जुलाई 1978 शुद्धि पत्न

सं० 68018(2)/71/प्रणा०-II—3 त कार्यालय की दिनाक 25 जुलाई, 1977 की श्रिधसूचना सं० <math>68018(2)/71-प्रणा०-II, जो कि श्री सी० बी० नागेन्द्र, श्राई० डी० ए० एस० की दिनाक 16 जून, 1977 (पूर्वाह्न) से स्तर-II के वरिष्ठ प्रणासनिक ग्रेड मे प्रोफार्मा पदोन्नति के संबन्ध मे, भारत के राजपत्न दिनाक 20 ग्रगस्त, 1977 (भाग-III, खण्ड-1, पृष्ठ 3666) मे श्रिधसूचित की गई थी, एतद्-द्वारा रद्द की जाती है।

बी० एस० भीर, रक्षा लेखा ग्रवर महा नियंत्रक

रक्षा मंत्रालय

भारतीय श्रार्डनैन्स फैक्टरिया सेवाये महानिदेशालय, श्रार्डनैन्स फैक्टरियां कलकत्ता, दिनाक 13 जुलाई 1978

सं० 33/78/जी०--सेवा निवृत्ति पूर्व श्रवकाश की समाप्ति पर, श्री के० एन० पाई, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक (मौलिक एव स्थाई फोरमैन) दिनाक 2 मई, 1978 (पूर्वाह्न) से स्वेच्छा पूर्वक सेवा निवृत्त हुए।

वी० के० मेहता, सहायक महानिदेशक स्रार्डनैन्स फैक्टरिया

उद्योग मंत्रालय श्रौद्योगिक विकास विभाग कार्यालय, विकास श्रायुक्त (लवु उद्योग) नई दिल्ली, दिनांक 7 जुलाई 1978

सं० 12(323)/62-प्रशासन(राजपितत)—भारतीय निवेश केन्द्र, नई दिल्ली से प्रतिनियुक्ति से वापिस आने पर श्री एच० एम० सोम ने दिनाक 30 जून, 1978 (अपराह्न) से कार्यालय, विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली मे उप निदेशक (यात्रिक) पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया। एम० पी० गुप्ता, उपनिदेशक (प्रशासन)

इस्पात ग्रीर खान मंत्रालय

खान विभाग

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनाक 14 जुलाई 1978

सं० ए०-19011/75/76-स्था० ए०—-राष्ट्रपति, श्री बी० एन० बासू, स्थानापन्न सहायक खान नियन्नक, भारतीय खान ब्यूरो का दिनाक 24 दिसम्बर, 1977 के अपराह्म से त्यागपन्न स्वीकृत किया जाता है।

> एम० बालगोपाल, कार्यालय **प्रध्यक्ष** भारतीय खान <mark>ब्यूरो</mark>

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

देहरादून, दिनांक 10 जुलाई 1978

सं० स्था० 5390/913-एच०—इस कार्यालय की ग्रिधिसूचना संख्या स्था० 5359/913-एच० दिनांक 19 ग्रिप्रेल, 78 के ग्रनुकम में महासर्वेक्षक कार्यालय के श्री रमेश कुमार चमोली, हिन्दी ग्रिधिकारी की तदर्थ नियुक्ति 30 सितम्बर, 1978 तक या जब तक कि पद नियमित श्राधार पर भरा जाता है, जो भी पहले हो, बढ़ा दी जाती है।

के० एल० खोसला, मेजर-जनरल भारत के महासर्वेक्षक

श्राकाणवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1978

सं० 4(90)/77-एस०-1---महानिदेशक, स्नाकाणवाणी, एतद्द्वारा श्री ई० जे० प्रलहट, को स्नाकाणवाणी, बम्बई मे 24-4-78 से स्नगले श्रादेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर श्रस्थाई रूप में नियुक्त करते हैं।

नन्द कियोर भारबाज, प्रशासन उपनिदेशक **छते** महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेणालय नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1978

शुद्धि पक्र

सं० ए० 12023/15/76-(एच० क्यू०) (प्रणासन-1)— इस निदेशालय के 5 जुलाई, 1977 की ग्रिधसूनना संख्या ए० 12023/15/76-(एच० क्यू०) प्रशासन-1 के पैरा 1 के स्थान पर निम्नलिखित वाक्य पढ़ा जाय:

"श्री जे० के० मिक्का ने 5 मार्च, 1977 ग्रपराह्न से स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय से सहायक श्राकिटेक्ट के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।"

सं० ए० 19020/16/78-प्रशासन 1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० ग्रार० के० खुल्लर को 13 जून, 1978 पूर्वाह्न से ग्रागामी ग्रादेशो तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना मेरठ के ग्रधीन दन्त शल्य चिकित्सक के पद पर तदर्थ ग्राधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 13 जुलाई 1978

सं० ए० 19015/9/76-प्रणासन-1—सेवा निवृत्ति की श्रायु हो जाने पर स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के श्रनुभाग श्रिधकारी श्री एम० वी०रमन 30 जून, 1978 श्रपराह्म से सरकारी नौकरी से सेवा निवृत्त हो गये हैं।

णाम लाल कुठियाला, उप निदेशक प्रशासन (सं० व प०)

नई दिल्ली, दिनांक 1978

सं० ए० 12026/14/78-स्टोर-1--स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने सरकारी चिकित्सा सामग्री भण्डार करनाल के कार्यालय अधीक्षक श्री एस० जी० केंस को 1 जुलाई, 1978 पूर्वाह्न से आगामी श्रादेशों तक उसी भण्डार में (राजपितत ग्रुप बी०) सहायक डिपो मैंनेजर के पद पर नियुक्त कर दिया है।

संगत सिंह, उपनिदेशक प्रशासन (स्टोर)

कृषि एवं सिचाई मंत्रालय ग्राण विकास विभागमी विपणन एवं निरीक्षण निदेणालय फरीदाबाद, दिनांक 11 जुलाई 1978

सं० ए० 19024/8/78-प्र० तू०—श्री सी० एस० शर्मा, वरिष्ट रमायनज्ञ को दिनांक 1-7-78 के पूर्वाह्न से क्षेत्रीय एग्मार्क प्रयोगशाला, कानपुर में ग्रल्पकालीन श्राधार पर मुख्य रसायनज्ञ नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 12 जुलाई 1978

सं० ए० 19023/58/78-प्र० III—श्री एस० बी० वक्रवर्ती, सहायक विपणन श्रधिकारी को दिनांक 29 जून 1976 (पूर्वाह्न) से पूर्णतया श्रत्यकालीन श्राधार पर तीन माह की श्रवधि के लिये या जब तक नियमित प्रबन्ध किये जाते हैं, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, फरीदाबाद में स्थानापन रूप में विपणन श्रधिकारी (वर्ग I), नियुक्त किया जाता है।

2. विपणन श्रधिकारी के रूप में पदोन्नित होने पर श्री चक्रवर्ती ने दिनांक 27 जून, 1976 के श्रपराह्म में वाराणसी में सहायक विपणन श्रधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

> वी० पी० चावला, निदेशक, प्रशासन इते कृषि विपणन सलाहकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र कलकत्ता, दिनांक 11 जुलाई 1978 सूकना सूचना

सं० सन्दर्भ 7(सामान्य)/77/सतर्कता/803:—नीचे दिया हुआ पत्र जो श्री के० बी० कर्की, वाचमैन (कार्यप्रभारी) वी० ई० सी० प्रोजेक्ट, कलकत्ता को रसीदी रिजस्ट्री द्वारा उनके श्रन्तिम ज्ञात पते पर भेजा गया था, उत्त स्रधिकारियों द्वारा वितरित हुए विना वाधिस श्रा गया। श्रतः पत्र को गजट में प्रकाशित किया जाता है।

रजिस्द्री रसीदी डाक परिवर्ती उर्जी साइक्लोट्रान

भारत सरकार

भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र परिवर्ती ऊर्जा साइक्लोट्रान

कलकता-700064, दिनांक 21/22 श्रप्रैल 1977 विषय:-श्री के० बी० कर्की, वाचमैन की श्रनधिकृत गैर-हाजिरी--काम पर रिपोर्ट करने में श्रसफलता नियुक्ति की गतौँ के श्रनुसार एक माह का नोटिस

सं० सन्दर्भः बी० ई० सी०/सी०/पर-के० बी० के०/3294—श्री के० बी० कर्की, बाचमैन (कार्यप्रभारी), बी० ई० सी० कलकत्ता ने दिनांक 6 श्रप्रैल, 1976 से 30 दिन की छुट्टी की दरखास्त दी थी तथा उन्हें 8 मई 1976 को काम पर वापिस भाना था।

दिनांक 9 जून 1976 को एक ज्ञापन उनके पते पर जो कार्यालय के रिकार्ड में प्राप्त था, रिजिस्ट्री डाक हारा भेजा गया था, जिसमें उनसे फीरन काम पर ग्राने को कहा गया था, तथा बाद में दिनांक 8 जुलाई, 1976 को एक स्मरणपत भी भेजा गया था। इसरा पत्न डाक ग्रिथिकारियों द्वारा वापिस कर दिया गया क्योंकि उसे वितरित नहीं किया जा गका।

श्राज तक ना तो श्री कर्की काम पर श्राये हैं श्रीर नहीं उनका कोई सन्देणा इस कार्यालय को प्राप्त हुआ है।

सक्षम प्राधिकारी ने श्री के० वी० कर्की की सेवाध्रों को समाप्त कर दिया है तथा दिनांक 16 मार्च 1973 के नियुक्ति ज्ञापन की णर्तों के खनुसार इसके द्वारा उन्हें एक महीने का नोटिस दिया जा रहा है।

> ह०टी० जे० श्रसनानी, प्रशासनिक श्रधिकारी-III

श्री के० बी० कर्की,
ग्राम दहाचीक पुरन्दी
डाकखाना काठमांडू
पी० एस० कितिपुर
जिला: काठमांडू (नेपाल)
श्री के० बी० कर्की,
मार्फत श्री चन्द्रबहादुर कर्की
मोतीझील कालेज, दमदम,
कलकत्ता-28 ।

जी० सेथुरामण उपस्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा त्रिभाग ऋय श्रीर भंडार निदेशालय बम्बई-400001, दिनांक 10 जुलाई 1

सं० क० भ० नि०/2/1(1)/77-प्रशासन/17750— निदेशक, कय और भंडार परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री बी० एस० रामास्वामी, सहायक कय अधिकारी को श्रवकाण स्वीकृत होने के कारण, इस निदेशालय के कय सहायक श्री डी० डी० नायक को स्थानापक्ष सहायक कय अधिकारी के पद पर इसी निदेशालय में, र० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन कम में दिनांक 3-5-78 से 3-7-78 तक तदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० ऋ० भ० नि०/2/1(1)/77-प्रणासन/17756—निदेशक, ऋय और भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, निम्नलिखित भंडािरयों को स्थानापन्न सहायक भंडार प्रधिकारी
के पद पर इसी निदेणालय में ६० 650-30-740-35-810द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 के वेतन
ऋम में प्रत्येक के सामने प्रदिश्ति तिथि से 31 जुलाई, 1978
तक तदर्थ हप से नियुक्त करने हैं।

- (1) श्री बी० बी० नायर 4-5-78
- (2) श्री एम० ग्रार० मेनोन 12-6-78

सं० क भ०० नि०/2/1(1)/77-प्रशासन०-17765—इस निदेशालय की समसंख्यक ग्रिधसूचना दिनांक 4 जनवरी, 1978 के तारतम्य में निदेशक, क्रय घौर भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, इस निदेशालय के भंडारी श्री श्रार० सी० नैय्यर को, स्थानापन्न सहायक भंडार श्रिधकारी के पद पर ग्रिग्रिम समय 31 जुलाई, 1978 तक, तदर्थ रूप से नियुक्त करतेहैं। बी० जी० कुलकणीं,

सहायक कार्मिक ग्रधिकारी

भारी पानी परियोजनाएं बम्बई, दिनांक 14 जुलाई 1978

सं० 05052/78/3248—भारी पानी परियोजना के, विशेष-कार्य ग्रधिकारी, श्री ग्रधिवन कुमार पारिख, ग्रस्थायी वैशानिक सहायक 'सी०' भारी पानी परियोजना (बड़ौदा) को 1 फरवरी, 1978 पूर्वाह्न से ग्रागे ग्रादेश होने तक के लिए उसी परियोजना में स्थानापन्न रूप से ग्रस्थायी वैज्ञानिक ग्रधिकारी/ग्रभियन्ता (ग्रेड एम० बी०) नियुक्त करते हैं।

सं० 05052/78/3249 — भारी पानी परियोजना के, विशेष कार्य श्रिधकारी, श्री सुभाष राय, श्रस्थायी फोरमैन, भारी पानी परियोजना (बड़ौदा) को 1 फरवरी, 1978 से श्रागे श्रादेश होने तक, के लिए उसी परियोजना में अस्थायी स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक श्रिधकारी/श्रिभियन्ता (ग्रेड सी०), नियुक्त करते हैं।

दिनांक 15 जुलाई 1978

सं० भाषाप/स्था०/ प० 3265 — भारी पानी परियोजना के, विशेष कार्य श्रधिकारी, श्री धनश्याम छगन भाई पटेल, श्रस्थायी उच्च श्रेणी लिपिक, भारी पानी परियोजना (बड़ौदा) को उसी परियोजना में, श्री एस० सी० ठाकुर, महायक कार्मिक श्रधिकारी (बड़ौदा) जो 8 मई, 1978 (पूर्वाह्म) से 10 जून, 1978 (श्रपराह्म) तक के लिए स्थानापन्न रूप से प्रशासन श्रधिकारी नियुक्त किए गए हैं के स्थान पर स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

> के० शंकरनारायणन यरिष्ठ प्रशासन ग्रधिकारी

भारतीय म्रन्तिग्क्ष प्रनुसंधान संगठन म्रन्तिरक्ष उपयोग केन्द्र

श्रहमदाबाद-380053, दिनांक 1978

सं० प्र० उ० के० /स्था० /मंचार/ए० एस० डी०/12/78— प्रन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र के निर्देशक ने श्री के० बी० पटेल, श्रस्थायी ेजीनियर एस० बी० की सेवा का त्यागपत्र स्वीकार कर लिया रे, जो 10 जुलाई, 1978 प्रपराह्म से लागू होगा।

> एस० जी० नायर प्रधान, कार्मिक श्रौर सामान्य प्रणासन

पर्यटन श्रीर नागर विमानन मंत्रालय भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 18 जुलाई 1978

सं० ई० (1) 00920 — वेधणालाष्ट्रों के महानिदेशक डा० के० सी० गर्ग को भारत मौमम सेवा ग्रुप बी० (केन्द्रीय निविल सेवा, ग्रुप बी०) में दिनांक 21 जून, 1978 के पूर्वीह्र प श्रागामी श्रादेण तक, सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर श्रस्थाई च्य में नियुक्त करते हैं।

डा० गर्ग को निर्देशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, बम्बई के कार्यालय में तैनात किया जाता है।

> गुरुमुख राम गुप्ता मौसम विज्ञानी (स्थापना) कृते वेधशालाश्चों के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1978

सं० ए० 32014/1/78 ई० एस० — महानिदेशक नागर यमानन ने श्री जानकी प्रसाद, भंडार महायक को दिनांक 12-6-78 से श्रीर श्रन्य श्रादेश होने तक भंडार श्रधिकारी (श्रुप 'ख" पद) के रूप में क्षेत्रीय निदेशक, मद्रास के कार्यालय में नियुक्त किया है।

> सुरजीत लाल खंडपुर, सहायक निदेशक प्रशासन कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1978

सं० ए० 31013/1/78-ई० ए० ---राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित श्रधिकारियों को दिनांक 21-6-78 से नागर विमानन विभाग में उपनिदेशक /विमान क्षेत्र नियंत्रक के ग्रेड में स्थायी तौद पर नियुक्त किया है .—

ऋम सं० नाम	मीजूदा तैनाती स्टेणन
1 श्री जगदीण चन्द्र	उपनिदेशक (टी० ई०) मुख्यालय में
2. श्री एस० डब्ल्यू० जे० नार्टन	विमान क्षेत्र नियंत्रक, मद्रास एयर पोर्ट, मद्रास
3. श्री एम० के० बोस	उपनिदेशक (योजना) मुख्यालय में

सं० ए० 39013/4/78-ई० ए० — श्री जी० एस० गणेशन, महायक विमान क्षेत्र प्रधिकारी, मद्रास एयरपोर्ट, मद्रास ने दिनांक 27 जून, 1978 (पूर्वाह्न) से सरकारी सेवा से त्यागपत दे दिया है।

> वी० त्री० जौहरी, सहायक निदेशक प्रशासन

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 12 जुलाई 1978

सं० 16/302/78 स्थापना 1—श्रध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविधालय, देहरादून, श्री ए० एन० शुक्ता को वन श्रनुसंधान केन्द्र, विन हाट में दिनांक 27 श्रप्रैल, 1978 के पूर्वाह्म से ग्राप्ले ग्रादेशों तक सहर्षे श्रनुसंधान श्रिधकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 13 जुलाई 1978

सं० 16/290/77 स्थापना -1 — प्रध्यक्ष, वन प्रनुसंधान मंस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, डा० सतेन्द्र नाथ दास को वन ग्रनुसंधान मंस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, के ग्रधीन पांचवी पंचवर्षीय योजना के ग्रन्तर्गत 'वन मृदा प्रयोगशालायें (वन मृदा व वनस्पति सर्थेक्षण)' के क्षेद्रीय केन्द्र मिदनापुर में दिनांक 11 मई, 1978 के पूर्वीह्न से ग्रगले ग्रादेशों तक सहर्ष ग्रनुसंधान ग्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 16/283/77 स्थापना -1 — प्रध्यक्ष, वन ध्रनुसंधान मंस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री ध्रवधेण कुमार सिंह को वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय की पांचवी पंचविष्यीय योजना के ध्रन्तर्गत 'वन मृदा प्रयोगणालायें (वन मृदा व वनस्पति सर्वेक्षण)' योजना के क्षेत्रीय केन्द्र जबलपुर में दिनांक 1 मई, 1978 के पूर्वाह्म से ध्रगले आदेशों तक महर्ष अन्संधान अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 14 जुलाई 1978

मं० 16/292/77 स्थापना-। —-ग्रध्यक्ष, वन ग्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय , देहरादून श्री राम कुमार राठौर को दिनांक 5 जुलाई, 1978, के भपराह्म से अगले आदेशों तक सहर्ष मनुसंधान अधिकारी नियुक्त करते हैं।

> गुरदयाल मोहन, कुल मचिव

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा सीमा शुल्क समाहर्तालय नागपुर, दिनांक 11 जुलाई 1978

सं ग्र० क० 9/78—-श्री एम० ए० कावरे, ग्रधीक्षक (विधि) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, मुख्यालय, नागपुर से सेवानिवृत्ति की श्रायु प्राप्त करने पर दिनांक 31-5-78 के ग्रपराह्न से सरकारी सेवामुक्त हो गये हैं।

माध्रव परुलकर, समाहर्ता

केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला नई दिल्ली-12, दिनाक 6 जुलाई 1978

सं० नं० 2/7/78-स्थापना-श्री एम० जे० भनसाली, रमायन महायक ग्रेड-1, सीमाशुल्क गृह प्रयोगशाला, कांडला का दिनांक 30-6-78 (पू०) से श्रागामी श्रादेशों के जारी होने तक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क क्षेत्रीय प्रयोगशाला, बडौदा में सहायक रसायन परीक्षक के पद पर सामयिक रूप से नियुक्त किया गया है।

दि० रा० गुप्ता मुख्य रसानज्ञ, केन्द्रीय राजस्व

नर्मदा जल विवाद न्यायाधिकरण नई दिल्ली 110011, दिनांक 12 जुलाई 1978

सं० 19/43/78-न० ज० वि० न्याया० :—सचिव, नर्मदा जल विवाद न्यायाधिकरण, श्रम मंत्रालय के सी० एस० एस० एस० काडर के ग्रेड 'सी०' के प्रवरण कोटि के ग्राशुलिपिक, श्री एन० एस० नटराजन, को नर्मदा जल विवाद न्यायाधिकरण में निजी सचिव के पद पर, 1 जुलाई, 1978 के पूर्वाह्म से ग्रगले ग्रादेण जारी होने तक प्रतिनियुक्ति के ग्राधार पर स्थानापन्न क्षमता में नियुक्त करते हैं।

सुनील कुमार चन्दा, प्रशासनिक श्रधिकारी

केन्द्रीय जल श्रायोग नई दिल्ली, दिनांक 10 जुलाई 1978

सं० ए० 12017/5/76-प्रशा० पांच — प्रिधसूचना सं० ए० 12017/5/76-प्रशा०-पाच, दिनांक 17 फरवरी, 1978 के अनुक्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री एस० ए० शाह की तदर्थ नियुक्ति को कोयम्बतूर गेजिंग प्रभाग, कोयम्बतूर, केन्द्रीय जल आयोग में महायक अनुसंधान अधिकारी (रसायन) की श्रेणी में रु० 650-30-740-35-810 द० रो० -35-880-40-1000 - द० रो० - 40-1200 के वेतनमान में पूर्णतया 2—186GI/78

श्रस्थायी श्राधार पर दिनांक 1/7/1978 से 30/9/1978 तक अगली श्रवधि के लिए अथवा इस श्रेणी में नियमित ४धिकारी के उपलब्ध होने तक, जो भी पहले हो, बढ़ाते हैं।

सं० ए० 12017/5/76-प्रशा० पाच---प्रिधसूचना सं० ए० 12017/5/76-प्रशा०-पांच, दिनांक 27 फरवरी, 1978 के प्रनुक्तम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री बी० के० गोस्वामी की तदर्थ नियुक्ति को गोहाटी गेजिंग प्रभाग में महायक श्रनुसंधान अधिकारी (रसायन) की श्रेणी में क० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880 -40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पूर्णतया अस्थायी आधार पर 1/7/1978 से 30/9/1978 तक की अगली अविध के लिए अथवा इस श्रेणी में नियमित अधिकारी के उपलब्ध होने तक जो भी पहले हो, बढ़ाते हैं।

विनांक 15 जुलाई 1978

सं० ए० 19012/667/77-प्रणा०-पांच — अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री एम० सी० सूद, अनुसंधान सहायक को सिक्किम अन्वेषण प्रभाग, गंगटोक (सिक्किम), केन्द्रीय जल आयोग में सहायक अनुसंधान अधिकारी (रसायन) के पद पर ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000- द० रो०-40-1200 के बेतनमान में पूर्णतः अस्थाई एवं तदर्थ आधार पर 24 मई, 1978 के पूर्वाह्म से 25 अक्टूबर, 1978 तक श्रिथवा जब तक पद नियमित रूप से नहीं भरा जाता, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

जे० के० साहा, भ्रवर सचिव

निर्माण महानिदेशालय केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1978

सं० 33/1/77-ई० सी०-9 (भाग -4) ——ितर्माण महा-निदेशक, के० लो० नि० बि०, संघ लोक सेत्रा श्रायोग द्वारा नामित निम्नलिखित उम्मीदवारों को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1020 द०-रो० - 40-1200 रुपये प्रतिमास वेतन पर सामान्य णतौँ पर उनके ग्रागे लिखी तारीखों से सहायक वास्तुक के ग्रस्थायी पद पर (केन्द्रीय सिविल सेवा ग्रुप बी०) नियुक्त करते हैं।

- 1. श्रीग्रार०एम० ग्रग्नवाल 31-5-78 (पूर्वाह्न)
- 2 श्रीपी०एस०खुराना 1-6-78 (पूर्वाह्म)।
- उक्तलिखित ग्रिधिकारियों को उनके केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में ग्राने की तिथि से दो वर्ष की ग्रविध के लिये परिवीक्षा पर रखा जाता है।

कृष्ण कान्त, प्रशासक उपनिदेशक

पूर्ति ग्रौर पुनर्नास मंत्रालय पूर्ति विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1978

सं० ए० 39012/5/76-स्था०-1 —-राष्ट्रपति, पूर्ति त 4. निपटान निवेशालय कलकत्ता के (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-2) उप निदेशक, पूर्ति श्री एन० के० मल्होत्रा, को 3-2-1978 से सरकारी सेवा से बर्खास्स करते हैं।

> णिव शंकर खत्नी, उप सचिव

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी लॉबोर्ड

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की धारा 445 (2) के श्रिधिन सूचना

दी कम्पनी श्रिधिनियम 1956 के मामले में प्रौर

दी म्रांध्र भाटो मोबाइलस प्राइवेट लिमिटेड के मामले

हैदराबाद, दिनांक 30 जून 78

सं० 277/लिक्वि — सिविल० श्रजीं सं० 2 श्रॉफ 1976 में स्थित श्रांक्ष प्रदेश उच्चन्यायालय के तारीख 15-10-1976 के श्रादेश द्वारा दी श्रांक्ष श्राटो मोबाइलस प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापन करने का श्रादेश दिया गया है।

कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 डेबोनेयर लिमिटेड के विषय में हैदराबाद, दिनांक 11 जुलाई 1978

सं० 643/560 (5) 78 - -कम्पनी श्रिधिनियम के धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में कम्पनी का नाम "डेबोनेयर लिमिटेड" रजिस्ट्रर से काट दिया गया श्रीर कम्पनी विघटित हो गई।

वि० एस० राजु, कम्पमियों का रजिस्ट्रार, श्रान्ध्र प्रदेश

कम्पनी श्रधिनियम 1956 ग्रौर रागरूपा प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 11 जुलाई 78

सं० 24376/560 (3) — कम्पनी स्रिधिनयम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के स्रवसान पर रागरूपा प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिशात न किया गया तो रजिस्ट्रर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 श्रौर सपना प्रेस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 11 जुलाई 1978

सं० 17080/560 (3) — कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतवृद्धारा यह

सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर सपना प्रेस प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्ट्रर से काट दिया जाएगा श्रौर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 श्रौर व्याकसेल इण्डिया लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 11 जुलाई 1978

सं० 29632/ 560 (3) — कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवमान पर व्याकसेल इण्डिया लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिश्तिन किया गया नो रिजस्ट्रिंग्से काट दिया जायगा श्रौर उक्त कम्पनी विषटित कर दी जायगी।

एस० सिनाय, कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार पश्चिम बंगाल

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 और न्यू इंडिया लकी स्कीम एण्ड फाईनेन्स प्राइवेट लिमिटेड (इन लिक्वीडेशन) के विषय में ।

जालन्धर, दिनांक 12 जुलाई 78

सं जी जी रहेट | 560 | 2693 | 3524 — कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 के धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि न्यू ॰ इंडिया सकी स्कीम एष्ड फाईनेन्स प्राइवेट लिमिटेड (इन लिक्बीडेशन) का नाम ग्राज रजिस्ट्रर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी म्रिधिनियम 1956 भ्रौर के० के० साईकिल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

जालन्धर, दिनांक 12 जुलाई 78

सं० जी० | स्टेट | 560 | 3251 | 3525 -- कम्पनी अधि-नियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्बारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर के० के० साईकिल्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकृल कारण दिशत न किया गया तो रजिस्ट्रर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

"कम्पनी श्रधिनियम 1956 और विशष्ट चिट फण्ड एण्ड फाईनेन्स कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

जालन्धर, दिनांक 12 जुलाई 1978

सं० जी० / स्टेट / 560 / 3235/3527 -- कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 के धारा 560 की उपधारा(5) के श्रनुसरण में एतद्दारा सूचना दी जाती है कि विशष्ट चिट फण्ड एण्ड फाईनेन्स कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम प्राज रिजस्ट्रर से काट दिया गया है ग्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सत्य प्रकाश तायल

कम्पनी रिजस्ट्रार,
पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चण्डीगढ़

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रीर श्री गणेश ं मोटर सर्विस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलौर, दिनांक 12 जुलाई 78

सं० 764/560 / 78 — कम्पनी ऋधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर श्री गणेश मोटर सर्विस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिश्ति न किया गया तो रिजस्ट्रर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसूर एक्सट्राक्षणन कंपनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

बंगलीर, दिनांक 12 जुलाई 1978

सं० 2226/560/78—कम्पनी श्रिधिनियम,1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसूर एक्सट्राकणन कंपनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशित न किया गया तो रिजिस्ट्रर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० एन० गुहा, कम्पनियों का रजिस्ट्रार कर्नाटक

कम्पनी अधिनियम 1956 मैं० मेटल प्रोडक्ट प्राइवेट लिमिटेड (समापन श्रन्तर्गत) के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 12 जुलाई 1978

सं० एल० | 11920 | एच० डी० | 1825 - कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445 की उपधारा 2 के अनुसरण में एतद्बारा यह सूचना दी जाती है कि आदरणीय उच्च-त्यायालय कलकत्ता ने दिनांक 17-6-76 के आदेणानुसार उपरोक्त कम्पनी के समापन का आदेण दिया है और राजकीय समापक, उच्चन्यायालय, कलकत्ता को उसका राजकीय समापक नियुक्त किया है।

कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 ग्रोर मैं० सरदा चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड (समापन श्रन्तर्गत) के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 12 जुलाई 1978

सं० एल०/ 27902/ एच० डी०/1882 — कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 445 की उपधारा 2 के ब्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि ब्रादरणीय उच्च न्यायालय कलकत्ता ने दिनांक 29-11-77 के ब्रादेशानुसार उपरोक्त कम्पनी के समापन का ब्रादेश दिया है श्रीर राजकीय समापक, उच्च-न्यायालय, कलकत्ता को उसका राजकीय समापक नियुक्त किया है।

कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 भ्रीर मैं० भ्रोडालिया लिमिटेड (समापन श्रन्तर्गत) के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 12 जुलाई 1978

सं० एल० | 1858/एव० डी० | 1808 — कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 की धारा 445 की उपधारा 2 के ग्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि कि ग्रादरणीय उच्चन्यायालय कलकत्ता ने दिनांक 28-2-76 के ग्रादेणानुसार उपरोक्त कम्पनी के समापन का ग्रादेश दिया है ग्रीर राजकीय समापक, उच्चन्यायालय, कलकत्ता को उसका राजकीय समापक नियुक्त किया है।

एन० एन० मौलिक, कम्पनियों का रजिस्ट्रार, पश्चिम बंगाल

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रौर इलेक्ट्रोसिटी एण्ड साउण्ड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

पटना, दिनांक 15 जुलाई 1978

सं० (465) 560/ 78-79/ 1/ 2643 — कम्पनी ग्रिधि-नियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के ग्रनुसार एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के ग्रवसान पर इलेक्ट्रीसिटी एण्ड साउण्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्ट्रर से काट दिया जाएगा ग्रौर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

> एस० बनर्जी, कम्पनी रजिस्ट्रार, बिहार

कम्पनी ग्रीधिनियम, 1956 ग्रीर ग्राप्त्री नाडु पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 1978

सं० 6243/560 (3)/78—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्- द्वारा यह सूचना दी जाती हैं कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर अभै नाडु पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

के० पञ्चापकेशन, कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार मद्रास कम्पनी अधिनियम 1956 श्रीर के पिषदा चिट स्कीमस् एण्ड ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कटक, दिनांक 14 नुलाई 1978

सं० एम० ए० 553/1367(2) --- कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्-द्वारा सूचना दी जाती है की पिवता चीट स्कीमस् एण्ड ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रीर उड़ीसा होमी केमीकल्स श्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कटक, दिनांक 14 जुलाई 1978

सं० एस० ए० 494/1368 (3): — कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि उड़ीसा होमी केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 श्रौर उड़ीसा इण्डस्ट्रियल कम्बाईन प्राइवेट लिमिटेंड के विषय में ।

कटक, दिनांक 14 जुलाई 1978

सं० एस० ए० 515/1370 (2) :—कम्पनी श्रधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्- द्वारा सूचना वी जाती है कि उड़ीसा इण्डस्ट्रियल कम्बाईन प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विधिटित हो गई है।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 श्रौर श्राखण्डलमनी मिल्क श्रोड्युसरस एण्ड कन्फेकसनरस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कटक, दिनांक 14 जुलाई 1978

सं० एस० ए० 522/1371(2) :——कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्-द्वारा सूचना दी जाती है कि श्राखण्डलमनी मिल्क प्रोड्यूसरस एण्ड कन्फेक्शनरम प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी ग्रधिनियम 1956 श्रौर सिन्तालयज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

कटक, दिनांक 14 जुलाई 1978

सं० एस० ए० 549/ 1372 (2) :—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्-द्वारा सूचना दी जाती है कि सिन्तालयज प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है। कम्पनी प्रधिनियम 1956 प्रौर नीड उड़ीसा केमीकल वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

कटक, दिनांक 14 जुलाई 1978

सं० एस० ए० 558/1373 (2) :—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्-द्वारा सूचना दी जाती है कि नीड उड़ीसा केमीकल प्राइवेट लिमि-टेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 ग्रीर कलिंग सी फूड्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

कटक, दिनांक 14 जुलाई 1978

सं० एस० ए० 561/1374 (2) :—-कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्-द्वारा सूचना दी जाती है कि कलिंग सी फूड्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी प्रधिनियम 1956 भ्रौर किलंग सेविग यूनिट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

कटक, दिनांक 14 जुलाई 1978

सं एस० ए० 557/1375 (2):——कम्पनी श्रधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्-द्वारा सूचना दी जाती है कि कीलग सेविग यूनिट प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है।

कम्पनी अधिनियम 1956 श्रीर सटार श्राफ उडिसा केडीट एण्ड इन्वेस्टमेन्ट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कटक, दिनांक 14 जुलाई 1978

सं० एस० ए० 587/ 1376 (2):—कम्पनी म्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती हैं कि स्टार ग्राफ उडिसा इन्वेस्टमेन्ट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

डी० के० पाल, कम्पनियों का रजिस्ट्रार, उड़ीसा

संगठन और प्रबन्ध सेवा निदेशालय (श्रायकर)

नई दिल्ली, दिनांक 10 जुलाई 78

सं० 36/7/76-ए० डी०/डी० म्रो० एम० एस०/ 4207:—-श्री डी०पी० राय, वरिष्ठ विशलेषक, एस० भ्राई० यू०, व्यय विभाग, जो भ्रभी तक इस निदेशालय में सहायक निदेशक के पद पर कार्य कर रहे थे, ने अपनी निवर्तन श्रायु प्राप्त करने पर संगठन और प्रवन्ध सेवा निदेशालय (श्रायकर), नई दिल्ली में 30 जून, 1978 (श्रपराह्म) से सहायक निदेशक का कार्यभार त्याग दिया है।

> जगदीश चन्द निदेशक

श्रायकर श्रपील श्रधिकरण

बम्बई-400020, दिनांक 11 जुलाई 1978

सं० एफ० 48-ए० डी० (ए० टी०)/1978 :---श्री निरंजन दास श्रायकर ग्रपील श्रधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ. दिल्ली के स्थानापन्न सहायक ग्रधीक्षक, जिन्हें तदर्थ ग्राधार पर तीन महीने के लिए ग्रर्थात् 17 शक्तूबर, 1977 (पूर्वाह्न) से ग्रायकर श्रपील श्रधिकरण के ग्रमृतसर न्यायपीठ में सहायक पंजीकार के पद पर स्थानापन्न रूप से नियक्त किया गया था, कृपया देखिये इस कार्यालय की समसंख्यक दिनाक 1 नवम्बर, 1977, स्रौर फिर उसके बाद उन्हें उसी क्षमता में श्रायकर श्रपील श्रधिकरण के श्रमृतसर न्यायपीठ में सहायक पंजीकार के पद पर ग्रौर छह महीने के लिए श्रर्थात् 17 जनवरी, 1978 (पूर्वाह्म) से 16 जुलाई, 1978 तक कार्य करते रहने की श्रनमति प्रदान की गयी थी, को उसी क्षमता में तदर्थ धाधार पर ग्रायकर भ्रपील भ्रधिकरण के ग्रमृतसर न्यायपीठ, भ्रमृतसर में सहायक पंजीकार के पद पर श्रीर तीन महीने के लिए श्रर्थात 17 जुलाई, 1978 (पूर्वाह्म) से 16 श्रक्तूबर, 1978 तक या तब तक जब तक कि उक्त पद हेतु नियमित नियुक्ति नहीं हो जाती, जो भी शीधतर हो, कार्य करते रहने की धनमति प्रदाम की जाती है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ ग्राधार पर है ग्रीर यह श्री निरंजन दास को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं प्रदान करेगी श्रीर उनके द्वारा तदर्थ ग्राधार पर प्रदत्त सेवाएं न तो वरीयता के श्रीभप्राय से उस श्रेणी में परिगणित की जाएगी श्रौरन दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नत किये जाने की पालता ही प्रदान करेगी।

सं० एफ० 48-ए० डी०/(ए० टी०)/78 :--श्री एम० के० दलवी, जो ग्रायकर भ्रपील श्रधिकरण के उत्तरीक्षेत्र नई दिल्ली वैयक्तिक सहायक हैं स्रोर उपाध्यक्ष के सी० एल० भनोट, पंजीकार, सहायक न्यायपीठ नर्ध दिल्ली के स्थान पर श्रवकाश रिक्ति में श्राधार पर सहायक पंजीकार के श्रायकर श्रपील श्रधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली, में दिनांक 14-11-77 से 13-1-78 तक भ्रारम्भ में स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया गया था, देखिये इस कार्यालय की समसंख्यक श्रिधसूचना दिनांक 28-11-77 श्रौर तदन्तर उसी क्षमता में ग्रायकर श्रपील श्रधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ, मई दिल्ली में श्री सतपाल, सहायक पंजीकार, दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली स्थान पर श्रवकाण रिक्ति में सहायक पंजीकार के पद पर दिनांक 14-1-78 से 10-2-78 तक कार्य करते रहने की श्रनुमति प्रदान की गयी थी और उसके बाद जिन्हें श्रायकर श्रपील श्रधिकरण के बम्बई न्यायपीठ अम्बई में सहायक पंजीकार के पद पर तदर्थ प्राधार पर स्थानापन्न रूप से दिनांक 10-2-78 से नियुक्त किया गया था, देखिये इस कार्यालय की समसंख्यक ग्रधिसूचना दिनांक 9-2-1978 को श्रव बम्बई न्मायपीठ, वस्बई में उसी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर तदर्थ श्राधार पर स्थानापस रूप से दिनांक 13-11-78 या तब तक जब तक कि उपर्युक्त पद हेत् नियमित नियमित नहीं हो जाती, जो भी शीधतर हो, कार्य करते रहने की श्रनुमति प्रदान की जाती है ।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है श्रीर यह श्री एम० के० दलवी को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा प्रदान नहीं करेगी श्रीर उनके द्वारा तदर्थ श्राधार पर प्रदत्त सेवाएं उसी श्रेणी में न तो वरीयता के श्रीभन्नाय से परिगणित की जायेगी श्रीर न उससे निकटतम उच्चतर श्रेणी में पदोन्नत किये जाने की पान्नता ही प्रदान करेगी।

पी० डी० माथुर, ग्रध्यक्ष

प्रकप आई० टी • एन • एस •----

क्षायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के झधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई, 1978

निर्देश सं० एल० डी० एच०/यू०/262/77-78---यतः

मुझे, नत्थू राम
ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे
इसके पश्चात् 'उक्त भ्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करते
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० कोठी नं० B-XVIII 621 ग्रौर 453 जिसका क्षेत्रफल 445 वर्ग गज है का भाग है तथा जो माडल टाऊन, लुधियाना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908

1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नवबर, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर धन्तरक (धन्तरकों) श्रोर अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप मे किया नही किया गया है ——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसो भाग का बाबत उक्त भ्रिषिनियम के प्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करन था उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिश्वनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिश्वनियम, या धन-कर ग्रिश्वनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रम, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के नश्रीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- श्री रघुबीर सिंह पुत्र श्री मरवा सिंह वासी कोठी
 नं० 453, माडल टाउन, लुधियाना। (श्रन्तरक)
- 2 श्रीमती देवकी बाई पत्नी श्री केदार नाथ वासी कोठी नं० 453, माडल टाऊन, लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई मी प्राक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविष्ठ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यत्ति में हित-बद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के भध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वडी भर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(कोठी न० बी०-XVIII 621 ग्रीर 453 जिस का क्षेत्रफल 445 वर्ग गज है का भाग, जो माडल टाऊन, लुधियाना में स्थित है)।

जायदाद जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्राधकारी के कार्यालय लुधियाना के विलेख न० 2548 नवम्बर, 1977 मैं दर्ज है।

> नत्यू राम स**क्षम प्राधिकारी** सहायक यायकर ग्रा**युक्त (निरीक्षण)** ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 जुलाई, 1978

मोहरः

प्ररूप भाई० टो० एन० एम०----

अगयकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के भ्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

😱 ग्रर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनाक 15 जुलाई 1978

निर्देश सं० एल० डी० एच०/यू०/25*7*/7*7-*78— ग्रतः मुझे, नत्थू राम

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया ही), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपये से प्रधिक है,

ग्रौर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 50 कनाल 1 मरला है तथा जो मागट, एच० बी० 64, तह० लुधियाना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण म्प से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना, में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का

16) के श्रधीन, तारीख नवम्बर, 1977
में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और भन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय का बाबत उक्त ग्रिध-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दाजिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

शतः सब, उक्त मधिनियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित ध्यक्तियो, भर्यातः ----

- श्रीमती हरनाम कौर विधवा श्री करतार सिंह वासी गाव मागट, तह० लुधियाना (अन्तरक)
- 2 श्रीमती करमजीत कौर पनी श्री ज्ञान सिहं **धा**सी गांत्र सोहरावाली, तह**ं** गढ़शकर (अन्तरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **प्रर्जन के** लि**ए** कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भो ग्राक्षेपः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की धविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रत्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं प्रयं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 50 कनाल 1 मरला है श्रौर जो गाव मांगट एच० बी० 64, तह० लिधयाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता घ्रधिकारी के कार्यालय लुधियाना के विलेख न० 2389 नवम्बर 1977 में दर्ज है)।

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, लुधियाना

तारीख: 15 जुलाई, 1978

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1978

निर्वेश सं० एल० डी० एच०/यू०/266/77-78-ग्रतः मुझे नत्थू राम आयकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-

इ० से अधिक हैं

और जिसकी सं० कोठी नं० 243 (म्यूनिसिपल नं० बी०—
18-845) जिसका क्षेत्रफल 855.22 वर्ग गज है। तथा
जो माडल टाउन, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1977
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दूश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो
(अन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तबिक कथ से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्सरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त ग्रिश्च-नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे सकने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ब) ऐसी किसी माय या किसी घन या मन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उस्त भिष्ठित्यम, या धनकर भिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के सिए;

ग्रतः धव, उक्त धिविनयम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्मलिक्षित व्यक्तियों, अर्थीत् :---

- 1. श्री बेग्रन्त सिंह, एम० एल० ए० पुत्र श्री हजारा सिंह वासी कोटली, डाकघर पाईल, जिला लुधि-याना। (श्रन्तरक)
- 2. सर्वश्री 1) यशपाल , 2) विक्रम कुमार ;पुत्र श्री श्री प्रेम नाथ वासी 228-एल, माडल टाऊन, लुधियाना। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपंति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उन्त संपत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी भाक्रेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की भविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पक्षों का, बो उक्त भिक्षितियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्थ होगा, जो उक्त भ्रष्टयाय में दिया गया है।

प्रनुसूची

कोठी नं० 243 (जिसका म्यूनिसिपल नं० बी०-18-845 है) श्रौर जिसका क्षेत्रफल 855.12 वर्ग गज है तथा जो माडल टाऊन, लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय लुधियाना के विलेख नं० 2585, नवम्बर, 1977 में दर्ज है।

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 जुलाई, 1978

प्ररूप झाई० टी० एन० एस०-----

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-**ष** (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यानय, महायक स्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 15 जुलाई 1978

निर्देश सं० एल० डी० एच०/यू०/258/77–78—— भ्रत मुझे, नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपक्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- द॰ से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० मकान न० बी०-I 251/3 जिसका क्षेत्र-फल 140 वर्ग गज है तथा जो कचहरी रोड नजदीक ढोमो-रिया पुश्न लुधियाना में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में घौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधि-कारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नयम्बर,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भिधक है भीर भन्तरफ (बन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:→

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्रायकी वाबत उक्त प्रक्षि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

भतः भव, उक्त भिवित्यम, की घारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भवीन निम्नलिखित व्यक्तियों भवीत् :—
3—186G1/78

- श्री पी० एम० ग्रानन्द, सी० एम० ग्रो०, सोनीपत (हरियाणा)। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री बेनी प्रसाद जैन पुत्र श्री मुनशी लाल जैन, वासी बी०-1/251/बी कचहरी रोड, लुधियाना, (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के घर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी खासे 45 विन की अविध या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की श्रविश, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतरे पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- कद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अझोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिष्टिनियम के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

एक मकान जिसका नं० बी०- 251/3 स्रौर क्षेत्रफल 140 वर्ग गज है तथा जो कचहरी रोड, नजदीक दोमोयिरा पुल, लुधियाना-3 में स्थित है।

्जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय लुधियाना के विलेख नं० 2397 नवम्बर, 1977 में दर्ज है।)

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षन) भर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 15 जुलाई, 1978 मोहर: प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269व (1) के मिनि चुक्ता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ध्रजंन रेंज, लुघियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई, 1978

निर्देश सं० एल० डी० एच० /यू०/269/77--78---यतः मुझे, नत्थू राम आयकर प्रधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके

भागकर मोधनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 20 कनाल है तथा जो गांव हुसैनपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम; 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नवम्बर 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए, अस्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किवित में बास्तविक रूप से किवत नहीं किया गया है:——

- (क) भन्तरण से दृई किसी भाग की बाबत, उन्त अधिनियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के वायिस्व में कभी करने या उससे अबने में मुविधा के चिए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियभ या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

भतः भव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के जवीन निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :--- श्री मेला राम पुत्र श्री दौलत राम बी-3-9 क्रुं।
 1, घाटी गुजरां, लुधियाना

(भ्रन्तरक)

 श्री पूरन सिंह पुत्र गुरबक्स सिंह 983/ए, दीप नगर, सुधियाना।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के सिये कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (का) इ.स. सूथना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीखा से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास स्थितित में किए जा सकोंगे।

स्वाकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त
भिष्ठितियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित
है, बही भर्य होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 20 कुना 🛊 तथा गांव हुसैनपुर में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख नं० 2646 में दर्ज है)।

> नत्यू राम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रजैन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 15 जुलाई, 1978

घारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई, 1978

निर्देश सं० एल० डी० एच०/यू०/267/77-78--यत. सुक्षे, नत्थू राम

ग्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-जा के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-कु से भ्रधिक है

भीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 20 कनाल है तथा जो गांव हुसैनपुर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर, 1977 को। को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रघीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः ग्रंब, उन्तं अधिनियम, की घारा 269-ग के मनुसरक में, में, उक्त धिधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री मेला राम पुत्र श्री 'दौलत राम वासी बी-3-998/1, घाटी गुजरां दरेसी रोड, लुधियाना। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री गुरुबक्स सिंह पुत्र श्री जीदा सिंह बासी 983/A बी-1, दीप नगर, लुधियाना। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के धर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन की घविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविध, जो भी घविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य ध्यक्ति द्वारा भ्रश्लोहस्ताक्षरी के पासे लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्थव्यक्षिण्यः — इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, वो उक्त श्रिष्ठितियम, के शब्दाय 20-क में परिभावित है, बही धर्म होगा ओ उस शब्दाय में दिया गया है।

अनुस्वी

भूमि जिसका क्षेत्रफल 20 कनाल है तथा जो गांव हुसैनपुर में स्थित है।

(जायदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय लुधियाना के विलेख नं० 2629 मवम्बर, 1977 में दर्ज है)।

> नत्यू राम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण), घ्रर्जन रेंज, लुघियाना।

तारीख: 15 जुलाई, 1978

मोहरः

कार्यालय, सहायक धायकर धावुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई, 1978

निर्वेश सं० एल० डी० एच०/उब्ल्यू०/265/77-78--यतः मुक्ते, नत्थू राम

बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-खं के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु॰ से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 20 कनाल है। तथा जो गांव हुसैनपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन,

पूर्वोक्त, सम्पत्ति के अचित याजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे बड़ विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित याजार मूल्य, उतके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भिध-नियम, के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों का, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त भ्रधिनियम, या धन-कर अभ्रिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, खिपाने में सुविधा के लिए:

भतः प्रव, उक्त मधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रिभिनियम की भारा 269 घ की जपक्षारा (1) के अभीन निम्मितिक व्यक्तियों, धर्मात् :—-

- 1. श्री मेला राम पुत्र श्री दौलत राम, बी-3/998/ 1 घाटी गुजरां, लुधियाना। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री रेशम सिंह पुत्र श्री गुरबक्स सिंह दीप नगर, सिविल लाईन, लुधियाना। (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उदत सम्बक्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सा) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्साक्षरी के पास निखित में किये जा सकेंगे।

स्वक्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक्षितयम, के भ्रष्टयाय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा, जो उस भ्रष्टयाय में विया गया है।

प्रनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 20 कनाल है तथा जो गांव हुसैनपुर में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय लुधियाना के विलेख नं० 2584 नवम्बर, 1977 में दर्ज है)।

> नत्यू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 15 जुलाई, 1978

प्रकप बाई० टी• एन० एस•----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269ध (1) के प्रधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन, रेंज-I, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 15 जुलाई, 1978

निर्देण सं० ग्राई ए० सी०/एक्यु०/1/एस० ग्रार०— III/225/नवम्बर—II(28)/78-79/17398---यतः मुझे, जे० एस० गिल

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के श्रिधीत तक्षत श्रिधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जित्तका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रुपए से श्रिधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 24/2, 25 है तथा जो 26 सतबरी गांव, दिल्ली (नई दिल्ली) में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रध-कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 3-12-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पण्डह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (धन्तरकों) भीर धन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त धांध-नियम के धांधीन कर देने के मन्तरक के दाविस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या घन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भवः भवः उक्त प्रविनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः---

- श्री फौजी, सुपुत्र श्री मिर्जा, इनके जनरल ग्रटारनी श्री बुन्दु के द्वारा सुपुत्र श्री० फौजी, निवासी सतवरी गांव, दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2 श्री सुरेश चन्द्र जैन, सुपुत्र श्री शेर सिंह जैन, निवासी सी०-29, पंचशील एनक्लेब, नई दिल्ली। (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ध्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध धाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण: --इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पर्दो का, जो उक्त मधि-नियम, के श्रष्ट्याय 20क में परिभाषित है, वही श्रष्ट होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षत्रफल 5 बीघा है, और नं० 24/2, 25 तथा 26 है, सतबरी गांव, दिल्ली राज्य में है।

> जे० एस० गिल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली–1

तारीख: 15-7-1978

प्ररूप माई०टी० एन० एस०———-भायकर भिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज I, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 25 जुलाई, 1978

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०-1/एस० श्रार०-3/216/नव० 2(8)/77-78--यतः मुझे, जे० एस० गिल श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की श्रारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० मे अधिक है

श्रीर जिसकी सं० ई-218 है तथा जो ग्रैटर कैलाण-, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्या-लय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकर्रा श्रधिकारी के कार्या-लय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 20−11−1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह श्रतिशत प्रधिक है भीर मन्तरक (श्रन्तरकों) भीर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उट्टेश्य से उक्त मन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उनत भिन्न-नियम के भिन्ना कर देने के मन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रक्षिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भन, उन्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनु-सर्ण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नसिखत स्पन्तियों, प्रशंत :---

- श्रीमती सीलू ठाकुर पत्नी श्री म्नानंद कुमार ठाकुर 16/39, डिपलोमैटिक इन्बलेब, नई दिल्ली। (म्रान्तरक)
- 2. श्री ग्रवतार कृष्ण गुरदास राम गुप्ते पुत्र श्री विश्वनाथ खन्ना, एच० यू० एफ० निवासी बी- 68 ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूत्रना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविष्य या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविष्य, जो भी भविष्य बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45 विन के भीसर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रवि-नियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही धर्ष होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अमु सूची

एक रिहायशी भूमि का प्लाट जिसका नं० 218-ई जो कि ग्रेटर कैलाश-U नई दिल्ली में है तथा जिसका क्षेत्र-क्षेप्रकल 250 वर्ग गज है और जो निम्न प्रकार से विराहुमा है:--

> पूर्व : ६-216 उत्तर : सङ्क पश्चिम: सङ्क दक्षिण : गली

> > जे० एस० गिंल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली–1।

तारीख: 25 जुलाई, 1978

प्रक्ष बाई • टी • एन • एस • ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ख (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-I, विल्ली-11 4/14 क, श्रासफग्रली मार्ग, नई विल्ली

नई दिल्ली-1, धिनांक 15 जुलाई 1978

निर्देग सिं० भ्राई० ए० सी०/एक्यु०/।/एस० भ्रार०-3/ मार्च-55/78/373/1748--म्रतः मुझे, जे० एस० गिल ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)(जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उन्त प्रधिनियम' कहा नया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- श्पये से प्रधिक है भीर जिसकी सं० ई-494 है तथा जो ग्रेटर कैलाम-2/ नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यासय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 18-5-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रन्तरक (प्रस्तरकों)भीर प्रन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए सय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कचित नहीं किया गया है:--

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उकत अधि-नियम, के प्रधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

यत: श्रव, उन्त श्रधिनियम की धारा 209-ग के श्रमुसरण में, में, उपत श्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थीव:---

- सर्वश्री सतीण कुमार ग्रौर राजेश कुमार, पुत्रगण एच० ग्रार० नन्ता निवासी जे० 27-एन० डी० एस० ई० पार्ट-2, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री निहाल चन्द राक्यान, पृक्ष श्री खैराती लाल निवासी ई-494 ग्रेटर कैलाश, 2/ नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के घर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शविध, जो भी प्रविध काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य क्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किये जा सकींगे।

स्वक्तीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा को उस ग्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

फ़ीहोल्ड प्लाट पर बनी जायदाद जिसका नं० ई०-494 क्षेत्रफल 550 वर्ग गज जो कि ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित हैं:--

पूर्व: प्लाट नं० ई-492 पश्चिम: प्लाट नं० ई-496

उत्तर: सड़क दक्षिण: सड़क

> जे० एस० गिल, सक्षम श्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 15 जुलाई, 1978 मोहर: प्ररूप भाई० टी० एन० एस०

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सद्दायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रार्जन रेंज-I, दिल्ली-1 4/14क, भ्रासफग्रली मार्ग, नई दिल्ली-1 नई दिल्ली-1, दिनांक 18 जुलाई 1978

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० श्रार०=III 221/नवम्बर=II(14)/77-78/1748—श्रतः मुझे, जे० एस० गिल

म्रायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रिष्ठक है

ग्रीर जिसकी सं० एस० 252 है तथा जो ग्रेंटर कैलाग-11, नई दिल्ली में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-11-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रिक है ग्रीर मन्तरित (अन्तरकों) भीर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाखर, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के भग्सरक के वायित्य में कमो करने पाउससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या घन्य घास्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर घिष्टित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधित्यम, मा धन-कर अधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्व धन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जामा चाहिए था, छिपानें में सुविधा के लिए।

ज्ञतः अव, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के धनु-सरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-व की अपवारा (1) के श्रधीन, निम्निविविध व्यक्तियों, श्रवित् :-- श्री ग्रमरजीत सिंह, सुपुत्न श्री गुरनाम सिंह (2)
 श्री तजीन्द्र पाल सिंह, सुपुत्न श्री रघुबीर सिंह, निवासी डी-22, माडल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्रीमती मधु खुराना पत्नी श्री मनोहर लाल खुराना, निवासी ए-3, कीर्ति नगर, नई दिल्ली । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिम के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उन्त अधि-नियम के शक्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट जिसका नं॰ एस-252 है ग्रौर क्षेत्रफल 300 वर्ग गज है, ग्रैटर कैलाग-II, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व: सर्विस लेन पश्चिम: रोड

उसर: प्लाट नं॰ एस॰-250 दक्षिण: प्लाट नं॰ एस॰-254

> जे० एस० गिल सक्षम प्रधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 18-7-1978

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर मिमिमन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन क्षेत्र-I, दिल्ली-1
4/14क, श्रासफश्रली मार्ग, नई दिल्ली
नई दिल्ली-1, दिनांक 13 जुलाई, 1978

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/I/एस० ग्रार०/ 3/208/नव० I (28)/77~78/1748—ग्रतः मुझे, जे० एस० गिल,

आयकर भिष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके पश्चात् 'उक्त शिक्षितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एम-81 है तथा जो ग्रेटर कैलाग-11, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्थ से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बागत उपत अधि-नियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायिश्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिय; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या जन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें ग्रारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922का 11), या उक्त ग्रिधिनियम, पा धनकर प्रिधिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः श्रम, उपत ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उपत ग्रिधिनियम, की धारा 269-ग की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों भ्रथीत्:—

- श्रीमती प्रकाश वर्मा पत्नी श्री एस० डी० वर्मा निवासी 17-बी, सुजान सिंह पार्क, नई दिल्ली। (ध्रन्तरक)
- 2. डा० श्रमर नाथ श्ररोडा, पृत्न श्री करतार सिंह निवासी ए-53, करोल बाग, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कंरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्थन के लिसे कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी खासे 45 विन की आविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

हक्क्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीरादों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का प्लाट नं० एम० 81 जिसका क्षेत्रफल 250 वर्गगज है जो कि ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से घिरा है:---

पूर्वः सङ्क

पश्चिम: सर्विस लेन

उत्तर: प्लाट नं॰ एम-79 विक्षण: प्लाट नं॰ एम०-83

> जे० एस० गिल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 13 जुलाई, 1978

प्ररूप आई० टी० एन० एस०------

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

4/14क, आसफग्रली मार्ग, नई दिली नई दिल्ली-1, दिनांक 13 जुलाई 1978

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० म्रार०-53/नव० 212/77-78/1748—म्रत मुझे, जे० एस० गिल,

आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० ए०-342 है तथा जो डिफेन्स कालोनी, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्व रूप में विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 15-11-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और ग्रन्तरक (अन्तरितयों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देग्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रिष्ठित्यन के श्रिशीन कर तन के श्रन्तरक के वायित्य में कमी करने या उसमे वचने में सुविधा के लिए श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय था किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

श्रतः श्रवं, उक्त श्रविनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, पै उक्त श्रविनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रवीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्चातुः—

- सरदार गुरबचन सिंह लाम्बा पुत्र सरदार मान सिंह लाम्बा निवासी डी-84, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली। (ग्रन्सरक)
- $2. \ ig(^iig)$ सर्वे श्री दित् राम सरदाना पुत्रश्री लड्डा राम
 - (ii) श्रीमती जुमा वाई पत्नी श्री दित्ता राम सर-दाना
 - (iii) सतपाल पुत्र श्री दित्ता राम सरदाना, 4 राम नारायन पुत्र श्री दित्ता राम सरदाना, निवासी डी--196 डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली। (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के <mark>प्रर्जन के लिए</mark> कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध मे कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्न में प्रकाशन की दारीख सें
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूजना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी
 श्रवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का जो उकत ग्रिधिनयम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं भ्रष्ट होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक ढाई मंजिल जायदाद जिसका नं ए-342 क्षेत्रफल 217 वर्ग गज है जो कि डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली में है तथा निम्न प्रकार से स्थित है:--

उत्तरः मकान नं० ए-343। वक्षिणः मकान नं० ए० 341।

पूर्वः सङ्क पश्चिमः लेन ।

> जे० एस० गिल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज-I, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारी**ख**: 13 जुलाई, 1978

प्रकप धाई• टी॰ एन॰ एस॰—

भायकर मिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकरः आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन क्षेत्र-I, दिल्ली 4/14क, श्वासफश्चली मार्ग, नई दिल्ली नई दिल्ली-1 दिनांक 13 जुलाई 1978

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० ग्रार०-3/192/नव०-2/(1)/77-78/1748-प्रतः मुझे, जे० एस० शिक्ष 2

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ४० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० जी०-41 है तथा जो जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्व रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतींय रिजस्ट्रीकरण श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतींय रिजस्ट्रीकरण श्रधिकियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 2~11-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित को गई है भीर मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है, भीर प्रन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरित्तों) के बीच ऐसे प्रम्थरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कम से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) धन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त प्रधिक्त नियम, के प्रधीन कर देने के भग्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविक्षा के लिए; और/था
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

असः भव उक्त प्रश्चिनियम की बारा 269 के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269 के जे उपधारा (1) के अजीम निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री प्रेम जगुमाल चेनानी निवासी जी-41, जंगपुरा, एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्री वीनू कथ्यप पुत्न श्री दरबारी लाल निवासी जी-41, जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उभत सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थायर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्थव्यीकरण :—इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो उक्त भिवित्यम, के भश्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्य होगा जो उस भश्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

जमीन के प्लाट नं० जी-41 पर बनी जायदाद जिसका क्षेत्रफल 266 वर्गगज है जो कि जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से थिरा हुग्रा है:--

उत्तर: सड़क दक्षिण: लेन। पूर्व: सड़क

पश्चिम: जायदाद प्लाट नं० जी-40 पर बनी।

जे० एस० गिल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-I, दिल्ली/नई दिल्ली-1

तारीख: 13 जुलाई, 1978

प्ररूप भाई। टी। एन। एस।

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की चारा 2699(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज II, दिल्ली-1 4/14 क,ग्रासकग्नली मार्ग, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 18 जुलाई 1978

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/II/1317/78-79/1743—प्रत मुझे, एन० एस० चोपड़ा प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की चारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- ६० से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 17 है तथा जो डी० एल० एफ० इण्ड-स्ट्रियल एरिया, नजफगढ़ रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजि-स्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 30-11-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत से घिक है और भन्तरक (धन्तरकों) भौर मन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से जब्द अन्तरण लिखित में वास्तिक ष्य में कथित महीं किया गया है:——

- (ङ) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की यायत उकत अखि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; ग्रीर/य
- (ख) ऐसी किसी याय या किसी धन या भन्य धास्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर धिविनमम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिविनमम या धन-कर धिविनमम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिखे।

भतः भव, उक्त भिष्ठितियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त भिष्ठितियम की धारा 269-म की उपवारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- 1. श्री मोहन सिंह सुपुत्र श्री मूल चन्य, निवासी 17/22, मन्ति नगर, नई विरुली। (श्रन्तरक)
- 2. (i) श्री सुभाष चन्द्र (ii) श्री मुनीश कुमार, सुपुत्र श्री राम लाल, निवासी ई-13, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

का यह भूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई भो प्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्दोक्षरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के अध्याम 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही धर्ष होगा, जो उस अध्याम में दिया गया है।

अनुसू**चो**

एक प्लाट जिसका नं० 7 है (इसका पश्चिम तथा दिक्षणी हिस्सा), क्षेत्रफल लगभग 270 वर्ग गज (कुल प्लाट का क्षेत्रफल 2664 वर्ग गज है), जिसपर ये टीन शेड वो स्टोर, एक खुला बरामदा, दो शौचनालय, एक मूद्रालय, श्रीर चार दिवारी बनी हुई है, डी० एल० एफ०, इण्डस्ट्रियल एरिया, नजफगढ़ रोड़, बसाए दारापुर, के गांव, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : प्लाट न० 17 का शेष हिस्सा। पश्चिम : प्लाट नं० 18 की तरफ सङ्ग्रक। उत्तर : प्लाट नं० 17 का शेष हिस्सा। दक्षिण : प्लाट नं० 17 का शेष हिस्सा।

> एन० एस० चौपड़ा, सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज U, बिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 18-7-1978

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269ष (1) के ध्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-Шा दिल्ली-1 4/14क, श्रासफग्रली मार्ग, नई दिल्ली नई दिल्ली-1, दिनांक 20 जुलाई 1978

H/नवम्बर/1567(31)/77-78/—- ग्रत मुझे, ए० सूद <mark>प्रायकर प्रस्थिनियम, 1961 (1961 का 43</mark>) इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यु०/III/एस०

कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० ? श्रिधिक ह

जिसकी सं० ए०-5 है तथा जो शंकर गार्डन, नजफगढ़, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इस से उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्व रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908

का 16) के ग्रधीन, तारीख 30-11-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के पृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित याजार मृत्य, उसके दुश्यभान प्रतिकल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिमात मधिक है और धन्तरक (अन्तरकों) भौर मन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तर धम्तरण लिखित में वास्तिधिक 🗝प से कथित नहीं किया गया 🗁 -

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत **उक्त अधि-**नियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा **के लिए; भीर/या**
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थ। पा किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रत: भ्रव, उक्त अधिनियम 🕸 धारा 269-ग के भ्रन्-सरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की नारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात्:--

- श्री भ्रादर्श कृष्ण सुपुत्र श्री एल० धनश्याम नारायण मकान न० 2584, गली न० 5, बीडनपुरा, करौल बाग, नई दिल्ली−1। (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमती कृष्णा मदान, पत्नी श्री कुन्दन लाल, मकान नं० 2811, गली नं० 19, बीडनपुरा, बाग, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिएकार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजनक्ष मं प्रकाणन की तारीख से 4.5 दिन को अवधि या तत्संबंधो ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उन स्थावर संपक्ति में हित-बद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पशें का, जो उक्त अधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्च होगा, जो उस भध्याय में दिया गवा है।

अमुसुधी

एक फीहोल्ड प्लाट जिसका नं∘ 5, ब्लाक नं∘ 'ए' है ऋौर क्षेत्रफल 444.44 वर्ग गज है, शंकर गार्डन कालोनी, दिल्ली नगर निगम की सीमा के श्रन्तर्गत, राजस्व राज्य, पोसेनगीपूर गांव, मैन नजफगढ़ रोड़, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:---

पूर्व: प्लाट नं० ए-6। पश्चिम: प्लाट नं० ए-4।

उत्तर: रोड़।

दक्षिण: रोड़ ।

ए० एल० सूद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-III, दिल्ली/नई विल्ली-II

तारीख: 20 जुलाई, 1978

प्र**रू**प माई० टी० **एन० एस०**----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 भ(1) के भधीत सुचता

भारत सरकार कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जुलाई 1978

निर्वेश स० 89/78-79--यतः मुझे, के० एस० वेंकट बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269खं के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- द∙ से प्रधिक है श्रौर जिसकी सं० 1-4-100 श्रौर 101 है, जो मेटपल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, करीम-नगर, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण घ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 3-11-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित आजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे पन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त भ धीनयम, के भवीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी श्राय पा किसी धन था घन्य प्रास्तियों की, जिन्हों भारतीय साय-कर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का, 11) या उक्त ग्रधिनियम या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब, उस्त प्रधिनियम की बारा 269-ग के जनुसरण में, में, उसर बिसियम को धारा 269-थ की स्पत्रारा (1) न प्रक्षीन निम्तिबित स्पक्तियों, बर्बात ।---

- श्री पोत्ता गौड़, सुपुत्र नागा गौड़ मेटपल्ली, करीम-नगर जिला (ग्रन्तरक)
- 2 श्री के० वेंकटम्मा पत्नी के० वेंगलरेड्डी मेटपल्ली, करीमनगर जिला (भ्रन्सरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की शबधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शबधि जो भी शबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, मझोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंनें।

स्पचीकरण:--इसमें प्रयुक्त कन्दों भीर पतों का, जो उन्त प्रधिनियम के श्रष्टमाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा जो इस श्रम्वास में दिया गया है।

अनुसूची

घर न० 1-4-100 ग्रीर 101, मेटपल्ली गांव में स्थित है ग्रीर जो करीमनगर जिला में स्थित है जिसका दस्तावेज सं० 1584/77 जो रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय में है।

> के० एस० वेंकट रामन सक्तम प्राधिकारी, सङ्गायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण). श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख**: 12-7-1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 म(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जुलाई, 1978

निर्वेश सं० जी-90/78--79---यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन

ध्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपए से ग्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 2-3-177 है, जो समगीपाल पेट में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सीकीन्द्राबाव में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 का (1908 का 16) के ग्रधीन नवम्बर-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ध्रिष्ठिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (का) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ग्रन्य भास्तियों, को, जिन्हें भारतीय भाय-कर भिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिनियम, या धन-कर भिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के भयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः भव, उन्त मधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में म, मैं उन्त मधिनियम, की 269-घ की उपधारा (1)

- श्रीमती रिजया बेगम पत्नी श्री रफी मुहम्मद खान
 तलाकुनटा सीकीन्द्राबाद। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री मबुबकर पिता-वली महमद 2-3-177 रामगोपाल पेट-सीकीन्द्राबाद। (मन्तरिली)
- 3. श्री ग्रब्युल करीम ग्रीर ट्रांनपीट ममपली 2-3-177 रामगोपालपेट, सीकीन्द्राबाद (वह व्यक्ति जिसके ग्रधि-भोग में सपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय म दिया गया है।

अनुसूची

नं० -2-3-177 रामगोपालपेट, सीकीन्द्राबाद कार्यालय, वस्तावेज नं० 2200/77।

के० एस० वेंकटरामन, सक्षम श्रिष्ठकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-7-1978

मोहरः

प्ररूप आई० टी• एन० एस०-

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की मारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जुलाई, 1978

निर्देश सं श्रारएसी ०-91/78-79-यतः मुझे के० एस०

वेंकट रामन
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के धधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-

द० से धिथ हैं

श्रीर जिसकी सं० 278, नयांवे 1931 है, जो 18-वां बार्ड अनततापुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, अनततापुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, भीर मुझे यह धिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरक लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण से हुई किसी धाय की वायत, उक्त धिकिनियन, के धिधीन कर देने के धन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी वा या भ्रन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठित्यम, या धन-कर श्रिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्क श्रन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

कत: अब, उक्त अधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) श्रधीम निम्निकित अफितयों श्रवीत्:---

- 1 श्रीमती तलुपुर राघाबाई पत्नी स्वर्गीय रामाराऊ श्रननतापुर (2) श्रीमती पी० कमला पत्नी चन्द्रा राजाराऊ कलपीरी चित्तुर जिला। (ग्रन्तरक)
- 2 श्री (1) बनडारु चेन्नाकासन्ना (2) बी० रामादास (3) बी० गंगाधर (4) बी० कोनय्या। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध स कोई भी आर्थेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की भविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचमा के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीक्षरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पत्तों का, जो उक्त ग्रीविनियम के ग्रध्याय 20-कं में परिभाषित है बढ़ी गर्य होगा तो उन अध्याय में दिया गया है।

श्रनसूची

खुली जमीन 72 सेन्टस 278 (पुराना), 1931 (नया) 18 वार्ड, म्रननतापुर।

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण), घर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-7-1978

प्ररूप प्राई० टी० एम० एस•---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 15 जुलाई 1978

निर्देश संब्ह्रार एसी-92/78-79-यतः मुझे के एस वेंकट रामन आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-ग्रीर जिसकी संब 4-1-824/1 है, जो जे ० ऐन ० रास्ता हैदरा-बाद में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख नवम्बर, 77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भिष्ठक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रम्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निणिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण लिखत में वास्तिषक रूप से निम्त नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त अधि-नियम के मधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (ख) ऐसा किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः प्रव उक्त मधिनियम की घारा 269-ग के मनुसरण में, मैं उक्त मधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयत्ः—
5—186GI/78

- 1 कुमारो दीन बनुजाल बसतायाला 4-1-824, जे० ऐन० रास्ता हैदराबाद। (ग्रन्तरक)
- 2 श्री राज कुमार गुप्ता पिता रूपिकशोर गुप्ता 17/4 वीगयानपुरी, हैदराबाद। (श्रन्तरिती)
- 3 मैंसर्स राम एनटर प्रैंसस 4-1-824/1, जे०/ऐन० रास्ता हैदराबाद। (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पिष्ठ के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी ब्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की श्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पद्दों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

मलगी रूम नं० 4-1-824/1 जवाहरलाल नेहरू रास्ता हैदराबाद ।

के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-7-1978

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर प्रामुक्त (निरीक्षण) श्रर्भन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जुलाई, 1978

निदेश सं० श्रार ए सी० 93/78-79-यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की घारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- ६० से मधिक है श्रीर जिसकी सं० 4-1-824/2 है, जो जे \circ ऐन \circ रास्ता, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण, श्रधिनियम, (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवम्बर, 77 पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भ्रधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) ग्रीर मन्तरिती (मन्तरि-

तियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से

🖚 चित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त ग्रिश्वनियम के मधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बथने में सुविधा के लिए; और/या
- (चा) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

धतः श्रव, उक्त पिधिनियमं की चारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, इक्त प्रधिनियम बारा 269-व की उपधारा (1) के श्रधीम निक्ति जिस क्यक्तियों अर्थातु:—

- 1 कुमारी दीनबनुजाल बस्तावाला 4-1-824, जे० उत्त० रास्ता, हैचराबाद। (श्रन्तरक)
- 2 श्री राज कुमार गुप्ता पिता रूप किशोर गुप्ता 17/4, वीगयानपुरी, हैदराबाद। (श्रन्तरिती)
- 3 मैंसर्स राम एन्टर प्रैसस 4-1-824 जी० एन० रास्ता हैदराबाद। (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में संपत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी थ्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी ग्रम्थ व्यक्ति द्वारा श्रघोहरूताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थक्तीकरण :--इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी रूम नं० 4-1-824/2 जवाहरलाल नेहरू रास्ता, हैदराबाद।

के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-7-1978

प्रारूप ग्राई० टी० एन० एस०----

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जुल।ई, 1978

निर्देश सं० आर ए सी०-94/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन धायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ध्रधिनियम' कहा गया है),की द्वारा 2.69-ख के ध्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बा<mark>जार मुख्य</mark> 25,000/- र॰ से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 15-1-418 है, जो फीलकाना, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन नवम्बर, 1977

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दुश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर भन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रिष्ठिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अस्तः अन्त, उक्त श्रिष्ठिनियम की घारा 269-ग के अससरण में, में, उक्त ऋधिनियम की घारा 269-घ की उनबारा (1) के प्रधीन निस्मलिखित व्यक्तिकों, अर्वात:---

- 1. (1) थोद्पुन्री भ्रनजय्या पिता भीमय्या,
 - (2) टी० द नकटेशम
 - (3) टी० भुमेश 15-1-418, फीलखाना, हैदराबाद (ग्रन्तरक)
- 2. (1) श्री मती गारी पली लक्ष्मीकान्तम्म परिन वीरेशम 3-2-269 केशय कुटीर, सीकन्दराबाद।

(भ्रन्तरिती)

- 3. (1) मैंसर्स मोहिन्द्र ट्रान्सपोर्ट 15-1-418 फीलखाना,
 - (2) जी० वीरेशम
 - (3) श्रीमती कमला बाई, हैदराबाद

(बह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करकेपूर्वोक्त सम्पत्ति के **मर्जन** के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप्रां---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावरसम्पत्ति में हित्रबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिक भाषित हैं, बही भर्य होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डबलमंजिला घर 15-1-418 का भाग है, फीलखाना हैदराबाद में।

के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण), श्चर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 15-7-78

प्रकप धाई • टी • एन • एस •---

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैयराबाद, दिनांक 15 जुलाई 1978

सं० 95/78-79—यत सुझे, के० एस० वेंकटरामन ग्रायकर ग्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त ग्रिवित्यम' कहा गया है), की घारा 269- के ग्रिवीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से ग्रिविक है,

श्रीर जिसकी सं० -39 है, जो एस० के० डी० कालोनी, श्रदीनी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है)रजिस्ट्रीकर्ता श्रविकारी के कार्यालय श्रदीनी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नवम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-कल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से भ्रष्टिक है और भन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्स्रविक इप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) परदरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भिधिनियम, के भिभी के 5र देने के भन्तरक के दाधिस्य में कभी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी श्राय या निसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रिधिनियम, या घन-कर श्रिधिनियम, या घन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

ग्रतः श्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269ना के अनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-थ की ज्यखररा (1) के ग्रधीन; निम्निजिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- एन० कासीपती राउ, पिता घीदेम्बर राउ, एम० के० डी० कालोनी, श्रदीनी

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) के० प्रहलाद रेड्डी
 - (2) के० शेनकर रेड्डी
 - (3) के० येला रेड्डी, के० वेनकट रेड्डी, मारकड, गाव, भ्रदीनी।

('ग्रन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रजैन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध श्राद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

्वक्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं श्रधं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं o XXI-39 एस० के० डी० कालोनी, श्रदीनी।

के० एस० वेंकटरामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर द्यायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 15-7-78

प्रकप आई० टी० एन० एस०---

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269म (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायका (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 15 जुलाई, 1978

सं० 96/78-79—-यत मुझे, के० एस० वेंकटरामन, प्रायकर धर्मिनयम, 1961(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 15-1-503/ए-25 है, जो सीदीयेमबर बाजार, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नयम्बर, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत से धिक है और अन्तरक (धन्तरकों) भीर अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण जिखित में बास्तविक रूप से कथित गई किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/मा
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्थ भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धनकर भ्रिधिनियम, या धनकर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः प्रव, उन्तं ग्राधानयम की धारा 269ग के प्रनुसरण में। में, उक्त ग्राधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1)के प्रश्नीन; निम्निक्षित व्यक्तियों ग्रार्थात् :--- श्राशीक देवनानी, पिता कणुमल, पीलकाना, हैदराबाद

(ग्रन्तरक)

 श्री दीनानाथ मोदी, पिता हनुमानदास मोदी, श्राशोक श्राटोमोबैल, श्रफजलगंज, हैदराबाद के द्वारा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसस्ब किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सर्केंगे।

स्वड्टोकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रध-नियम के श्रध्याय 20क में परि भाषित हैं, वहीं भर्य होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन पर का मलगी नं० $15-1-503|\nabla|\,25$, सीदीयेम्बर वाजार, हैदराबाद ।

के० एस० वेंकटरामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्तर आयु**क्**त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-7-1978

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०----

आयकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के सिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालम, सद्दामक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 15 जुलई 1978

सं० 97/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन आयकर श्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्राधित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से श्रिधक है

श्रीर जिसकी सं० 1-1-209, 210, 211 है, जो धीकडपल्ली हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नवम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण में हुई कितो आय की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे धवने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त अधिनियम की ग्रारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रिप्तिनयम की ग्रारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रजीन निम्नलिखित व्यन्तियों, अर्थात् :---

 श्रीमती मेहताब कातुन पति हीसदरकान, मीरश्रालम मन्डी, हैदराबाद

(भ्रन्तरक)

 श्री लक्ष्मीपति घर नं० 1-1-200, धीकनडपली, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविधि जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्नों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रथं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 1-1-209, दरवाजा नं० घर नं० 1-1-206, पहला मंजिला, घर नं० 1-1-201, खुली जमीन धीकड्रपली, हैदराबाद।

> कें० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकरी, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

क्रारीख: 15-7-1978

मोहर !

प्रइत पाई• टी • एन • एस • ----

भायकर ग्रीविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-य(1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जुलाई 1978

सं० 98/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन, शायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-खा के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- इ० से प्रधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 7/2/906 है, जो हसमगंज, सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन नवम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से मधिक है भीर यह श्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के श्रम्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/मा
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या ग्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर ग्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रत: प्रथ उरेत भ्रधिनियम की भ्रारा 269-ग के भ्रनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की भ्रारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तिकों, भर्यात्:—

- 1. (1) श्री एम० एस० चन्द्रशेखर राउ
 - (2) एम० रवीशंकर, 146, मारेडपली, सिकन्दराबाद। (अन्तरक)
- नेलुकुन्तला लक्ष्मी नरसम्मा,
 39/40, मारेडपली, सिकन्दराबाद
- 3. पी० सी० तेलुकुन्तला, बालानरसय्या वेनकटेशम 7-2-906, हसमगंज, सिकन्दराबाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के चिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:→

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, ध्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रार्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० 7-2-906, लीस हीलड प्लाट नं० 20 हसमगंज सिकन्दराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1886/77 रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

> के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख: 15-7-1978

प्रारूप ग्राई० टी० एन० एस●-

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अभीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भारतकर_् वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जुलाई, 1978

सं० नं० 99/7879 —यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन (1961 आयकर अधिनियम, 1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के पधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- इ• से भिधिक है श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 4 है, जो जगा नं० 25 ए सिकन्दराबाद में स्थित है) श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ध्रम्तरिस की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मिष्य है मौर भग्तरक (भन्तरकों) मौर (भन्तरिती) (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखत में वास्तविक 🕊 पसे कथित नहीं किया गया है:——

- (क) सन्तरण में हुई किसो माय की **बाब**त, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किया धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

सतः श्रम, उक्त श्रधिनियम, की श्रारा 269-ग के श्रभुसरण में, में, उक्त श्रिशित्यम की श्रारा 269-थ की उपश्रारा (1) के श्रधीन निस्तिविद्या व्यक्तियों, श्रमीत्:-- श्री श्याम गोपाल सैवय्यार 25 ए सेनट जानेस रास्ता, सिकन्दराबाद

(भ्रन्तरक)

श्रीमत ग्रंशत्रीका
 10-3-3/1, ईस्ट मारेड, पली, सिकन्दराबाद
 (ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंने।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम, के भ्रष्टयाय 20क में परिमाधित हैं, वही भर्ष होगा जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 388.5 वर्ग यार्ड नं० 4 जमीन नं० $25 \, \overline{v}$, सेनट जाम रास्ता, सिकन्दराबाद रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 2093/77, रिजस्ट्री कार्यालय, सिकन्दराबाद।

के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-7-1978

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर छिविनयम, 1961 (1961 **का 43) की** धारा 269 घ (1) के **घ**ष्टीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर धायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 15 जुलाई, 1978

सं०/ 100/78 79--यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन यधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है न्नौर जिसकी सं० 6/2/203 है, जो ए० सीं० गार्ड कैरताबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन्सुची में ग्रौर पूर्ण रूप से र्वाणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नवम्बर, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भौर ग्रसरक (भन्तरकों) भीर मन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐते अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है।

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त ग्रिश्चित्यम, के भ्रष्टीन कर देने के भ्रन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रम्य धास्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर श्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

धतः धन, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ण की उपक्रारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:——6—186GI/78

 श्रीमती बद्रुनीसि बेंगम पती सैयद श्रजीज हुसैन 20-7-645, हैदरमनजील पते दरवाजा, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

अो सेयद बीन घली पिता ग्रलीबनिसाली ग्रदीपती रहमानीया बैतुल माल सोसायटी, ए० सी० गई० हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से
 45 दिन की श्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध,
 जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के
 भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
 द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उंक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रभोहस्ता- अरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पाद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का जो उक्त अधि-नियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रयें होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया नया है ।

अनुसूची

घर नं० 6-2-203, ए० सी० गार्ड हैदराबाद, यस्तावेज नं० 2943/77, करैताबाद, हैदराबाद।

> कें० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी, स**हायक धायकर पायुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-7-1978

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269म(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जुलाई, 1978

नं 0 101/78 79---यतः मुझे, के एस० वेंकटरामन मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- दे से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 11/5/431/1 है, जो लकडी का पुल, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णितहै) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन नवम्बर, 1977

को पूर्वांक्त संपत्ति के उत्वित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उत्वित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्छह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रस्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिय-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (का) ऐसी किनी माय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिल्हें भारतीय भ्रायकर श्रिष्ठनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिष्ठनियम, या बन-कर भ्रिष्ठनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब, उक्त भिधिनियम की धारा 269ग के धनु-सरण में, में, उक्त धिधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के भिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मीत्:--- श्री ई० कीच्छा रेड्डी,
 5-5-754, बीपा महल, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

श्री वरदालास्वामी,
 513/डी, नया मलेपली, हैदराबाद।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तस्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्योक्तरण:--इसमें प्रयुक्त नन्दों और पदों का, जो उक्त धिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं धर्म होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० 11-5-431/1 लक्ष्णी का पुल, हैदराबाद विस्तीर्ण 492 वर्ग यार्ड, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2785/77 कार्यालय कैरताबाद, हैदराबाद।

> के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक <mark>ग्रामकर ग्रायुक्त (निरीक्रण)</mark> ग्रुजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-7-1978

प्ररूप बाई• टी• एन० एस०-

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर **शायुक्त (निरीक्षण)** श्रजेन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जुलाई, 1978

नं० 102/78 79—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), भी धारा 269-ख के भधीन सवाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रिष्ठिक है

भ्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 30 घर के 8-2-579 है, जो बनजारा हिल्स में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नथम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरिक (प्रन्तरिकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप को बावत, उनत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ग्रन्य ग्रस्तियों को जिम्हें भारतीय भाय-कर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिधा के लिए;

अत: मन, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के भनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269व की उपधारा (1) के भधीन, विक्रमितिक स्पक्तियों, प्रयात !--

- श्री के० झार० श्रीदरन, ए० डी० प्लेस, केसीकलश, रोरकेला 769016 (श्रन्तरक)
- श्री पी० एस० बी० राजन,
 11 उमानगर, बेगमपेट, हैदराबाद।
 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिख् कार्यवाहियां गुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धन्नधि, जो भी धन्नधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के झध्याय 20क में परिभा-वित हैं, वही झयं होगा जो उस झध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 30 घर नं० 8-2-579 बनजारा हिल्स, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1323 वर्ग यार्ड, दस्तावेज नं० 2847/77 ऊपर रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद।

के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी, स**हायक भायकर ग्रायुक्**त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, **हैद**राबाद

तारीख: 15-7-1978.

प्राह्मप भाई० टी• एन० एस०----

कायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269**व (1) के श्रधीन सूप**ना

भारत सरकार

कायशिय, सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीकण)

<mark>श्रर्जन रेंज, हैदराब</mark>ाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जुलाई 1978

सं० नं० 103/78 79—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की खारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से प्रधिक है,

श्रीर जिसकी सं० 10-3-36 है, जो ईस्ट मरिडपली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर . पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नवम्बर, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित भाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्त- विक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उन्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन या भन्न भास्तियों की, जिन्हें भारतीय भागकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधिनियम, या भनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रक्षः वय उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरन में, मैं, उनत प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रधीत :--- वी० एस० वरदाराज पिता वी० सी० सभापती 10-3-31/1 ईस्ट मरिडपली, सिकन्दराबाद ।

(ग्रन्तरक)

 श्री सोहनराज पिता श्री इन्दरमल मारिडपली, सिकन्दराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की शवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी शवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संभ्यति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त मन्दों और पदों का, जो उत्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं धर्म होगा जो, उस प्रध्याय में दिया गया है।

प्रनुसू खो

घर नं० 10-3-36, ईस्ट मारिङपली, सिकन्दराबाद विस्तीर्ण 2394/वर्ग शीट उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद दस्तावेज नं० 1956/77 ।

> के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखा: 15-7-1978

मोहरः

प्रकप भाई० टी० एन० एस०—

आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269•घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जुलाई 1978

सं० नं० 104/78-79—यत मुझे, के० एस० वेंकटरामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है \overline{x} ौर जिसकी सं० 12/155/12/56 है, जो तीरुमला, तीरुपती में स्थित है (ग्रौर इस से उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय तीरुपति में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 7 नवम्बर, 1977 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचितवाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह जिल्लास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यपान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और ग्रन्तरक (अन्तरकों) ग्रौर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐके भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपत श्रम्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबा उक्त अधिनियम, के घंधींग कर देने के प्रस्तरक के दायिस्व में कमी करणे या उससे बचने में शुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (क) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्न अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना घाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

त्रतः, ग्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- ग्ररचकम वेनकटरमना दीशीतुलु घर नं० 364/बी, मीट्टु की गली, तीरुपति (श्रन्तरक)
- ग्ररचकम श्रीनिवासा मुरथी दीक्शीतुलु
 108-श्रार० एस० माङा, गली तीरुपति ।
 (श्रन्तरिती)

को यह सूवना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़
 किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखिन में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठितियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 12/155/12/56, ऊतर मेडा गली, तीरुमला तीरुपति में चन्द्रागिरि तालूक चीन्तूर जिला रजिस्ट्री दस्तावेज न० 2884/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय तीरुपति में।

के० एस० वेंकटरामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-7-78

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०--

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 15 जुलाई1978

सं० नं० 105/78-79—यत: मुझे के० एस० वेंकटरामन, धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 6-2-100/83 है, जो सुभाष नगर, नैजामाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नैजामाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 24-11-1977

क श्रधान 24-11-1977
को पूर्वोक्त सम्मिल के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मिल का उचित बाजार मूल्य, उसके
बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिश्वत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाग की काबत, उक्त भिध-नियम के भधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्य में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी फिनी ग्राप पा किसी खन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिषिनियम, या खन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिये।

बतः, अब, उन्तः श्रिधिनियम की घारा 269ग के घनुसरण में; बें, उन्तः श्रिधिनियम, की घारा 269व की उपधारा (1) के धनीन, निम्निसिंदित अधितयों अविदः—

- श्री जी सत्यानारायन रेड्डी घर नं० 18-44/9/ए, चीकअपली, हैदराबाद। (ग्रन्सरक)
- श्री बी० लशमन बागीदार मैसर्स रवीन्द्र होटल का नैजामाबाद में

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त तम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूत्रना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधिया तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उपत धर्धिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्ष होगां, जो उस ग्रष्टयाय में दिया गया है

अनुसूची

एक दूसरा मंजिला ग्रार० सी० सी० घरनं० 6-2-200/83 सुभाष नगर, नैजामाबाद में है । रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 4912/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय नैजामाबाद में ।

के० एस० वेंकटरामन, सक्षम प्राधिकारी, **स्हायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण),** श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

सारीख: 15-7-1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-----

भायकर मिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष (1) के भाषीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जुलाई 1978

सं० नं ० 106/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- क्पये से ग्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० मलगी नं० 50 है, जो जमीन की सता पर ग्रबीद शापिंग सैक्टर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन नवम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर घन्तरक (घन्तरकों) भीर भन्तरिती (घन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की वावत, उक्त श्रिष्ठित्यम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (का) ऐसी किसी आय यो किसी धन या प्रन्य धास्तियों, को जिन्हें भारतीय धायकर ग्रंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधनियम, या धन-कर ग्रंधिनियम, या धन-कर ग्रंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः सभ, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के प्रजीन, निस्तिलिखित व्यक्तियों सर्यात् :- 1. श्री के० सत्यानारायन राजु, घर नं० 8-2-438/I, बंजारा हिल्स, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

 श्री मोहमद ग्रबदुल सलीम पिता मोहमद सुलेमान 3-5-786/38, शेरगुडा, किंघ कोटी, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी घाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, जो भी घवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त महि-नियम के घट्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं धर्म होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

भवुसूची

मलगी नं० 50, जमीन की सता पर श्रबीद शापिंग सैक्टर घर नं० 5-8-512 तारीख 517/ए, चीराश्रली लेन हैदराबाद में । रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3175/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में ।

> के० एस० वेंकटरामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 15-7-1978

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर भिर्मियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के ध्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जुलाई 1978

सं० 107/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धािधनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 12-8-28 का भाग है, जो पुराना बीट बाजार, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में झौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय वारंगल में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 9-11-77

- को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—
 - (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/बा
 - (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तयों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव, उभत अधिनियम का धारा 269-ग के भनु-सरण में मैं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-च की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित अकितवों, भर्यांत्:— (भ्रन्तरक)

- (1) श्रीमती कोनडुर कलावती पित के० सनकरु गेनगम पुराना बीट बाजार, बारंगल।
 - (2) कें० राजेश्वर राउ, वारंगल ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भ्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भविध
 बाद में सप्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
 म से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 12-8-28 का भाग है, पुराना बीट बाजार, बारंगल में। रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3674/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय वारंगल में।

> के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी, स**हायक भायकर भ्रायुस्त (निरीक्षण)**, स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 15-7-1978

प्ररूप ग्राई० टी • एन० एस०- --

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की श्रारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जुलाई 1978

सं० 108/78-79—यतः मुझे के० एम० वेंकटरामन मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित माजार मृत्य 25,000/- द० से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० 12-8-28 का भाग है, जो बीट बाजार वारंगल में स्थित है (स्रीर इससे उपावत्र श्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याल्य वारंगल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन 9-11-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल

का पन्द्रह प्रतिशत से भक्षिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (ख) ऐसो किसी ग्राय या किसी धन या अन्य ग्राह्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुषिधा के लिए;

भतः अन, उन्त भिवित्यम की वारा 269 के भ्रनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की घारा 269 च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात् :--- श्री श्रकीनी पली श्रीनिवासुलु, पिता मु० जगननादम---स्टेशन रास्ता, वारंगल ।

(भ्रन्तरक)

कोनडुर शकरिलंगम, पिता कोमरय्या,

(2) के० सदासिव राज पिता के० शनकर लीनगम, पूराना बीट बाजार, वारंगल

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

कउत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:—
(क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी
धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपता में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा शशोहस्ताक्षरी के पास लिखात में किए जा सकेंगे।

हर्दिशकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों धीर पदों का; जो 'उक्त अधिनियम', के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

चर नं० 12-8-28 का भाग, पुराना बीट बाजार, वारंगल में है। दस्तावेज रजिस्ट्री नं० 3673/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय वारंगल।

> के० एस० वेंकटरामन सक्षम श्रक्षिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण ; श्रजन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 15-7-78

प्ररूप भाई • टी • एन • एस • ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 जुलाई 1978

सं० 109/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन आग्रकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्न ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रूपए संग्रिधिक है

स्रौर जिसकी सं० 8-2-627 है, जो बन्जारा हिन्स रास्ता नं० 11 में स्थित है (ब्रौर इससे उपाबद्ध स्नमुसची में स्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजर्हीकर्ता स्रविकारी के कार्यालय हैदरावाद में रिजस्ट्रीकरण स्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन नयम्बर, 1977

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति क उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है और मुद्दा यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण क लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उत्तर अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण य हुई किसो प्राय का बाबत, उक्त प्रिधिनयम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमो करने या उसस बचन में सुविधा के लिए; श्रीर
- (ख) ऐसी जिसी प्र: पा कि तारत या प्रत्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय अप्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या तन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ पर-रिती द्वारा प्रकटन किया गया था या किया जाना चाहिये था, स्थिपात में सुविधा के लिए;

म्बतः ग्रव उक्त अधिनियम की धारः 269-ग के ग्रनुषरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ग्रिक्षीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथीत् :--

- 1. (1) नबाव मुजीबयार जेनग,
 - (2) सायेवजादी खतुनीसा वेगम जोजा श्रदाकारी, नवाव मुजीवयार जेनग
 - (3) सायेवजादी रहमतुनीमा वेगम
 - (4) सयेवजादी शौकतुनीसा वेगम—कुयारी है जिसका पिता नवाव मुजीब यार जेनग ईडनरारडेन, हैदराबाद

(भ्रन्तरक)

2. डाक्टर फजुलनीसा पित स्वर्गीय एमकान 8-2-627, रास्ता नं० 11, वन्जारा हिल्स, हैदराबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में यथापरिकाषित हैं, वही श्रर्व होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है

ग्रनुसूची

घर नं० 8-2-627 बनजारा हिल्स, रास्ता न० 11, हैदराबाद । रजिस्ट्री दस्तावेज न० 3105/77, उप रजिस्ट्रार हैदराबाद ।

के० एस० वेंकटरामन सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 17-7-1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

आयकर म्रिधिन्यिम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भद्यीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालज, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रज हैदराबाद

हैद गबाद, दिनाक 17 जुलाई 1978

ा10√78-79—-यत मुझे, के० एस० वेकटरामन भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमे इसके पश्चात् 'प्रक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पोत, जिसवा अंजा मुख 25,000/-**रुप**य से अधिक श्रीर जिसकी स० 10 1 55 है, जो मासाब टानव स रिप्रत (स्रोर इससे उपात्रद्ध अनुसूची में स्रोर जा पूण रपा विणित) रजिस्ट्रीकर्ता स्रद्धिकारी ४ कार्यालय हे३राबाद में राजिस्ट्रावरण श्रिधिनियम, 1908 (1908का 16) देशधीन नवस्बर 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजप्र मृत्य में क्रम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पन्ति का जित बाजार मूल्य, **उ**सके दृश्यमान प्रतिफल से, एन दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (मन्तरको) मौर मन्तरिती (पन्तरितियः) व्योच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया गतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त मन्तरण लिखित मे वास्तविक रप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) भ्रन्तरण स हुई किसी श्राय की बाबत उक्त यांध-नियम, के भ्रधोन कर देने के भ्रन्तरक के दायिन्य मे कमी करने या उपसे बचने में युविधा के लिए भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसो धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम. 1922 (1922 ना 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ पन्तरिती द्वारा प्रकट नहां हिया गया था या विया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

म्रत:, म्रब, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के भ्रनु-सरण में, में, उक्त अधिनिया की घारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, गर्यात् :→-

- शिमती वजमासुलताना पान शमन्दीन 10-4-14 मासाब टुन ह हदरावाद (अन्तरक)
- 2 श्रीमती सपमा पुराता। पित्र सैयद रातांग श्रली धर न० 10-4 38 , गासाब टेनक, हेदराबाद (श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारो करः {वॉक्त यस्पत्ति के श्रजन के रिए कार्यवाहिया करना ता

उक्त सम्पत्ति के अजन क सः क प्रथ का , भी पाक्षेप :--

- (क) इस सूचना क राजान में प्राध्यम को तारी का न 45 दिन का अब ध या नत्सवधी अनितयो पर सूचना की नामोल न 30 दिन की अनिधि, के भारतिया में समापन जातो हो, के भोतर पूचाना व्यक्तिया में से किसा व्यक्ति कारा:
- (५) इस तूचना त राजपत्र में प्रताशन की नागी व न 45 दिन के भीतर अति गाल र म्पारियो हिन बद्ध किसी मन्य ब्यानन जाना, अजाहस्ताजरी के पास निखित में किए जा नकेंगे।

स्वव्होकरण ---इसमे प्रयुक्त शब्दो प्रीर पदा का, जा उक्त श्रद्धि नियम के श्रध्याय २०-क में परिभाषित है, वही श्रद्धें होगा जो उप प्रध्याद में दिया गया है।

अनुसूची

धर न० 10 4 33 मागाब टेनफ के पास हदराबाद । र्राजर्रो दक्षाविज न० 3241/77 उप रिजरट्रा बार्गलय हेदराबाद में।

> कें० एग० नेकटरामन सद्भम प्राप्तिकारी सहायक प्रायक्तर प्रानुक्त (निरीक्षण) गजन रेज, हैदराबाद

तारीख 17-7-78 मोहा

प्रक्प ग्राई• टी• एन• एस•----

शायकर ग्रिश्चिमम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के ग्रिशीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 जुलाई 1978

सं० 111/78-789—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन श्रायकर श्रिष्टिमयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिष्टिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिष्टीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वासकरने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से अश्रिक है

भौर जिसकी सं० 7-1-621/299 है, जो संजीव कालोनी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नयम्बर, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृस्थ में कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए मन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके तृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रिष्ठिक है भौर भन्तरक (भन्तरकों) और ग्रन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से बक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है---

- (क) ऋन्तरण से हुई किसो आय को बाबत उक्त श्रिष्टितियम के श्रिष्टीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या श्रन्थ श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधनियम, या धन-कर प्रिवित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्सिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, कियाने में मुबिधा के लिए;

भतः प्रव, उक्त भिनियम की धारा 269 ग के धनुसरण में, में, उक्त भिनियम की भारा 269 म की उपभारा (1) के भिनिन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों भवति:— श्री पी गोपाल रेड्डी पिता नरसीम्मा रेड्डी, कारेप्पली जिम्मी कुनटा, हुजुराबाद, करीम नगर ।

(श्रन्तरक)

 श्री देन्डूरामाराजु पिता सूर्य नारायणन, राजू,
 7-1-621/299, संजीवी रेड्डी नगर कालोनी, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा घ्रधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रमुक्त गब्दों भ्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रथं होगा, जो उस भध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 7-1-621/299, संजीव रेड्डी नगर कालोनी, हैदराबाद। रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2927/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में।

> कें० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 17-7-78 मोहर:

प्ररूप प्राई०टी० एन० एस०---

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269 व (1) क ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक सायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनाक 10 जुलाई 1978

सं० 686—यतः मुझे एन० के० नागराजन
आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सभ्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ०
से श्रधिक है,

श्रार जिसकी सं० 21-1-90 है, जो विजयनगरम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रोर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, विजयनगरम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 23-11-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के जित्रत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये भन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिमत से अधिक है और भन्तरक (अन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण खिखित में वास्तविक स्थप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हे भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर ध्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त भविनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भक्तिन; निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) पि० नर्रासहाराव
 - (2) पि० मोहन राव
 - (3) पि० सत्यन्नारायण
 - (4) पि० सूर्य नारायण
 - (5) पि० सिनील विजयनगरम ।

(ग्रन

श्री के० रामाराव,
 विजयनगरम ।

(भ्रन्तरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति ह अर्जन हे लिए कार्यवाह्निया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ध्रजैन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना क राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिसकद्ध किसी घन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठिनियम, के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयनगरम रजिस्ट्री श्रिधिकारी से पाक्षिक भ्रांत 30-11-77 में पजीकृत दस्तावेज नं० 6527/77 में निगमित श्रनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण), भ्रर्जन रेज, काकीनाडा

तारीख: 10-7-1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्याक्षय, सद्दायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 10 जुलाई 1978

सं० 687—यतः मुझे, एन० के नारगराजन आयकर ग्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/—रुपए मे ग्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० 10-4-7 है, जो बैजाग में स्थित है, (श्रौर इससे उपावद्ध सनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय वैजाग में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 17-11-77 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यणापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रुग्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरित (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिधित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किस धन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किस धन्तरण लिखित

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी माम या फिसी घन या मन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय आम-कर म्रिबिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त म्रिबिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित्री द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रंब उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्।——

- श्री एम० श्रीरामुलु,
 वैजाग । (ग्रन्तरक)
- श्रीमती वि० नैरी विजया प्रभावति वैजाग ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्स सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शक्षिप:--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के धीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी। व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इन सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

साब्दीकरण: --इनमें प्रयुक्त गन्दों भीर पर्वोका, जो उक्त धिधिनयम के ध्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वही धर्थ होगा जो उस ध्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वैजाग रिजस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक ग्रंत 30-11-77 में पजीकृत दस्तावेज नं० 3931/77 में निगमित् श्रनुसूची सम्पत्ति ।

> एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक <mark>ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 10-7-78

पञ्ज आर्थिटी० एन० ए४०---

भायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के अधीन ग्चना

भारत नरकार

कार्जीलम, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कार्ककीनाडा

काकीनाडा, दिनाक 10 जुलाई 1978

सं० 689-यतः मुझे एन० के० नागराजन, - प्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मृहय 25,000/- ७० मे प्रक्षिक है ग्रौर जिसकी सं० 22:5-54 है, जो तेनाली में स्थित हे (ग्रौर इससे उपाबद्ध, श्रनसूची में श्रोर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिक ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय तेनाली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधि-नियम 1908 (1908 का 16) के अबीन 17-11-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययानूबोक्त तस्मत्ति का उचित बाजार मृहय, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और सन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (म्रन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में बास्तविक एव से कवित नहीं जिया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन कर देने के ग्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को जिन्हों भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती ब्रारा प्रक∑ नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भ्रन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ छी उपधारा (1) के अधीन विस्नलिखित स्यक्तियों अर्थातः— श्रीमती टि० सत्यवती पवी , मद्रास ।

(अन्तरक)

- 2. (1) डि॰ बल्ली देवी
 - (2) डि० राज विश्वेश्वराराव ,
 - (3) डि० वि० मुक्कक्षस्या नागेक्वरराव तेनाली ।

(भ्रन्तरिती)

- 3. (1) मैनेजर केनारा वैक,
 - (2) ठाकुरदास वि० चौनाली, तेनाली ।

(तह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुचना जारी करके प्यॉक्त सम्पत्ति के प्रजंत के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रजन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील में 30 दिन नी श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त पिधिन्यम के श्रष्टयाय 20क में परिभाणित हैं, वहीं सर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया या है।

अनुसूची

तेनाली रिजस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 30-11-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2915/77 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति ।

> एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरी**क्षण**) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख 10-7-1978

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-

आयक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, काकीनाडा काकीनाडा, दिनांक 10 जुलाई 1978

सं० 691--यतः मुझे, एन० के० नागराजन, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्वात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य, 25,000/- ६० से श्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० टि० एस० 1032 है, जो वैजाग में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्व अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय वैजाग में भारतीय रजिस्ट्री-करण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 2-11-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पनद्रह प्रतिशत से भिधक है भीर मन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (ख) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्रन्य की वाबत, 'उक्त ग्रधिनियम' क्ष ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रोर, या
- (ख) ऐसी किसी आए या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिल्हें भारतीय ध्राय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों आरा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए आ खिपाने में सविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुतरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) में के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथितः--

श्री एम० प्रभाकर राव,
 नैजाग ।

(भ्रन्तरक)

 श्री के० कृष्णमराजू, नेदुनूरू।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वीक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजंन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वध्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त श्रधि-नियम', के अध्याय 20-क में परिमाणित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वैजाग रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक ग्रंत 15-11-77 में पजीकृत दस्तावेज न० 3686/77 में निगमित भ्रनुसूची सम्पत्ति ।

एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 10-7-78

प्ररूप माई०टी०एन०एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा ?69-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्गालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनाक 10 जुलाई 1978

सं० 692--यतः मुझे, एन० के० नागराजन, मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त झिंधनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से भ्रधिक है भ्रौर जिसकी सं० टि० एस० 1032 है, जो वैजार्ग में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय वैजाग में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-11-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूरूय, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से ग्रधिक है भीर भन्तरक (भ्रन्तरकों) भीर अन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐस भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रश्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण मे हुई किसी भाय की बाबत उक्त भ्रिष्टिनियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने म मुचिद्या के लिए;

अतः भ्रव, उपत भिभिनियम की धारा 269-म के भ्रमुसरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम की बारा 269-म की स्वासार। (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रमीत् ---- 8---186GI/78

श्री एम० नरसिंहाराव,
 वैजाग ।

(अन्तरक)

डा० एस० विकटर लूथर फेलिम्मिग,
 बैजाग ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संधंधी व्यक्तियों पर सूधना की शामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में ि हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सर्केंगे।

ह्वच्छीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

वैजाग रजिस्ट्री ग्रधिकारी से पाक्षिक ग्रंत 15-11-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3687/77 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति ।

> एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी, महायक भ्रायास्य प्रायुक्त (निरीक्षण), भ्राजन रेंज, काकीनाडा।

तारीख: 10-7-78

प्ररूप भाई० टी० एन• एस०--

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्या तय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

<mark>श्रर्जन रेज, काकी</mark>नाडा

काकीनाडा, दिनांक 10 जुलाई 1978

सं० 693--यतः मुझे, एन० के० नागराजन, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्वात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु० से प्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० टि० एस० 1032 है, जो वैजाग में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचीमें श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय वैजाग मे भारतीय रजिस्ट्री-करण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 2-11-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य मे कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए घन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्यत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है, भीर ग्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भीर भ्रन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रिष्ठित्यम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रोर/या
- (आ) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुविधा के लिए;

अतः प्रव, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-य के अनुसरण में, नैं. उन्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित ध्यवियों, अर्थात्:--- श्री एम० वेंकटारामय्या वैजाग ।

(अन्तरक)

श्री एस० सत्यनारायण राजु,
 वैजाग ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना नारी करके पूर्वोक्त सम्मित के धर्जन के लिएकार्बवाहियां करता हूं।

उक्त सन्तरित के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचता के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

हपव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं। वही भ्रषे होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

वैजाग रजिस्ट्री श्रधिकारी में पाक्षिक श्रंत 15-11-77 में पंजीकृत दस्तावेज, नं० 3688/77 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति ।

> एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 10-7-78

प्रक्षप प्राई०टी०एन०एस०----

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज, काकीनाडा काकीनाडा, दिनांक 10 जुलाई 1978

सं० 694—यतः मुझे, एन० के० नागराजन, पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० टि० एस० 1032 है, जो वैजाग में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय वैजाग में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 2-11-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के पृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वाम करने ना कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनयम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (क्ष) एसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, जबत अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचित् :--- 1. श्री के० प्रजय्या वैज्ञाग

(ग्रन्तरक)

2. श्री एस० कृपा जीवन वैजाग ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्यक्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों स्रीर पदों का, जो झायकर स्रधिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहो सर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वैजाग रिजस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक अंत 15-11-77 में पजीकृत दस्तावेज नं० 3689/77 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति।

एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा।

तारीख: 10-7-78

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 265-घ (1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 10 जुलाई 1978

सं० 695—यतः मुझे, एन० के० नागराजन, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० टि० एम० 1032 है, जो बैजाग में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय बैजाग में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 2-11-77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिशत से भविक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया भविकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) सन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत 'उक्त श्रीक्षितियम' के मधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य प्रास्तियों की जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः भव, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269 व की वपद्वारा (1) के प्रधीन निम्निकास्त व्यक्तियों, अर्थात :---

1. श्रीमती एस० दुर्गामबा , वैजाग ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री एस० कृपा जीवन , वैजाग ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जुन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्तिमें हितब द

 किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकोंगे।

ह्पड्झोकरण :---इसमें प्रयुक्त सब्दों भीर पदों का, जो 'उन्त अधिनियम' के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां भयं होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वैजाग रजिस्ट्री **अ**धिकारी से पाँक्षिक श्रंत 15-11-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3690/77 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति ।

> एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी स**द्वायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)**, एम०वी० श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीखः 10 जुलाई, 1978

प्रस्य भाई • टी • एम • एस •----

मायकर मिश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 घ (1) के भ्रमीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 10 जुलाई 1978

सं० 696--यतः मुझे एन० के० नागराजन,
ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/इपए से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० टि० एस० 1032 है, जो वैजाग में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय वैजाग में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिकारी के कार्यालय वैजाग में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिक्षित्यम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 2-11-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से एन्द्रह प्रतिशत से अधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मं कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या घन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त यिविनियम की वारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त थविनियम, की घारा 269-व की उपघारा (1) के अघीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:--- 1. श्रीमति एस० दुरगाँका, वैजाग।

(भ्रन्तरक)

श्री एम० स्नार० हेमालता,
 वैजाग ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के भर्जन के लिए कॉर्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाषोप:---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी भ्रन्थ व्यक्ति द्वारा प्रश्चोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पड्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रोर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

वैजाग रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाँक्षिक श्रंत 15-11-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3691/77 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति ।

> एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी, सहायक **मायकर मायुक्त (निरीक्षण)** एम०बी० श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 10-7-78

प्ररूप भाई • टी • एन • एस • --

भायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 268-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 10 जुलाई 1978

सं० 697—यतः मुझे एन० के० नागराजन, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ध्रतीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- द॰ से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी स० 4/97 ग्रीर 98 है, जो दौलेस्वरम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय राजमन्ड्री में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 8-11-77

को पूर्नोक्त सम्पत्ति के उचित बामार मूल्य रो कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल म, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह् प्रतिशत प्रधिक है भीर घन्तरक (धन्तरकों) भीर भन्तरिती (अश्वरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से अश्व घन्तरण निश्चित में वास्तिक क्य से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के घन्सरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐयो किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों का जिन्हें, भारतीय श्रायंकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, श्रिपाने में सुविधा के लिये;

प्रतः ग्रमं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, डक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के बचीन निम्नलिखित व्यक्तिमों, प्रवित्:--- श्रीलाल बाबा रोलिंग एंड षीट मिल्स, (प्र०) लिमिटेडे,
 डारेक्टर श्री डि० वेंकटरिसन्हा राजू,
 दौलेस्यरम् ।

(श्रन्तरक)

 श्री सत्या मेटल इन्डस्ट्रीज पाटनर श्री सि० एच० श्रप्पलाराज्, दौलेस्वरम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 हिन की भविधि या तत्सबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाक लिखित में किए जा सकें में।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त प्राध्यों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रीधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ द्दोगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

राजमन्ड्री रिजिस्ट्री श्रधिकारी से पाँक्षिक श्रंत 15-11-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 4343/77 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति ।

एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी, स**हायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)** एम० बी० स्रर्जन रेंज, काकीनाडा।

तारीख: 10-7-78

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

ग्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 18 ज्लाई 1978

सं० 698—यतः मुझे एन० के० नागराजन,
आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-खं के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- ६० से श्रधिक है

श्रीर जिसकी स० 40-5-25/1 है, जो विजयावाडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय विजयवाडा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 23-11-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाग की नाबत **उक्स** अधिनियम के भधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 वा 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) व प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

ध्रतः ध्रव, उस्त ग्रधिनियम, की घारा 269-ग के गनु-मरण में, मैं, उस्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अजीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:--- श्री वि० सूर्याप्रकाश राव ,
 विजयबाडा ।

(म्रन्तरक)

श्री जि० सूर्थांकुमारी ,
 विजयवाडा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूत्रना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में जोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तस्सम्बन्धी क्यिक्तयों पर स्चना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यिक्तयों में में किसी क्यिक्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपदा में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी भ्रम्य ध्यक्ति टारा, भ्रश्लोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्वीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के धन्याय 20-के में परिभाषित हैं। वहीं ग्रर्ण होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाडा, रजिस्ट्री ग्रिश्विकारी से पांक्षिक ग्रंत 30-11-77 में पंजीकृत दस्तावेज न० 3434/77 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति ।

एन० कें० नागराजन स**क्षम प्राधिकारी**, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) एम० बी० श्रर्जन रेंज, काकीनाडा।

तारीख: 18-7-78

प्ररूप भाई० टी०एन० एस • ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 18 जुलाई 1978

सं० 699—यतः मुझे, एन० के० नागराजन, बायकर प्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिविनयम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्राचीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मूल्य 25,000/— इपए से प्रधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० 11-41-55 है, जो विजयवाडा में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रोर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय विजयवाडा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नवम्बर, 1977

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित साजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिकल के लिए घन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और घन्तरक (अन्तरकों) भीर घन्तरिती (घन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निशिखत उद्देश्य से उक्त घन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के भधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रिंघिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रिंघिनियम, या धन-कर ग्रिंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानें के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त भाँधनियम की घारा 269-ग के भनुसरण में मैं, उक्त भाषिनियम की घारा 269-म की उपघारा (1) के भाषीम निम्नसिखित व्यक्तियों, कर्यात् :-- श्री राम निवास जकोटिया,
 (2) श्री गुलाब्बाथ जकोटिया,

विजयमाडा ।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमतो विभला तोषिनवाला, विजयवाडा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना नारो करके (वॉकासम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की मबिध या सस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी मबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाकाकरण: --इसमें प्रयुक्त कव्दों भीर पदों का, जो उनत अधि-नियम, के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं भवं होगा, जो उस भड़याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाडा, रजिस्ट्री श्रधिकारी से पांक्षिक श्रंत 30-11-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3398/77 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति ।

> एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), एम० वी० श्रर्जन रेंज, काकीनाडा ।

तारीख: 18-7-78

भोहर :

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

आयकर प्रचिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 18 जुलाई 1978

सं० 700—यतः मझे, एन० के० नागराजन, ग्रायकर घित्रियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- घपए से घिक है

ष्मौर जिसकी सं० 11-54-2 है, जो विजयवाडा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भार-तीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन नवम्बर, 1977

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए मन्तरित की गई है मौर मुसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पग्द्रह् प्रतिशत से प्रधिक है और श्रन्तरक (ग्रन्तरकों) श्रौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत ग्रन्तरण लिखिन में वास्तविक स्पत्ते कियत नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रस्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; भौर/पा
- (ख) ऐसी किसी आय या सिसी धन या धन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त धिधनियम, या धन-कर धिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना साहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

जत: प्रब, उस्त भिधिनियम की धारा 269-म के प्रमुखरण में, मैं, उक्त पिधिनियम की घारा 269-प की उपजारा (1) के प्रधीन निम्निखिन व्यक्तियों, वर्षात:~~ 9---186 GI/78

- 1. श्री पी० श्रीरामुक् विजयवाडा (ग्रन्तरक)
- 2 श्रीमती एन० मूर्थाकुमारी विजयवाडा। (श्रन्तरिती)
- 3. (1) श्री ग्रार० पेरथा श्रन्ड को०, (2) एन० श्री कृष्ण मूर्ति, विजयवाडा । (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में संपत्ति है)

को यह यूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धनिध या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घनिध, जो भी घनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (था) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उनत श्रधिनियम के भध्याय 20 कमें परिभावित है, वहीं भर्ष होगा जो उस भ्रध्याय में विया गया है।

प्रनुस्ची

विजयवाडा रजिस्ट्री भ्रधिकारी से पाँक्षिक श्रंत 30-11-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3423/77 में निगमित भ्रनु-सूची संपत्ति।

> एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी, स**हायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)** एम० वि० भ्रर्जन रेंज, काकीनाडा ।

तारीख: 18-7-78

प्ररूप माई० टी० एन० एस०————

पायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाड़ा, दिनांक 18 जुलाई 1978

सं० 701—यतः मुझे, एन० के० नागराजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० सं अधिक है

श्रीर जिसकी स० निदगाम पेलास है, जो टेक्काली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, टेक्काली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के संधीन तारीख 9-11-77

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भिधक है भीर यह कि प्रन्तरक (अन्तरको) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण कि बिबत में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है :---

- (क) मन्तरण से हुई िकसी भाय की बाबत, उक्त भाधितियम के भ्रधीन कर देने के मन्तरक के वाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: भौर/या
- (ख) ऐसी कियो ग्राय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों, को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धनकर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

भत ग्रब, उस्त **ग्रिश्वनियम की छारा 269-ग के** ग्रनुसरण में, मै, 'उस्त **ग्रिश्वनियम' की धारा 269-घ** की उपधारा (1) के **अधी**न निम्नलिखित व्यक्तियों **ग्रधांत**:—

- 1 श्री के० सि० गजपति डियो टेक्नाली (ग्र-तरक)
- 2 (1) श्री बि॰ दासू (2) बि॰ मुरली (3) बि॰ लक्ष्मी नारायण टेक्काली। (वह व्यक्ति जिसके ग्रिक्षिभोग में संपत्ति हैं)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियो पर क् सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो मी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ब्यक्तियों में से किभी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन ो तारी ह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति म हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासासे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो ग्रामकर ग्रिधिनियम के शब्दाय 20-क में परिशाधित हैं, वहीं भग होगा जो उस शब्दाय में दिया गया है।

अनुसूची

टेक्काली रजिस्ट्री श्रिधिकारी से पाँक्षिक ग्रंत 15-11-77 मे पंजीकृत दस्तावेज नं० 2926/77 में निगमित श्रनुसूची संपत्ति।

> एन० के० नागराजन मक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर यायुक्त (निरीक्षण) एम० वी० भ्रर्जन रेज, काकीनाडा

तारी**ख**: 18-7-78

प्रकप झाई०एम०एस०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 18 जुलाई, 1978

सं० 702-यतः मुझे एन० के० नागराजन, भागकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका **उचित बा**जार मुल्य 25,000/- २० से भिष्ठिक है ग्रीर जिसकी सं० घार० एस० 545/ए है, जो काल्ला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप में र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, उनडी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 3-11-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्तिके जनित बाखार **मृत्य से कम के ब्**रयमान ' प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि थयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है थीर मन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के सिए तय पाया नया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण सिखित में वास्तविक

कप से कथित नहीं किया नया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रिष्टिनयम के भ्रष्टीच कर बेंने के भ्रम्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या ग्रम्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम' या घन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः शक् अधिनियम की धारा 269-ग के सनुसरण में, में, उनत ग्रिधिनियम की घारा 269म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथित्।—— (1) श्री पि० सोमेस्वराराव (2) पि० कनकादुर्गामवा (3) पि० नागवेंकटा सूर्यनारायण मूर्ति
(4) पि० वीर वेंकटा सत्यनारायण मूर्ति (5)
पि० सूर्याकातम (6) पि० कुसमा कुमारी (7) पि०
इनानसी लक्ष्मी ग्रज्जरम। (ग्रन्तरक)
 श्रीमती टि० रंगनाथकम्मा काल्ला। (ग्रन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तस्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद भें समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किय जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसम प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त धिविनयम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

उनछी रजिस्ट्री अधिकारी सं० पाँक्षिक अंत 15-11-77 में पंजीकृत वस्तावेज नं० 2163/77 में निगमित श्रनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) एम० वी० भ्रजेंन रेंज, काकीनाडा ।

तारीख: 18-7-78

मोहरः

प्रकप बाई • टी • एन • एस • -----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 18 जुलाई 1978

निर्देण सं० 703—यतः मुझे, एन० के० नागराजन पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- द॰ से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 29-19-78 है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 17-11-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके बृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया नया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बावत सकत अधिनियम के मधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (का) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर ग्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अिधनियम, या धन-कर अिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए का, स्थिमने में सुविधा के निए;

जतः सब, उक्त समिनियम की धारा 26% न के सनुसरण में, में, उक्त समिनियम की धारा 26% में जिपसारा (1) के श्रद्धीन निम्निविद्य व्यक्तियों, सर्वात्:—

- ा. श्री के० राघवस्या, विजयवाड़ा। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री के० वेंकटा रंगाराव विजयवाड़ा । (ग्रन्तरिती)
- 3. (1) श्री एस० राधाकृष्णा, (2) श्री एनफोर्समेंट श्राफिसर, विजयवाड़ा। (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधि-भोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ट संपत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध ओ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं भर्ष होगा, जो उस भध्याय में बिया गया है।

ग्रमुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाँक्षिक श्रंत 30-11-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं०3306/77 में निगमित श्रनुसूची संपत्ति।

> एन० के० नागराजन सक्षम श्रधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 18-7-1978

प्ररूप भाई• टी• एन• एस•-

द्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के द्यवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 18 जुलाई 1978

निर्देश सं० 704—यतः मुझे, एन० के० नागराजन प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— इ• से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रार० एस० 851, 852 श्रीर 853 है, जो पेदाकापवरम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, उनडी में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिकारी के कार्यालय, उनडी में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिकारी पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के वृश्यमान प्रतिक्षक के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसो किसी माय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कियागया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अंतः प्रम, उन्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की स्पन्नारा (1) के अजीन, निम्मसिणित स्पन्तिमों, अर्जात् :--- 1. एस० सूरपाराज् गनपकरम

(भ्रन्तरक)

2. श्री के० सूर्यानारायनाराज् पेदकापवरम। (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की धविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूधना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी
 श्रविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

स्वध्धीकरण :--इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रक्षितियम के प्रष्ट्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं धर्ष होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

उनडी रजिस्ट्री म्रधिकारी से पाँक्षिक श्रंत 30-11-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2244/77 में निगमित श्रनुसूची संपत्ति।

> एन० के० नागराजन सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 18-7-78

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-

आयकर प्रधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भायुक्त (निरोक्षण)

म्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 18 जुलाई, 1978

सं० 705-यतः मुझे, एन० के० नागराजन भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्वात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रु० से ध्रधिक है श्रीर जिसकी सं० श्रार० एस० 851, 852 ग्रीर 853 है, जो पेदाकापवरम में स्थित है (ग्रौर इसस उपाबद्ध ग्रनु-सूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, उनडी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 24-11-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दुष्यमान प्रतिकल के लिए भन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यक्षान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पनद्रह प्रतिशत म अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों)भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बोच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण लिखित में वास्तविक कर से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उनत ग्रिष्ठ-नियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धनया भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

श्रतः श्रवः, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के श्रधीम. निम्निविधित व्यक्तियों अर्थात् ।—-

- 1. श्री (1) एस० सुरपाराजू (2) एस० रामकृष्णम राज गनपवरम। (ग्रमन्तरक)
- 2 श्रीमती के० बंगारम्मा, पेदकापवरम (श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके प्रश्नित मध्यति हे ग्रजन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अविधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर यूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सप्ताप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अविधि दारा;
- (च) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिए के भीतर एक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबब कियो प्रत्य व्यक्ति हारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

उनडी रजिस्ट्री म्रधिकारी से पांक्षिक श्रंत 30-11-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2243/77 में निगमित श्रनुसूची संपत्ति।

> एन० के० नागराजन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 18-7-1978

प्रकप भाई• टी॰ एत॰ एत•---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269 व (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्तण)

श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 18 जुलाई, 1978

सं० 706—यतः मुझे, एन० के० नागराजन आयकर भ्राधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त भ्राधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ज के भ्राधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्ष्य 25,000/-रु० मे अधिक है

हुं में आधक हैं और जिसकी संव आरव एसव 851, 852 और 853 है, जो पेदकापवरम में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, के कार्यालय, उनडी में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24-11-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिमत से मधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) धौर अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) सन्तरण से हुई किसी साय की वाबत, उक्त सिंधिनियम के सिंधीन कर देने के सन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; सौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या घर्य ग्रास्तियों की जिन्हें भारतीय धाय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उत्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनाय धन्ति हो । प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

श्रव: श्रव, उक्त मिश्रिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, इक्त मिश्रिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मश्रीन, निम्निधिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- 1. श्री (1) एस० वेंकटाराजु (2) एस० सीतारामाराजु (3) एस० रामकृष्णम राजू पेदकापवरम। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री के० सूर्यानारायनाराजु पेदकापवरमा (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त नम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की मबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी
 भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूबना के राजपल में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितब द किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, अधाहरता अरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पन्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त गम्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के ध्रध्याय 20-रु में परिभाषित है, बड़ी धर्ष होगा जो उस ब्रध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

उनडी रजिस्ट्री श्रधिकारी से पांक्षिक श्रंत 30-11-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2242/77 में निगमित श्रनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, काकीनाडा

तारीख: 18-7-1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 18 जुलाई 1978

सं० 707—यतः मुझे, एन० के० नागराजन
धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रार० एस० 851, 852 श्रीर 853 है, जो पेदकापनरम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, उनडी में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिकारी के कार्यालय, उनडी में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिकायम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 24-11-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृग्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई दें भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृग्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रमुख प्रतिशत धिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (अ) श्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए थ', छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः श्रव, उनत ग्रधिनियम की धारा 269-य के श्रनुसरण में, में, उनत प्रधिनियम, की धारा 269-य की उपंचारा (1)

- 1. (1) श्री एम० कृष्णमराजू (2) एम० वेंकटा सुरपारोज, गनपेवरम। (ग्रन्तरक)
- श्री के० सूर्य नारायण राजु पेदाकापवरम।
 (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रीध-नियम, के श्रष्टयाय 20क में परिभाषित हैं, वहीं शर्य होगा जो उस शब्दाय में दिया गया है।

भनुसूची

उनडी रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाँक्षिक श्रंत 30-11-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2241/77 में निगमित श्रनुसूची संपत्ति।

> एन० के० नागराजन सक्षम श्रधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 18-7-78

प्रकृप धाई • टी • एन • एस •----

भायकर शिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ(1) के घ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 18 जुलाई 1978

निदेश सं० 708—यतः मुझे, एन० के० नागराजन नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), जी धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्थास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-र० से ग्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 36-13-8बी है, जो विजयवाडा में स्थित है (ग्रीर इससे उपावत ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 17-11-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के टायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (च) ऐसी किसी माय या किसी धन या ग्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त मधिनियम, या धनकर मधिनियम, या धनकर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

शतः प्रम, उन्त भविनियम की धारा 269-ग के भनु-सरण में, में, उन्त प्रधिनियम का धारा 269म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो अर्थात् :—

(1) क अञ्चान निम्नालाखत व्यक्तिया अयात् :-10--186G1/78 1. श्रीमती के० सारदंवा, हैदराबाद

(भ्रन्तरक)

2. श्री एम० माधवराव, विजयवाडा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णोक्स सम्पति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (छ) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींग।

स्पब्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के मह्याय 20-क में परि-भाषित हैं. वही सर्थ होंगा, जो उस मह्याय में दिया गया है।

भमुषुची

विजयबाड़ा रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाँक्षिक श्रंत 30-11-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3300/77 में निगमित श्रनुसूची संपत्ति।

> एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 18-7-78

मोहर:

बस्य आइ० टी । एन० एस०----

आयक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) क ग्रधीन मूचना भारत सरकार

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भटिण्डा भटिडा, दिनांक 24 जुलाई, 1978

निदेश सं० ए० पी० 293/HSR/78-79—यतः मुझे पी० एन० मलिक

आपकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु∙ से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में है तथा जो होशियारपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय होशियारपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख नवम्बर, 1977

की पृश्विश तंरित के उति त वाजार भूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हे और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-तियों) क बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्ति। जित्त उद्देश्य न उस्त अन्तरण निखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गरा है:--

- (क) भन्तरण यहुई किसी ब्राय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम, क प्रधोन कर देन के भन्तरक क दायित्व में हमा करत या उससे बचने में सुविधा क निष्; भीर/णा
- (ख) ऐसी किनी धाय या किनो धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त आधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के जिए;

अतः प्रव, उन्न अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नविखित व्यक्तियों श्रर्थात् :—

- कैंप्टन श्राजा पाल सिंह पुत्र हरिकशान देव सिंह वासी गली न० 11 कृष्ण नगर, होशिया एपुर (श्रन्तरक)
- श्री ठाकुर मुन्शी राम उर्फ बेसरिया राम पुत्र ग्यामा
 (2) रमेश गुप्ता पुत्र जगीरी लाल फेयरवेज टरैवल सर्विस, कोर्ट रोड होशियारपुर।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है ।
 (वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

हरब्दीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्वाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

कृष्ण नगर होशियारपुर में गली नं ० 11 में मकान का 1/2 हिस्सा जैमा कि विलेख न० 2936 नवम्बर, 1977 रजिस्ट्री-कर्ता प्रविकारी होशियारपुर में लिखा है।

> पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी ब<mark>ुसहायक श्रायकर श्रायुक्</mark>स **(निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, भटिण्डा

तारीखः 24-7-78

मोहर:

प्रकृप म्ना ाटी • एत • एस • →----

आयक्य भिवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के अधीत सुचना

भारत मरकार

कर्म्यालय, सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज,पूना-411005

पूना, दिनाक 19 जुलाई, 1978

निर्देश सं० सी० ए० 5/एरंडोल/363/नवस्बर 77—यतः मुझे, श्रीमती पी० ललवानी आयकर श्रिधिनियण, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जियका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधक है

भ्रौर जिसकी स० गट ऋ० 175/बी 2 है तथा जो उतरम जिला जलगांव में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय एरंडोल में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908

(1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 9-11-77 को पूर्वोक्त सपित के जियत बाजार मूल्य में कम क वृश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुक्क यह विश्वास भरने का कारण है कि सवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐने वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहप्रतिशत से प्रधिक है श्रीर प्रन्तरक (भन्तरकों) भीर श्रन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्लिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबा उन्त पिधिनियम के भ्रष्टीन कर दन के भ्रन्तरक के दियत्व में कभी फरन या उससे बचन में सुविधा के तिए; भीर/या
- (ख) ऐती किसी आय या किसी घन या श्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विधा गवा या किया श्रात्त चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उन्त प्रधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निस्तिजिक्ति व्यक्तियों, अर्थात्:--

- श्री गफुल्लचद बंसीलाल संववी,
 सुरेगचंद बन्सीलाल संघवी, उतरन ता० एरडोल, जिला जलगांव। (श्रतरक)
- 2. डायरेक्टर्स आफ निलॉन्स फूड प्रायवेट लि० कम्पनी, उतरन, ता० एरडोल, जि० जलगांव।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूतना गरी करके पूर्वीकन सम्पत्ति के सबन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त स ति ३ प्रजैन के सबध में कोई भी प्राञ्चप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की भवधि या तत्संत्रधी व्यक्तियों पर सूचना की तामोज से 30 दिन की प्रविध, जो भी शवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में सि किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूरा। के राजपत्र में एकाशन को गरीश से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित में हिन्दह

 किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा मधाहस्ताक्षरी के नास
 विश्वित में किए जा सकतें।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दां मौर पदों का, तो उक्त श्रक्षित्यम के अध्याय 20-क में परिकाधित है, वहा मर्च हागा, जा उस अध्याप में दिया गमा है।

म्रनुसूची

जमीन ग्रौर उसके ऊपर का मकान जो गट क० 175/बी 2, उतरन गाव, ता० एरडोल जि० जलगांव में स्थित है। जमीन का क्षेत्रफल 2 एकर है।

(जुसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख ३० 363 नवम्बर, 1977 में सब रजिस्ट्रार एरंडोल के दफ्तर में लिखा है)

> श्रीमती पी० ललवानी सक्षम श्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजन रेंज, बंगलूर ।

तारीख : 19-7-78

मोहर

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 31st May 1978

No. A. 12025(ii), 1/77-Admn. III.—Consequent on his nomination to the Ministry of Industrial Development for appointment as Section Officer vide DOP&AR O.M. No. 5/21/77-CS(1) dated 15-3-78, Shri G. V. Mathur, a permanent Assistant of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission appointed to officiate as Section Officer on ad hoc basis vide Union Public Service Commission No. A. 32014/1/78-Admn. III dated 24th April 1978, relinquished charge of the office of Section Officer in Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 1-5-78

No. A.12025(ii)/1/77-Admn.III.—Consequent on his nomination to the Ministry of Works & Housing for appointment as Section Officer vide DOP&AR O.M. No. 5/21/77-CS(1) dated 15-3-78, Shri P. S. Sabherwal, a permanent Assistant of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission appointed to officiate as Section Officer on ad hoc basis vide Union Public Service Commission Notification No. A.32014/1/78-Admn. III dated 27th March, 1978, relinquished charge of the office of Section Officer in Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 2-5-1978.

The 27th June 1978

No. A. 32014/1/78-Admn. III(1).—The President is pleased to appoint Shri B. R. Basra, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cade of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 46 days from 2-6-78 to 17-7-78 or until further orders, whichever is earlier.

No. A. 32014/1/78-Admn. III(2).—The President is pleased to appoint Shii S. K. Arora, a permanent Assistant of the C.S.S. cadic of Union Public Service Commission and working as Desk Attache, to officiate in the Section Officers' grade of the service for a period of 46 days from 12-6-78 to 27-7-78 or until further orders, whichever is earlier.

2. In pursuance of D.O.P. & A.R. O.M. No. 12/1/74-CS(I) dated 11-12-75, Shri S. K. Arora, for the period he officiates as Section Officer, has been re-designated as Desk Officer and will draw a Special Pay @ Rs. 75/- per month in addition to his pay as Section Officer.

No. A. 32014/1/78-Admn. III(3).—In continuation of this office notification of even number dated 24-5-78, the President is pleased to appoint Shri S. R. Khanna, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 1-7-78 to 7-7-78 or until further orders, whichever is earlier.

The 30th June 1978

No. A. 11016/1/76-Admn. IU—The President is pleased to appoint the following permanent Section Officers of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission to perform the duties of Desk Officer, for the periods indicated against each or until further orders, whichever is earlier, in the office of Union Public Service Commission.

S. No.	Name	 Period
	N. Khurana Srinivasan .	15-6-78 to 15-7-78 (31 days) 21-6-78 to 15-7-78 (25 days)

2. The above officers shall draw Special Pay @ Rs. 75/-per month in terms of D.O.P. & A. R. O. M. No. 12/1/74-CS (I) dated 11-12-75.

P. N. MUKHERJEE Dy. Secretary (Incharge of Administration) Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 19th June 1978 CORRIGENDUM

No. A. 11016/1/76-Amn. III.—This office notification of even number dated 6-6-78 may partially be modified to read as:—

(ii) Shri S. K. Arora, Officiating as Section Officer (Special) stand reverted to the post of Assistant with effect from 30-5-78 (F.N.) and appointed as Desk Attache with effect from 30-5-78 to 28-2-79.

He may continue in Recruitment (R) Section.

2. The appointment of Shri N. K. Dhingra as Desk Attache from 30-5-78 to 28-2-79 vide this office notification of even dated 6-6-78 shall be treated as cancelled.

The 30th June 1978

No. P/248-Admn. I.—The President is pleased to permit Shri R. R. Ahir, permanent Section Officer and officiating as Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission, to retire from Government service, after attaining the age of superannuation with effect from 30-6-1978 (AN).

P. N. MUKHERJEE Dy. Secy.

Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 10th July 1978

No. A. 31014/1/78-Admn. III.—The President is pleased to appoint Shri K. K. Jha, appointed as Probationer in the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission on the basis of the Indian Administrative Services etc. Examination, 1974, substantively to the Section Officers' Grade of the Service in the same cadic with effect from 1st July, 1978.

P. N. MUKHERJEE,
Under Secretary,
(Incharge of Admnistration)
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPTT. OF PERSONNEL & A.R. CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 7th July 1978

No. P-4/73-Ad. V.—Consequent on the expiry of his term of deputation Shri P. V. Hingorani, IPS(U.P.) reliaquished charge of the office of Additional Director, C.B.I. & Special I.G.P./S.P.E. on 30-6-1978 (AN).

No. P-4/73-Ad. V.—The President is pleased to appoint Shri P. V. Hingorani, retired IPS Officer of U.P. Cadre as Additional Director, Central Bureau of Investigation & Special Inspector General of Police, Special Police Establishment on re-employment basis for a period of six months from the forenoon of 1st July, 1978.

K. K. PURI

Dy. Director (Admn.) Central Bureau of Investigation

New Delhi, the 14th July 1978

No. F.B-5/74-Ad.V.—On repatriation, the services of Shri B. K. Gill, Dy. Supdt, of Police, an officer of the Gujarat State Police, on deputation to C.B.I., Ahmedabad are placed back at the disposal of the State Govt. with effect from 30-6-1978 (A.N.).

M. K. AGARWAL Administrative Officer (A)

C.B.J.

New Delhi, the 5th July 1978

No. A-21021/15/78-Ad. I.—Consequent upon their promotion, Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints the following SIs as Inspector of Police in the Delhi Special Police Lstablishment Division of the Central Pureau of Investigation Bombay GOW Branch

in a temporary capacity, with effect from the dates shown against each until further orders.

SI. No. Name	Date from which appointed as Inspector of Police.
S/Shri 1. K. D. Mishra 2. R.R. Sahay 3. K. T. Mathew 4. A.G. Karve	19-6-1978(AN) 19-6-1978 (AN) 22-6-1978 (FN) 19-6-1978 (AN)

No. A-21021/15/78-Ad.1.—Consequent upon his promotion, Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri Md. Ansar E. Munshi, S.I. as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment Division of the Central Bureau of Investigation, Ahmedabad Branch in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 17-6-78 until further orders.

JARNAIL SINGH Administrative Officer (E) CBI

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE New Delhi-110001, the 11th July 1978

No. O.II-1045/76-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. V. Dalip Murty as Junior Medical Officer in the CRP force on ad-lioc basis for a period of three months only with effect from the forenoon of 21st June 1978 of till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 13th July 1978

No. O. II-4/76-Estt.—Consequent on his services having been placed at the disposal of the IG, CISF, Shri B. R. Sur, an IPS Officer of MT Cadre, relinquished charge of the post of Deputy Inspector General of Police, CRPF, Ajmer on the forenoon of 17th June 1978.

The 17th July 1978

No. O.11,1076/77-Estt—The President is pleased to accept resignation tendered by Dr. (Mis.) Bina Gupta, GDO; Grade-I of Base Hospital I, CRPF New Delhi with effect from the afternoon of 14th June 1978.

The 18th July 1978

No. P-VII-9/76-Estt.— The appointments of the following Medical Officers (GDO; Gd-II Dy. S. P./Coy Comdr) as GDO; Grade-I (Asstt. Comdt) in the Central Reserve Police Force on an ad-hoc basis vide Notifications No. P-VII-9/76-Estt. dated 27-10-77 and 2-2-78 are hereby regularised with effect from the dates they were promoted on ad hoc basis as mentioned against each:—

Sl.No.	Name	Date of pro- motion as GDO; Gd-1	Present Unit.
	Purshottam Panda Debendranath Kar	2-9-77 5-9-77	G.C. Mokamehghat G.C. Gandhinagar
3. Dr.	T. K. Roy .	31-8-77	G. C. Pallipuram
4. Dr.	R. K. Pradhan .	7-9-77	G. C. Nagpur
5. Dr.	Kulomani Mahapatra	12-9-77	G. C. Bhubaneswar
6. Dr.	Banchanidhi Acharya	9-9-77 (AN)	Base Hospital-II Hyderabad
7. Dr.	B. C. Sahu	18-9-77 (AN)	G.C. Avadi
8. Dr.	A. K. Dash , .	6-10-77	G. C. Rampur
9. Dr.	Satya Narain Patnaik	22-12-77	G.C. Bantalab, Jammu
10. Dr.	R.K. Mohanty .	10-12-77	G. C. Ncemuch
11. Dr.	G. C. Mohanty	6-12-77	G.C. Imphal
12. Dr.	U.C. Biswal	7-12-77	Base Hospital-II Hyderabad
13. Dr.	K. K. Samı .	21-11-77 (AN)	Base Hospital-I New Delhi
14. Dr.	S. N. Jaya Prakash	24-11-77 (AN)	G.C. 1 Ajmer

No O.II.1058/77-Estt.—The President is pleased to accept resignation tendered by Dr. Ram Bharosa Thakur. JMO (GDO, Grade-II) of 31st Battalion, CRPF with effect from the afternoon of 6th June 1978.

A. K. BANDYOPADHYAY,

Asstt. Director (Adm)

OFFICE OF THE INSPECTOR-GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110024, the 6th July 1978

No. E-38013(2)/1/78-Pers.—On transfer to HFCL Barauni Shri Vijaya Sinha relinquished the charge of the post of Commandant, CISF Unit, BCCL Jharia with effect from the forenoon of 20th May 1978.

On transfer from Calcutta Port Trust Shr₁ A. C. Roy assumed the charge of the post of Commandant, CISP Unit, BCCL Thank with effect from the same date.

No. E-E-38013(2)/1/78-Pers.—On transfer to Calcutta Port Trust Shri Ashok Darbari relinquished the charge of the post of Commandant, CISF Unit, HFCL, Barauni with effect from the forenoon of 28th May 1978.

On transfer from BCCL Tharia Shri Vijaya Sinha assumed the charge of Commandant, CISF Unit, Hindustan Fertilizer Corpn. Ltd., Barauni with effect from the same date.

R. C. GOPAL Inspector-Genera

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTANTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL CENTRAL REVENUES

New Delhi-2, the 12th July 1978

No. Admn.I/O.O. 188/5-5/Promotion/78-79/662.—The Accountant General, hereby appoints the following permanent Section Officer of this office to officiate as Accounts Officer with effect from the afternoon of 30th June 1978 until further orders.

1. Shri O. P. Aggarwal II.

Sd/- ILLEGIBLI

Senior Deputy Accountant General (Admn)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT-GENERAL, MAHARASHTRA-I

Bombay-400020, the 30th June 1978

No. Admn.I/IAD/5(128)/3.—Shri G. S. Ramasubha an officiating Accounts Officer of this office is deemed to have retired from service with effect from 31st October 1975 under Rule 37 of the C.C.S. (Pension) Rules, 1972 read with Ministry of Finance, O.M. No. 44(1)-E V/71, dated 13th April 1973, consequent on his permanent absorption the Central Warehousing Corporation.

The Ministry of Finance has conveyed the sanction to the permanent absorption of Shri G. S. Ramasubhan, Accounts Officer in the Central Warehousing Corporation with effect from 31st October 1975. On the terms and conditions communicated with Comptroller and Auditor General's Office letter No. 1777-GE II/62-77-II, dated 17th Jun-1978.

R. KRISHNAN KUTTY Sr. Dy. Accountant General/Admn.

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 18th July 1978

No. 2018/A-Admn/130/75-78.—The Director of Audit Defence Services, is pleased to appoint the undermentioner substantive/officiting members of the SAS to officiate as Audit

Officer, until further orders, in the offices and from the dates noted against each:

noted against each	F *	
Sl No. Name	Office in which appointed	Date
S/Shri I. V. Sankaranaraya- nan Substantive S.O.(A)	Sr. Dy. Director of Audit, Defence Services, W/C. Meerut.	7-6-78 (AN)
2. Kishen Lal Officiating S.O (A)	Sr. Dy. Chief Auditor (OF) Kanpur.	26-6-78 (I N)

No. 2019/A-Admn/130/75-78.—Consequent on his permanent absorption in the Hindustan Zine I td., with effect from 5-5-77 (FN), the lien of Shri C. V Viswanathan, sub S.O. (Audit)/officiating Audit Officer in the department has been terminated in terms of FR. 14-A(d) from the same date.

No. 2020/A-Admu/130/75-78.—On his superannuation Shii R. P. S. Rao, Substantive Audit Officer of the Audit Department, Defence Services, retired from service with effect from 31-5-78 (AN).

K. B. DAS BHOWMIK Sr. Dy. Director of Audit Defence Services

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 6th July 1978

No. 23011(1)/66/AN-II—The following Officers have been confirmed in the Junior Time Scale of Group 'A' of the Indian Defence Accounts Service with effect from the dates noted against each:

Sl. No. Name				Date of con- firmation
Kumari Usha Grace .			 	16-7-77
2. Shri Thomas A. Kallivayahl				30-11-77
3. Shri Abhijit Basu ,				17-7-77
4. Kumari Radha S. Aiyar			30-11-77	
5. Shri Hari Santosh Kumar			30-11-77	
6. Kumari Ganga Purkuti				31-7-77

The 14th July 1978 CORRIGENDUM

No. 68018(2)/71-AN-II.—This office Notification No. 68018(2)/71-AN-II dated 25th July '77, notified in the Gazette of India, dated 20th August '77 (Part 111, Section I, Page 3725) regarding proforma promotion of Shri C. V. Nagendra, IDAS to the Level II of the Senior Administrative Grade with effect from 16th June, 1977 (FN) is hereby cancelled.

V. S. BHIR

Additional Controller General of Defence Accounts

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICES DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES Calcutta, the 13th July 1978

No. 33/78/G.—On expiry of leave pending tetirement Shri K. N. Pai, ollg. Deputy Manager (Subst. Permt. Foreman), retired voluntarily from service w.c.f. 2nd May 1978 (F/N).

V. K. MEHTA Assistant Director General Ordnance Factories

MINISTRY OF INDUSTRY DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 7th July 1978

No. 12(323)/62-Admn.(G).—On return from deputation with Indian Investment Centre, New Delhi, Shri H. M. Som,

assumed charge of the post of Deputy Director (Mechanical) in the Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries New Delhi, with effect from the afternoon of 30th June, 1978.

M. P. GUPTA Deputy Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL AND MINES (DEPARTMENT OF MINES) INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 14th July 1978

No. A.19011(175)/76-1/stt.A.—The President is pleased to accept the resignation tendered by Shri B. N. Basu, officiating Assistant Controller of Mines, Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 24th December, 1977.

S. BALAGOPAL
Head of Office

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 10th July 1978

No. C1-5390/913-H.—In continuation of this office Notification No. E1-5359/913-H dated the 19th April, 1978, the ad hoc appointment of Shri R. K. Chamoli, Hindi Officer of the Surveyor General's Office is further extended upto 30th September, 1978 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

K. L. KHOSLA Major-General,

Surveyor General of India.

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 11th July 1978

No. 4(90)/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri E. J. Alhat as Programme Executive, All India Radio, Bombay in a temporary capacity with effect from the 24th April, 1978 and until further orders.

N. K. BHARDWAJ

Deputy Director of Administration for Director General.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 11th July 1978

CORRIGENDUM

No. A.12023/15/76(HQ)Admn.I.—In this Directorate's notification No. A.12023/15/76(HQ)Admn.I dated 5th July, 1977, for para 1, the following will be substituted:—

"Shri J. K. Sikka relinquished charge of the post of Assistant Architect, Directorate General of Health Services on the afternoon of 5th March, 1977."

No. A.19020/16/78-Admp I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. R. K. Khullar to the post of Dental Surgeon under the C.G.H.S. Meerut with effect from the forenoon of 13th June, 1978, on an ad hoc be in and until further orders.

The 13th July 1978

No. A.19015/9/76-Admn.I.—On attaining the age of superannuation, Shri M. V. Raman, Section Officer in the Directorate General of Health Services retired from Government Service on the afternoon of 30th June, 1978.

S. L. KUTHIALA

Deputy Director Administration (O&M)

New Delhi, the 14th July 1978

No. A.12026/14/78-S1.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri S. G. Kent, Office Supdt. Government Medical Stores Depot, Karnal in the post of Assistant Depot Manager (Gazetted Group 'B') in the same Depot with effect from the forenoon of the 1-7-78 and until further orders.

SANGAT SINGH
Deputy Director Administration (Stores)

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 11th July 1978

No. A-19024/8/78-A.III.--Shri C. S. Sharma, Senior Chemist, has been appointed to officiate as Chief Chemist at R. A. L., Kanpur, with effect from the forenoon of 1st July, 1978 on short term basis,

The 12th July 1978

No. A-19023/58/78-A.III.—Shri S B Chakravarty, Assta. Marketing Officer, is appointed to efficiate as Marketing Officer (Group 1) at Faridabad w.e.f. 29-6-78 (F.N.) on purely short-term basis for a period of 3 months or until regular appointments are made whitever is earlier.

2. On his promotion as Marketing Officer, Shri Chakravarty relinquished charge of the post of A.M.O. at Vatanasi in the afternoon of 27 6-78.

V. P. CHAWLA
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE VARIABLI: ENERGY CYCLOTRON

Calcutta, the 11th July 1978 NOTICE

No. Ref. 7(Genl)/77/Vig/803.—The below furnished letter sent to Shri K. B. Karki, Watchman (workcharged) V.E.C. Project. Calcutta, by Registered A.D. at his last known addresses have been returned by the Postal Authorities undelivered. The letter is, therefore, to be published in the Gazette.

REGISTERED A.D.

GOVERNMENT OF INDIA BHABIIA ATOMIC RESEARCH CENTRE

Variable Fuerey Cyclotron

I/ΛF, Bidhan Nagar, Calcutta-700 064. April 21/22, 1977.

Ref: VEC/C/Per-KBK/3294

Sub: Unauthorised absence of Shri K. B. Karki, Watch-man—Failure to report for duty—One month's notice as per terms of appt.

Shri K. B. Karki, Watchman (workcharged), VECP, Calcutta, had applied for 30 days' leave w.e.f. 6-4-76 and he was required to report for duty on 8-5-76.

A memo dated 9-6-76 was sent to Shri Karki by registered post asking him to report for duty immediately on his address as available in office records and subsequently a reminder was also sent to him on 8-7-76. The second communication was returned to this office by the postal authorities as the same could not be delivered.

Till today, Shri Karki has not reported for duty nor has this office received any communication whatsoever from him.

The Competent Authority has terminated the service of Shri K. B. Karki and one month's notice is hereby given as per terms of his appointment memorandum dated 16-3-73.

Sd/-T I. ASNANI Administrative Officer-III

Shri K. B. Karki Vill. Dahachok Purandi P. O. Kathmandu P. S. Kritipur Dist. KATHMANDU (NFPAI). Shri K. B. Karki C/o Shri Chandra Bahadur Kuki Motijhil College, Dum Dum, CALCUTTA-28.

> G. SETHURAMAN Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRFCTORATE OF PURCHASE AND STORFS Bombay-400 001, the 10th July 1978

No. DPS/2/1(1)/77-Adm/17750. Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri D. D.

Nayak, Purchase Assistant to officiate as Assistant Purchase Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB -35—880—40—1000—EB—40—1200, on an ad hoc basis in the same Directorate for the period from 3-5-78 to 3-7-78 vice Shii V. S. Ramaswamy, Assistant Purchase Officer granted leave.

No. DPS/2/1(1), 77-Adm/17756.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Foerry appoints the following Storekeepers to officiate as Assistant Stores Officers in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on an ad hoc basis in the same Directorate with effect from the dates indicated against each and upto July 31, 1978:

- 1. Shri V V. Nair.--4-5-78.
- 2. Shti M. R. Menon,-12-6-78.

No. DPS/2/1(1)/77-Adm./17765.—In continuation of this Directorate Notification of even number dated January 4, 1978 Director, Purchase and Stores. Department of Atomic Energy appoints Shri R. C. Nayyar, Storekeeper of this Directorate to officiate as Assistant Stores Officer on ad hoc basis for a further period upto July 31, 1978.

B. G. KULKARNI Assistant Personnel Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 14th July 1978

No. 05052/78/3248.—Officer-on-Sepcial Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Ashwinkumar Kantilal Parikh, a temporary Scientific Assistant 'C' of Heavy Water Project (Baroda), to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB), in the same project, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of February 1, 1978, until further orders

No. 05052/78/3249.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shi Subhash Rao, a temporary Foreman of Heavy Water Project (Baroda), to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same project, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of February 1, 1978, until further orders.

The 15th July 1978

No. HWPs/Estt./P-3265.—Officer-on-Special Duty, Heavy, Water Projects, appoints Shri Ghanshyam Chhaganbhai Patel, a temporary Upper Division Clerk of Heavy Water Project (Baroda) to officiate as Assistant Personnel Officer in the same Project w.c.f May 8, 1978 (FN) to June 10, 1978 (AN) vice Shri S C. Th. Jur. APO. appointed to officiate as Administrative Officer in Heavy Water Project (Baroda).

K SANKARANARAYANAN Senior Administrative Officer

INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION SPACE APPLICATIONS CENTRE

Ahmcdabad-380053, the July 1978

No. SAC/FST/CA/ASD/12/78 - The Director. SAC, is pleased to accept the resignation from service of Shri K. V. Patel, a temporary Engineer—SB of this Centre with effect from the afternoon of July 10, 1978.

S G. NAIR Head, Personnel & Gen. Admn.

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA MFTEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 18th July 1978

No. E(1)00920—The Director General of observatories hereby appoints Dr. K. C. Garg, as Assistant Meteorologist in the Indian Meteorological Service, Group B (Central Civil Service, Group B) in a temporary capacity with effect from the forenoon of 21-1 June 1978 and until further orders.

Dr. Garg has been posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Bombay.

G. R. GUPTA
Meteorologist (Fstablishment)
for Director General of Observatories

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL

AVIATION

New Delhi, the 13th July 1978

of Civil No. A.32014/1/78-FS.—The Director General Aviation is pleased to appoint Shri Janki Prasad, Store Assistant as Store Officer (Group 'B' Post) in the office of the Regional Director, Madras with effect from the 12th June, 1978 FN and until further orders.

S. L. KHANDPUR

Asstt, Director of Administration for Director General of Civil Aviation

New Delhi; the 11th July 1978

No. A. 31013/1/78-EA. -The President has been pleased appoint the following officers in a substantive capacity in the grade of Deputy Director/Controller of Aerodromes in the Civil Aviation Department with effect from 21-6-1978.

S. No.	Name	Station of Present posting			
1. Shri Jagdish Chandra		Dy. Director (TE) at Hqrs.			
2. Shri S.W.J. Norton		Controller of Acrodrome, Madras Airport, Madras.			
3. Shri R. L. Pereira		Controller of Aerodrome, Bombay Airport, Bombay.			
4. Shri S	K. Bose	Dy. Director (Planning) at Headquarters.			

No. A.39013/4/78-FA.—Shri G. S. Ganesan, Assit. Aerodrome Officer, Madras Airport, Madras resigned from Government service with effect from the 27th June, 1978 (FN).

> V. V. JOHRI Asstt. Director of Administration

VAN ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM MAHΛVIDYALAYΛ

Dehra Dun, the 12th July 1978

No. 16/302/78-Ests-I.—The President, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun is please to appoint Shri A. N. Shukla, as Research Officer, at the Forest Research Centre, Burnihat with effect from the forenoon of 27th April, 1978 until further orders.

The 13th July 1978

No. 16/290/77-Ests, I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Dr. Satyendra Nath Das as Research Officer, under Vth Five Year Plan Scheme "Forest Soil Laboratories (Forest Soilcum-Vegetation Survey)" at its regional Centre at Midnapur under the Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun with effect from the forence of 11th May, 1978, until further orders.

No. 16/283/EE-Fsts-L-The President, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Shri Awadhesh Kumar Singb as Research Officer under the 5th Five Year Plan Scheme "Forest Soil Laboratories, Forest Soil-cum-Vegetation Survey", at its regional Centre, Jabalpur with effect from the forenoon of 1st May, 1978 until further orders.

The 14th July, 1978

No. 16/292/77-Ests-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun is pleased to appoint Shri Ram Kumar Rathore as Research Officer at the Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun with effect from the afternoon of 5th July, 1978 until further orders

GURDIAL MOHAN

Kulsachiy

Van Anusandhan Sansthan Evam Mahavidyalaya

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Nagpur, the 11th July 1978

S. No. 9/78.—Shri M. A. Kaorey, Superintendent (Legal), Central Excise, Headquarters Office, Nagpur, having attained the age of superannuation has retired from Government service in the afternoon of the 31st May, 1978.

M. R. PAROOLAKER

Collector

CENTRAL REVENUES CONTROL LABORATORY

New Delhi-110012, the 6th July 1978

CHEMICAL ESTABLISHMENT

No. 27/1978.—Shri M. J. Bhansali, Chemical Assistant Grade I, Custom House Laboratory Kandla has been provisionally promoted to officiate as Assistant Chemical Examiner in the Central Excise Regional Laboratory, Baroda with effect from 30-6-78 fore-noon and until further orders.

> D. R. GUPTA Chief Chemist, Central Revenues

NARMADA WATER DISPUTES TRIBUNAL

New Delhi-110011, the 12th July 1978

No. 19/43/78-NWDT.—Secretary, Narmada Water Disputes Tribunal, hereby appoints Shri N. S. Natarajan, a Selection Grade Stenographer of Grade 'C' of the C.S.S. Cadre of the Ministry of Labour, as Private Secretary in Narmada Water Disputes Tribunal, on deputation basis, in an officiating capacity, w.c.f. the forenoon of 1st July, 1978, until further orders.

> S. K. CHANDA Administrative Officer Narmada Water Disputes Tribunal

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 10th July 1978

No. A-12017/5/76-Adm. V.—In continuation of notifica-tion No. A-12017/5/76-Adm. V dated the 27th February, 1978, Chairman, Central Water Commission, hereby extends the ad-hoc appointment of Shri S. A. Shah to the grade of Assistant Research Officer (Chemistry) in the Colmbatore Gauging Division, Colmbatore, Central Water Commission in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on a purely temporary basis for a further period from 1-7-1978 to 30-9-1978 or till a regular officer in the grade becomes available, whichever is earlier. earlier.

No. A-12017/5/76-Adm. V.—In continuation of notification No. A-12017/5/76-Adm. V dated the 27th February. 1978, Chairman, Central Water Commission, hereby extends the ad-hoc appointment of Shri B. K. Goswami to the grade of ad-hoc appointment of Shri B. K. Goswami to the grade of Assistant Research Officer (Chemistry) in the Gauhati Gauging Division, Gaubati, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—40—1200 on a purely temporary basis for a further period from 1-7-1978 to 30-9-1978 or till a regular officer in the grade becomes available, whichever is earlier.

The 15th July 1978

No. A-19012/667/77-Adm. V.—The Chairman, Centrol Water Commission, hereby appoints Shri S. C. Sood, Research Assistant, to the post of Assistant Research Officer (Chemistry) in the Silving Institute of Assistant Research Officer (Chemistry) in the Silving Institute of Institute try) in the Sikkim Investigation Division, Gangtok (Sikkim), Central Water Commission, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810— EB —35—880—40—1000— EB —40— 1200 on a purely temporary and ad-hoc basis w.c.f. the forenoon of 24th May, 1978 upto 25th October, 1978, or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

> J. K. SAHA Under Secretary Central Water Commission

DIRECTORATE GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 13th July 1978

No. 33/1//-EC. IX (Pt. IV).---The Director General of Works, CPWD is pleased to appoint undermentioned nominees of the U.P.S.C. against the temporary posts of Assistant Architect (G.C.S. Group B) in the CPWD on a pay of Rs. 650/- P. M. in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 (plus usual allowances) with effect from the dates indicated against each:--

1. Shri R. M. Aggarwal

31-5-78 (F.N.)

2. Shri P. S. Khurana

1-6-78 (F N.)

2. The above officers are placed on probation for a period of two years $w \in f$, the dates they joined C.P.W.D.

KRISHNA KANT Dy. Director of Administration

MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION (DEPARTMENT OF SUPPLY)

New Delhi, the 12th July 1978

No. A-39012/5/76-ESI.—The President is pleased to dismiss from Government service Shri N. K. Malhotra, Deputy Director of Supplies (Grade II of the Indian Supply Service) of the Directorate of Supplies and Disposals, Calcutta with effect from 3-2-1978.

S. S. KSHETRY

Dy. Secy.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIR) COMPANY LAW BOARD OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Andhra Automobiles Private Limited

(Pursuant to Section 445(2) of Companies Act, 1956 Hyderabad, the 30th June 1978

No. 277/Liqn.—By an order dated the fifteenth day of October One thousand nine hundred and seventy six in Company Petition No. 2 of 1976 of the High Court of Judicature at Andhra Pradesh, Hyderabad, it has been ordered to wind up Andhra Automobiles Private Limited.

In the matter of the Companies Act. 1956, and of Debonair Limited

Hyderabad, the 11th July 1978

No. 643/T.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 56 of the Companies Act, 1956, that the name of Debonair Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

V. S. RAJU Registrar of Companies Andhra Pradesh

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Ragrhpa Private Limited.

Calcutta, the 11th July 1978

No. 24376/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Ragrhpa Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

11-186GI/78

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Svapa Press Private Limited

Calcutta, the 11th July 1978

No. 17080/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Syapna Press Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Bacsel India Limited.

Calcutta, the 11th July 1978

No. 29632/560(3).—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Bacsel India Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. C. NATH
Assit. Registrar of Companies
West Bengal

In the matter of the Companies Act, 1956, and of New India Lucky Scheme & Finance Private Limited. (In Liqn.)

Iuliundur, the 12th July 1978

No. G/Stat/560/2693/3524.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act. 1956, that the name of New India Lucky Scheme & Finance Private Limited (In Liqn.) has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Kay Kay Cycles Private Limited.

Jullundur, the 12th July 1978

No. G/Stat/560/3251/3525.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Kay Kay Cycles Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Vashisht Chit Fund & Finance Company (P.) Limited.

Jullundur, the 12th July 1978

No. G/Stat/560/3235/3527.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act. 1956, that the name of Vashisht Chit Fund & Finance Company (P.) Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. P. TAYAL Registrar of Companies Punjab, H.P. & Chandigarh

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Sri Ganesh Motor Service Private Ltd.

Bangalore, the 12th July 1978

No. 764/560/78 — Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that

at the expiration of three months from the date hereof the name om M/s. Sri Ganesh Motor Service Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Mysore Extrusion Company Private Ltd.

Bangalore, the 12th July 1978

No. 2226/560/78.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Mysore Extrusion Company Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. N. GUHA Registrar of Companies Karnataka

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Metal Products Private Limited

Calcutta, the 12th July 1978

No. L/11920/H-D(1825).—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act 1 of 1956 that an order for winding up of the above-named company was made by the Hon'ble High Court, Calcutta on 17-6-76 and the Official Liquidator High Court, Calcutta has been appointed the Official Liquidator.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Sarda Chit Fund Private Limited

Calcutta, the 12th July 1978

No. L/27902/H-D(1882).—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act 1 of 1956 that an order for winding up of the above-named company was made by the Hon'ble High Court, Calcutta or 29-11-77 and the Official Liquidator High Court, Calcutta has been appointed the Official Liquidator.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Oodakah

Calcutta, the 12th July 1978

No. L/1858/H-D(1808).—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act 1 of 1956 that an order for winding up of the above-named company was made by the Hon'ble High Court, Calcutta on 24-2-76 and the Official Liquidator High Court, Calcutta has been appointed the Official Liquidator.

N. N. MULIK Asstt. Registrar of Companies West Bengal

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Electricity & Sound Private Limited.

Patna, the 15th June 1978

No. (465)560/78-79/1/2643.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Flectricity & Sound Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. BANERJEE Registrar of Companies Bihar, Patna In the matter of the Companies Act, 1956, and of Annai Nadu Publications Limited

Madras, the

July 1978

No. DN/62/43/560(3)/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Annai Nadu Publications Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

K. PANCHAPAKESAN Asstt. Registrar Companies Tamil Nadu, Madras

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Pavitra Chit Schemes & Trading Private Limited.

Cuttack, the 14th July 1978

No. S.O./553/1367(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Pavitra Chit Schemes & Trading Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Orissa Heavy Chemicals Private

Cuttack, the 14th July 1978

No. S.O./494-1368(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Orissa Heavy Chemicals Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Orissa Industrial Combine Private Limited.

Cuttack, the 14th July 1978

No. S.O./515-1370(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Orissa Industrial Combine Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Akhandalamanl Milk Producers and Confectioners Private Limited.

Cuttack, the 14th July 1978

No. S.O./522-1371(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Akhandalamani Milk Producers and Confectioners Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Sintralioys Private Limited

Cuttack, the 14th July 1978

No. S.O./549/1372(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Sintalloys Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Mfs. New Orissa Chemical Works Private Limited.

Cuttack, the 14th July 1978

No. S.O./558-1373(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. New Orissa Chemical Works Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Kalinga Scafoods Private Limited.

Cuttack, the 14th July 1978

No. S.O./561/1374(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Kalinga Seafoods Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act. 1956, and of M/s. Kalinga Savings Unit Private Limited.

Cuttack, the 14th July 1978

No. S.O./557-1375(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Kalinga Savings Unit Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s, Star of Orissa Credit & Investment Company Private Limited.

Cuttack, the 14th July 1978

No. S.O./587-1376(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Star of Orissa Credit & Investment Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

D. K. PAUL Registrar of Companies, Orissa

DIRECTORATE OF ORGANISATION & MANAGEMENT SERVICES (INCOML TAX), AIWAN-E-GHALIB

New Delhi-110002, the 10th July 1978

F. No. 36/7/76-AD/DOMS/4207.—On his attaining the age of superannuation, Shri D. P. Roy, Senior Analyst in the

SIU of the Deptt of Expenditure and lately working as Assistant Director in his Directorate relinquished the charge of Assistant Director in the Directorate of Organisation & Management Services (Income-tax), New Delhi on the afternoon of 30th June, 1978.

JAGDISH CHAND Director

OFFICE OF THE INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400020, the 11th July 1978

No. F. 48-Ad(AT)/1978.—1. Shri Niranjan Das Officiating Assistant Superintendent Income-tax Appetiate Tribunal, Defin Benches who was appointed to officiate as Assistant Registrar, ancome-tax Appellate Tribunal, Amritsar Bench, Amritsar on ad-hoc basis for a period of three months w.c.f. 17-10-77 (F.N.) vide this office Notification of even number dated 1st November, 1977 and subsequently continued in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal Amritsar Bench, Amritsar for a 1uther period of six months from 17-1-1978 to 16-7-1978 is now permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income tax Appellate Tribunal Amritsar Bench, Amritsar on ad-hoc basis for a further period of three months w.c.f. 17-7-1978 (F.N.) to 16-10-1978 or till the post is filled upon regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri Niranjan Dass a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

No. F. 48-Ad(AT)/78.—Shi M. K. Dalvi, Personal Assistant to the Vice-President, Income-Tax Appellate Tribunal (Northern Zone) New Delhi who was initially appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-Tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi on ad-hoc basis in the leave vacancy vice Shri C. L. Bhanot, Assistant Registrar, Delhi Benches for a period from 14-11-77 to 13-1-78 vide this office Notification of even number dated 28-11-77 and further continued in the same capacity as Assistant Registrar, Income-Tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi for a further period from 14-1-78 to 10-2-78 in the leave vacancy vice Shri Sat Pal Assistant Registrar, Delhi Benches and subsequently appointed to officiate as Assistant Registrar Income-Tax Appellate Tribunal, in the Bombay Benches. Bombay on ad-hoc basis from 10-2-78 vide this office Notification of even number dated 9-2-1978 is now permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-Tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay on ad-hoc basis till 13-11-1978 or till the post is filled up on regular basis, which ever is earlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri M. K. Dalvi a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade nor for eligibility for promotion to next higher grade.

P. D. MATHUR President

(1) Shri Raghbir Singh s/o Shri Makba Singh r/o Kothi No. 453, Model Town, Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Devki Bai w/o Shri Kidar Nath ro Kothi No. 453, Model Town, Ludhiana. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1978

Ref. No. LDII/U/262/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

A Share in Kothi No. B XVIII 621 and 453 measuring 445 sq. yds. situated at Model Town, Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 1 udhiana in November, 1977

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of

said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(A Shate in Kothi No. BXVIII 621 and 453 measuring 445 Sq. Yds, situated in Model Town Ludhiana).

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2548 of November, 1977 of the Registering Authority at Ludhiana.)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-7-1978

FORM ITNS----

(1) Smt. Harnam Kaur wd/o S. Kartar Singh, r/o Village Mangat, Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Karamjit Kaur w/o S. Gan Singh, r/o Village Soromwali, Tehsil Garshanker.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1978

Ref. No. LDH/U/257/77-78.—Whereas, , NATHU RAM Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land, measuring 50 kanal 1 marla, situated at Mangat, H. B. 64, Tehsil Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in November, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the tansferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persous, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 50 kanal 1 marla, situated in Mangat H.B.64, Tehsil Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2389 of November, 1977 of the Registering Officer, Luhiana.)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-7-1978

 Sh. Beant Singh MI.A s/o Sh. Hazura Singh r/o Kotli, Post Office Payal, Distt. Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Shri 1. Yash Pal, 2. Vikram Kumar Ss/o Shri Prem Nath r/o 228-L, Model Town, Ludhiana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1978

Ref. No. LDH/U/266/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Kothi No. 243 (Municipal No. B-18-845) measuring 855.22 Sq. yds. situated at Model Town, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in November, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons with in a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. 243 (Municipal No. B-18-845) measuring 855.22 sq. yds. situated in Model Town, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2585 of November, 1977 of the Registering Authority at Ludhiana.)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-7-1978

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CFNTRAI REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1978

Ref. No. LDH/U/258/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House No. B-1 251/3 measuring 140 Sq. yds. situated at Kachery Road near Domorya Bridge, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I udhiana in November, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri P. N. Anand, CMO Sonepat (Haryana).

 (Transferor)
- (2) Shri Bani Parshad Jain s/o Sh, Munshi Lal Jain, r/o B-1/251/3, Kachen Road, Ludhana, B-1/1349/4 (new).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-I-251/3 measuring 140 sq. yds. situated at Kachery Road, near Domarya Bridge, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2397 of November, 1977 of the Registering Authority at Ludhiana.)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, I udhiana

Date: 15-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1978

Ref. No. LDH/U/269/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agricultural land measuring 20 kanal situated at Village Hussainpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ludhiana in November, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

 Shri Mela Ram s/o Shri Daulat Ram B-3-998/1, Ghatti Gujran, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Puran Singh s/o Shri Gurbax Singh, 983/A, Deep Nagar, Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 20 kanal situated at Village Hussainpur.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2646 of November, 1977 of the Registering Officer, Ludhana.)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rauge, Ludhiana

Date: 15-7-1978

(1) Shri Mela Ram s/o Shri Daulat Ram R/o B-3-998/1, Ghatti Gujran, Daresi Road, Ludhiana. (Transferor)

(2) Shri Gurbax Singh, s/o Shri Jinda Singh, R/o 983/A, B-1, Deep Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE. CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA '

Ludhiana, the 15th July 1978

Ref. No. LDH/U/267/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land measuring 20 kanal situated at Village Hussainpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Ludhiana in November, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act', to the following persons namely:—
12—186GI/78

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 20 kanal situated at Village Hussainpur.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2629 of November, 1977 of the Registering Officer. Ludhiana.)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-7-1978

Seal *

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE. CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA Ludhiana, the 15th July 1978

Ref. No. LDH/U/265/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land measuring 20 kanal situated at

Village Hussainpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I udhiana in November, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pey tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mela Ram s/o Shri Daulat Ram, B-3-998/1, Ghatti Gujran, Ludhiana.

(Transferor)

(1) Shri Resham Singh s/o Shri Gurbax Singh Deep Nagar, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 20 kanal situated in Village Hussainpur.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2584 of November, 1977 of the Registering Officer, Ludhiana.)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-7-1978

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTTION RANGE-I, 4/14A, Asaf Ali Road, New Delbi-1(110001)

New Delhi, the 15th July 1978

No IAC. Acq. I/SR-III/225/Nov.II(28)/77-78/1738. — Whereas, I. J. S. GILL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

24/2, 25 & 26 situated at Sat-Bari, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 3.12.77

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Fouji S/o Shri Mirza, through General Attorney, Shri Bundu S/o Shri Fouji, Village Satbari (Delbi).

(Transferoi)

(2) Shii Suresh Chand Jain, S/o Shii Shei Singh Jain, R/o C-29, Panchsheel Enclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing No. 24/2, 25 & 26 measuring 5 Bighas situated at village Sat Bari (Delhi State).

J. S. GILL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 15-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION FANGE-I, 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi-110001

New Delhi, the 15th July 1978

No. IAC. Acq. I/SR-III/216/Nov. II(8)/77-78/1738.—Whereas, I, J. S. GILL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'Said Act'),

have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- an bearing No.

E-218 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 20.11.77

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the 'said Act',
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

(1) Smt. Silu Thakur W/o Shrl Anand Kumar Thakur Resident of 16/39. Diplomatic Enclave, New Delha(Transferor)

(2) Avtat Krishan Gurdas Ram Gupta S/o Shri Vishwa Nath Khanna R/o B-68, HUF Greater Kailash II New Dolhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice⁴ in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of residential land bearing No. E-218, measuring 250 sq. yards situated at Greater Kailash-II, New Delhi and is bounded as under:

East—E-216 West—Road North—Road South—Lane

J. S. GILL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 15-7-1978

(1) S/Sh. Satish Kumar & Rajesh Kumar S/H. R Nanda, R/o, J-27, N.D.S.E. Part-II, New Delhi.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Nihal Chand Rakyan, S/o Shri Khairati Lal R/o E-494 Greater Kailash-II, N Delhi.

(Transferecs)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi-110001

New Delhi-110001, the 13th July 1978

IAC. Acq. I/SR-III/Mar. 55/78/373/1748.—Whereas J. S. GILL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

E-494, situated at Greater Karlash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 18.3.1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Laptanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house built on a tree-hold plot of land bearing No. 1-494, measuring 550 sq. yds, situated at Greater Kailash-II, New Delhi and bounded as under:

East—Plot of land No. F-492 West—Plot of land No. F-496 North—Road South—Road

> I. S. GILL, Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I. Delhi/New Delhi

Date: 13.7.1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi-110001

New Delhi-110001, the 18th July 1978

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/221/Nov.II(14)77-78/1748.—Whereas, J. J. S. GILL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S-252 situated at Greater Kailash-II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

at New Delhi on 23.11,1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the ladian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, he pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following, persons, namely:

- (1) (1) Amarjit Singh S/o Sh. Gurnam Singh,
 - (2) Sh. Tajinder Pal Singh S/o Sh. Raghbir Singh r/o D-22, Model Town, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Madhu Khutana, W/o Manohar Lal Khurana, 1/o A-3, Kuti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Plot of land bearing No. S-252 measuring 300 sq. yds. situated at Greater Kailash-II, New Delhi and is bounded as under :-

East: Service Lane

West: Road North: Plot No S/250

South: No. S/254

J. S. GILL, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 18-7-1978

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

Acquisition Range I. 4/14A. Asaf Ah Road,

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 13th July 1978

No. IAC. Acq. I/SR-III/208/Nov. I(28)/77-78/1748.—Whereas, I, J. S. GILL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

M-81, situated at Greater Kailash-II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at New Delhi on 11.11.1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Smt. Prakash Verma W/o Shri S. D. Verma R/o 17-B, Sujan Singh Park, N. Delhi.
- (2) Dr. Amar Nath Arora, S/o Shri Kartar Singh R/o A-53, Karol Bagh, New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—i he terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land bearing No. M-81 measuring 250 sk. yds. situated at Greater Kailash-II. N. Delhi is bounded as under:

East: Road

West: Service Lane North: Plot No. M-79 South: M-83, Plot.

J. S. GILL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 13-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-J, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 13th July 1978

No. IAC, Acq. I/SR-III/Nov. 212/77-78/1748.—Whereas I, J. S. GILL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Incompetax Act. 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

A-342 situated at Defence Colony, New Delhi Mysore Sub-Area Officers' Housing Colony, Indiranagar. at New Delhi on 15.11.1977

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore. Doc. No. 1857/77-78 on 17-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to the disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) S. Gurcharan Singh Lamba, S/o S. Man Singh Lamba R/o D-84, Defence Colony, New Delhi.
- (2) S/Shri Dittu Ram Sardana S/o Ladda Shrimati Juma Bai W/o Sh. Ditta Ram Sardana, (3) Sat Pal S/o Dittu Ram Sardana. (4) Ram Narayan S/o Shri Dittu Ram Sardana, R/o D-196. Defence Colony; N. Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A two-and-half storyed house bearing No. A-342 measuring 217 sq. yards situated at Defence Colony, New Delhi and bounded as under :--

North: House No. A-343 South: House No. A-341

East: Road West: Lane

J. S. GILL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date 13.7.1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 13th July 1978

Ref. No. IAC, Acq.I/SR-III/192/Nov.Π(1)/77-78/1748.— Whereas, I, J. S. GILL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

G-41, situated at Jangpura Extension, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 2-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
13—186GI/78

 Shri Prem Jagumal Choodani R/o G-41, Jangpura Extension, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Vinod Kashyap s/o Shri Pahari Lal Kashyap, R/o G-41, Jangpura Extension, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property constructed on a plot of land No. G-41, measuring 266 sq. yds. situated at Jangpura Extension, New Delhi and bounded as under:

North: Road South: Lane East; Road

East ; Road West : Property No. G-40

J. S. GILL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 13-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITIN RANGE-II 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 18th July 1978

Ref. No. IAC/Acq.II/1317/78-79/1743.—Whereas, I. N. S. CHOPRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

17 situated at D.L.F. Industrial Area, Najafgarh Road,

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 30-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mohan Singh s/o Shri Mool Chand 17/22, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferce)

(2) (1) Subhash Chand

(2) Shri Munish Kumar. Ss/o Shri Ram Lal R/o E-13, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece of plot of land bearing Western Southern portion of plot No. 17, area about 270 sq yds. out of area 556.08 sq. yds. (out of entire area of the said full plot 2664 sq. yds.) alongwith whole of the structure, constructed on the said area 270 sq. yds. consisting of two tin shed, two stores, open courtyard, two latrine, one urinal with boundary walls, situated at 17, D.L.F. Industrial Area, Najafgarh Road, in the area of Village Basi Darapur, Delhi and bounded as under:—

North: Remaining portion of Plot No. 17 South: Remaining portion of the plot No. 17 East: Remaining portion of the plot No. 17 West: Road leading to plot No. 17

N. S. CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 18-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, 4/14A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 20th July 1978

Ref. No. IAC-Acq-III/SR-JI/Nov/1567(31)/77-78.—Whereas, I, A. L. SUD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 5, situated at Block A, Shankar Garden, Najafgarh Road, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on 30th November 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Adarsh Krishan S/oL. Ghansham Narain, H. No. 2584, Gali No. 5, Beadonpura, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Krishna Madan W/o Kundan Lal H. No. 2811, Gali No. 19, Beadonpura, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free hold Plot No. 5, Block A, measuring 444.44 5q yds. situated in the approved colony known as Shankar Garden, Delhi within the limits of Delhi Municipal Corporation the Revenue Estate of Village Possengipur, in the State of Delhi on Main Najafgarh Road, and bounded as under:—

North : Road South : Road

East: Plot No. A-6 West: Plot No. A-4.

A. L. SUD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Date: 20th July 1978

(1) Shri S. Potha Gowd S/o Sri Naga Gowd, Metpalli Karimnagar, District.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

 Smt. K. Venkatamma W/o Sri K. Vengalreddy Metpalli, Karimnagar District.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,

Hyderabad, the 12th July 1978

Ref. No. RAC.89/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATA-RAMAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

1-4-100 and 101 situated at Netpalli Karimnagar, Dist.

(and more fully described in the Schrdule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the Office of Registering Officer at

Metpalli on 3-11-1977

sens, namely:-

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following per-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1-4-100 and 101 (Total area 525 Sq. Yds.) situate at Metpalli, Matpalli Taluka, Karimnagar District, purchased through document No. 1584/77 registered in the office of the S.R.O. Metpalli, Karimnagar district.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 12-7-78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,

Hyderabad, the 14th July 1978

Ref. No. RAC,90/78-79,—Whereas, J. K. S. VENKATA-RAMAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

2-3-177 situated at Ramgopalpet, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on November 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Razia Begum W/o Rafiq Mohd. Khan 54, Nallagutta, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Aboobakar S/o Wali Mohd. 2-3-177, Ramgopalpet, Sccunderabad.

(Transferee)

(3) Abdul Kareem and Eagle Transport Company 2-3-177, Ramgopalpet, Secunderabad. (Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the sair property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing M. No. 2-3-177 situated at Ramgopalpet, Secunderabad, registered as Document No. 2200/77 by the S.R.O., Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 14-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th July 1978

Ref. No. RAC.91/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 278(old), 1931/2 (new) situated at 18th ward, Anantapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anantapur on November, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Talupur Radhabai
 W/o Late Ramarao,
 Anantapur.
 Smt. P. Kamala W/o Sri Chandra Rajarao,
 Kalipiri, Chittoor District.

(Transferor)

(2) 1. Bandaru Chenna Kesanna

2. Bandaru Ramadas

R/o Dharmavaram

3. Bandaru Gangadhar

4. Bandaru Konayya

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land 0-72 cents in survey No. 278(old), 1931/2 (new) in 18th ward Anantapur town; registered through document No. 4712/77 at the Registrar's office, Anantapur.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner, of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 14-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th July 1978

Ref. No. RAC.92/78-79.—Whereas, J, K. S. VENKATA-

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-1-824/1 situated at J. N. Road, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Kumari Dinbanoozal Bastawala, 4-1-824, J. N. Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Rajkumar Gupta, S/o Roopkishore Gupta, 17/4, Vigyanpuri, Hyderabad.

(Transferee)

(3) M/s. Ram Enter Prises, 4-1-824/1, J. N. Road, Hyderabad. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop Room No. 4-1-824/1, Jawaharlal Nehru Road, Hyderabad, admeasuring 44.7 sq. yds. registered through document No. 3255/77 at the office of the Joint Sub Registrar, Hyderabad.

> K. S. VENKATARAMAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date: 14-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th July 1978

Ref. No. RAC.93/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATA-RAMAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-1-824/2 situated at J. N. Road, Hyderabad and more fully described in the Schedule annexed hereto),

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inocome-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Kumari Dinbanoozal Bastawala, 4-1-824, J. N. Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Raj Kumar Gupta, S/o Roop Kishore Gupta, 17/4, Vigyanpuri, Hyderabad.

(Transferee)

(3) M/s. Ram Enter Prises,
 4-1-824, J. N. Road, Hyderabad.
 (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald person with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop Room No. 4-1-824/2, Jawaharlal Nehru Road, Hyderabad (Total area 55 sq. yds.) purchased through document No. 3,278/77 registered at the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 14-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th July 1978

Ref. No. RAC.94/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATA-RAMAN

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

15-1-418 situated at Feelkhana, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
14—186GI/78

Shri Thodupunuri Anjaiah, S/o Bheemaiah
 Thodupunuri Venkatesam S/o Anjaiah,
 Thodupunuri Bhoomesh S/o Anjaiah.
 R/o 15-1-418, Feelkhana,
 Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Garipalli Laxshmikantamma W/o Veeresham '3-2-269, Keshavkutecr', Nagannagari Devdi, Secunderabad.

(Transferee)

(3) 1. M/s. Mohindar Transport Private Limited

15-1-418, Feelkhana, Hyderabad.
2. Garipalli Veeresham.
Cashewnut Merchants.
Begumbazar, Hyderabad.

3. Smt. Kamalabai W/o Lakshminarayana, 15-1-418, Feelkhana, Hyderabad.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed portion of house bearing M. No. 15-1-418, situated at Feelkhana, Hyderabad (admeasuring 83.56 sq. vds.) registered through document No. 3018/77 at the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 14-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th July 1978

Ref. No. RAC.95/78-79.-Whereas, I, K. S. VENKATA-RAMAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have

reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. XXI-39 situated at S.K.D. Colony, Adoni

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adoni on November, 1977

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:---

(1) N. Kashipathirao S/o Chidambararao. Retired teacher, S.K.D. Colony, Adoni.

(Transferor)

(2) 1. K.Prahaladareddy

 K. Shankerreddy
 K. Yellareddy
 Sons of K. Venkataramareddy Markattu village, Adoni.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. XXI-39 S.K.D. Colony, Adoni (Total area 1,211 sq. yds.) purchased through document No. 2062/77 registered in the office of the Registrar, Adoni.

> K. S. VENKATARAMAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date: 14-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD

Hyderabad, the 14th July 1978

Ref. No. RAC.96/78-79,—Whereas, I, K, S. VENKATA-RAMAN.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

15-1-503/A25 situated at Siddiambarbazaar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Aot or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Ashok Devnani, S/o Khashomal, Feelkhana, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Dinanath Modi S/o Hanumandas Modi, C/o Ashok Automobiles, Afzalgunj, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—Theterms and expressins used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground-floor mulgi bearing No. 15-1-503/A/25 at Siddimbarbazaar, Hyderabad (total area 26.61 sq. metres) purchased through document No. 2975/77 registered in the office of the Joint Sub Registrar's office, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date: 14-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th July 1978

Ref. No. RAC.97/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATA-RAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, flaving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1-1-209 situated at Chikkadpalli, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not

been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) recilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Mehtab Khatoon W/o Sri Hoshdar Khan, Miralam Mandi, Hyderabad.

(Transferor)

 Shri M. Lakshmipathi, H. No. 1-1-200, Chikkadpalli, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter;

THE SCHEDULE

Property bearing Municipal Door No. 1-1-209 and House No. 1-1-206 first floor and part of House No. 1-1-201 (openland) Chikkadpallı Mainroad, Hyderabad. 105 Sq. yards, registered through document No. 3055/77 at the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 14-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD

Hyderabad, the 15th July 1978

Ref. No. RAC. 98/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATA-RAMAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

7†2906 situated at Hissamgunj, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Secunderabad on November, 1977

for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Sri M. S. Chandrasekhararao,
 M. Ravishankar,
 Marredipally, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Shri Telukunta Lakshmi Narasamma, 39/40 Mareedipally, Secunderabad.

(Transferce)

(3) M/s. Telukunta Balakrishnaiah, Venkatesham & Sons, 7-2-906, Hissamguni, Secunderabad.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing M. No. 7-2-906 lease hold interest in plot No. 20 situated at Hissamgunj, Secunderabad as described in the sale deed No. 1886/77, registered by the S.R.O. Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 15-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th July 1978

Ref. No. RAC.99/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATA-RAMAN.

being the competent authority under section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 4 situated at Premises No. 25A

St. Johns Road, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on November, 1977

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following powers, namely:—

Shri Shyam Gopal Sainchar,
 St. Johns Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Ashatrika, 10-3-3/1, East Marredipally, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land admeasuring 388.5 Sq. yards bearing No. 4, situated in the premises bearing No. 25A at St. Johns Road, Secunderabad as described in the sale deed registered under registration No. 2093/77 by the S.R.O., Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 15-7-1978

 Smt. Badrunissa Begum W/o Syed Azeez Hussain R/o 20-7-645, Hyder Manzil, Fateh Darwaza, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th July 1978

Ref. No. RAC.100/78-79.—Whereas, I, K.S. VENKATA-RAMAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

6/2/203 situated at A.C. Guards Khiratabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Khiratabad on November, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the ransferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the porposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Sri Ahmed Bin Ali S/o Sri Ali Bin Saleh, President Rahmania Baitual Mall Society, A.C. Guards, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 6-2-203 situated at A.C. Guards, Hyderabad as described in the sale deed registered vide Document No. 2943 by the Registering Officer, Khiratabad, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 15-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri E. Koocha Reddy, 5-5-754, Goshamahal, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Vardala Swamy, 513/D, New Mallapally, Hyderabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th July 1978

Ref. No. RAC.101/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATA-RAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding RS. 25,000/- and bearing No.

11/5/431/1 situated at Lakidikapool, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khiratabad on November, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this motion under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing M. No. 11-5-431/1, situated at Lakidakapul Hyderabad admeasuring 492 sq. yds. registered vide Document No. 2785/77 by the S.R.O. Khairatabad, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 15-7-1978

*

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th July 1978

Ref. No. RAC.102/78-79.—Wherens, I, K. S. VENKATA-RAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 30 situated at in premises of House No. 8-2-'79 (Banjara Hills)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khiratabad on November, 1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shii K. R. Sridharan, I.D..L Chemicals, Rourkela, 769016

(Transferor)

(2) Shri P. S. B. Rajan, 11, Uma Nagar, Begumpet, Hyderabad-500016.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 30 situated in premises of H. No. 8-2-579, Banjara Hills, Hyderabad, admeasuring 1323 sq. yds. as described in the sale deed registered by the S.R.O. Khiratabad vide document No. 2847/77.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 15-7-1978

Seal:

15-186GI/78

(1) Sri V. S. Varadaraj S/o V. O. Sabhapathi 10-3-31/1, East Marredipally, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Sohanraj S/o Sri Indermul, Marredipally, Secunderabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th July 1978

Ref. No. RAC.103/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATA-RAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

10-3-36 situated at East Marredipalli, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on November, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 10-3-36, situated at East Marredipalli, Secunderabad, admeasuring 2394 sq. feet as described in the sale deed registered by the S.R.O., Secunderabad vide Document No. 1956/77.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date: 15-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D1() OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,

Hyderabad, the 15th July 1978

Ref. No. RAC. No. 104/78-79.—Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act., 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

12/155/12/156 situated at Thirumala, Thirupathy (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Thirupathy on 7-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the tarnsferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 Shri Archakam Venkataramana Dishtulu, II. No. 364/B at Mitto Street, Tirupathi.

(Transferor)

(2) Shri Archakam Steenivasa Murthy Dikshitulu, 108, R.S. Mada, Steet, Thirupathi.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I'APIANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing M. No. 12/155/12/56 at North mada, street, Tirumala, Thirupathi, Chandragiri-Tq. Chittor-Dist. registered vide Document No. 2884/77 with the Sub-Registrar Thirupathi.

K. S. VENKATARAMAN
Competer Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 15-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Sri G. Şatyanarayana Reddy, H. No. 18-44/9/A Chikkadpally, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri B. Laxman, P/r in M/s. Ravindra Hotel, Nizamabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,

Hyderabad, the 15th July 1978

Ref. No. RAC. No. 105/78-79.—Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

6-2-200/83 situated at Subashnagar, Nizamabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nizamabad on 24-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of an income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One double storied R.C.C. building M. No. 6-2-200/83 at Subhash Nagar, Nizamabad, registered vide Document No. 4912/77 with the Sub-Registrar Nizamabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

Hyderabad, the 15th July 1978

Ref. No. RAC. No. 106/78-79.—Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 50 situated at Ground floor Abid Shoping Centre (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 108) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri K. Styanarayana Raju, H. No. 8-2-438/I, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Mohd. Abdul Salem, S/o Mohd. Suleman, H. No. 3-5-786/38 at Sherguda, Kingh Koti, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 50 on the ground floor of Abid's Shopping Centre, M. No. 5-8-512 to 517/A at Chirag Ali lane, Hyderabad, registered vide Doc. No. 3175/77 with the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 15-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Akenapally Srinivasulu S/o A. Jaganadham, R/o Station Road, Warangal.

(Transferor)

1. Smt. Konduri Kalawathi,
 D/o Sri K. Shanker Lingam
 R/o Old Beat Bazar, Warangal.
 2. Sri Konduri Rajeshwar Rao,
 R/o Old Beat Bazar,
 Warangal.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th July 1978

Ref. No. RAC. No. 107/78-79.—Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Part of 12-8-28 situated at Old Beat Bazar, Warangal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer

at Warangal on 9-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A part of building No. 12-8-28 situated at Old Beat Bazar Warangal, registered vide Document No. 3674/77 with the Sub-Registrar of Warangal.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 15th July 1978

Ref. No. RAC. No. 108/78-79.---Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. Portion of 12-8-28 at Beat Bazar, Warangal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Warangal on 9-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sri Aknepalli Srinivasulu, S/o A. Jaganadham, R/o Station Road, Warangal.

(Transferor)

(2) Sri Konduru Shankar Lingam, S/o K. Komaraiah, R/o Old Beat Bazar, Warangal. 2. Sri Konduri Sadasiva Rao, S/o Sri K. Shanker Lingam, R/o Old Beat Bazar, Warangal.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A part of building No. 12-8-28 situated at Old Beat Bazar Warangal, registered vide Document No. 3673/77 with the Sub-Registrar, Warangal.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 15-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 17th July 1978

Ref. No. RAC. No. 109/78-79.—Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

8-2-627 situated at Banjara Hills, Road No. 11, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on November, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Sri Nawab Mujeebyarjung,
 - Sahebzadi Rafathunnisa Begum, Rep. by her G.P.A. Nawab Mujeeb Yar Jung Bahadur,
 - 3. Sahebzadi Rahmatunnisa Begum,
 - Sahebzadi Shaukatunnisa Begum,
 Minor, Represented by her father,
 Nawab Mujecb Yar Jung,
 All residing at Eden Garden, Hyderabad.

 (Transferor)
- Dr. Faizunuisa W/o Late M. Khan, H. No. 8-2-627 at Road No. 11, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 8-2-627 situated at Banjara Hills, Road No. 11. Hyderabad, registered vide Document No. 3105/77 with the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 17-7-1978

FORM JUNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Mrs. Najama Sultana W/o Mr. Qamruddin, H. No. 10-4-14 at Masab Tank, Hyderabad.

(Transferor)

 Mrs. Safia Sultana W/o Syed Saleem Ali, H. No. 10-4-38 at Masab Tunk, Hvdcrabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 17th July 1978

Ref. No. RAC. No. 110/78-79.--Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'snid Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10-4-38 situated at Masab Tank, Hyderabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad on November, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

16---186GJ|78

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 10-4-38 situated at Masab Tank, Hyderabad, registered vide Document No. 3241/77 with the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 17-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 17th July 1978

Ref. No. RAC. No. 111/78-79.—Whereas, I, K. S. VFN-KATARAMAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

7-1-621/299, situated at Sanj Colony

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act.

1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on November, 1977

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of !—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Sri Pingle Gopal Reddy
 S/o Sri Narsihmareddy,
 R/o Karupallivai Jamikunta, Huzurabad,
 Kareemnagar.

(Transferor)

(2) Sri Dondu Rama Raju
 S/o Suryanarayana Raju
 H. No. 7-1-621/299 at Sanjeevareddynagar Colony!
 Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 7-1-621/299 at Sanjeevareddynagar Colony, Hyderabad registered vide Document No. 2927/77 with the Sub-Registrar, Khairtabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 17-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE KAKINADA

Kakinada, the 10th July 1978

Ref. No. Acq. File No. 686.—Whereas, 1, N. K. NAGA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

21-1-90 situated at Chikkalavari Street, Vizianagaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizianagaram on 23-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) 1. Pentapati Narasimha Rao,
 - 2. P. Mohan Rao,
 - 3. P. Satyanarayana,
 - 4. P. Suryanarayana,
 - 5. P. Sunil,

M/G. Father P. Satyanarayana, Chikkalavari St., Phoolbagh Road, Vizianagaram-2.

(Transferors)

(2) Kethala Rama Rao s/o Kamaraju, Phoolbagh Road, Vizianagaram-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of thics notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule property as per registered document No. 6527/77 registered before the S.R.O., Vizianagaram, during the F.N. ended on 30-11-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 10-7-1978

 Shri Molleti Sreeramulu s/o Sattayya, Ramnagar, Vizag-3.

(Transferor)

(2) Smt. Vedala Mary Vijaya Prabhavathi, W/o Sundara Rao, Kotha Road, Ramnagar, Vizag-3.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE KAKINADA

Kakinada, the 10th July 1978

Acq. File Ref. No. 687.—Whereas, I, N. K. NAGA-RAJAN.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

10-4-7 situated at Ramnagar, Vizag.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Visakhapatnam on 17-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-Section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered Doc. No. 3931/77 registered before the S.R.O., Vizag, during the F.N. ended on 30-11-1977

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 10-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 10th July 1978

Acg. File Rct. No. 689.--Whereas, I, N. K. NAGA RAJAN,

being the Competent Authority

under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R₂, 25,000 and bearing No.

22 5.54 situated at Kothapete, Tenali tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Tenali on 17-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following prsons, namely:—

 Smt. Tadiparthi Satyavathi Devi W/o Venkateswarlu,
 Saraswathi Street, Mahalingapuram, Kodambakam, Madras-34.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Devabhaktuni Vallidevi W/o Venkatanarasimha Rao,
 - 2. D. Raja Visweswara Rao,
 - D. V. Subrahmanya Nagoswara Rao, M/G Mother D. Valli Devi, Ulvasi Bhavan, Opp. Girls High School, Kothapeta, Tenali.

(Transferee)

- (3) 1. The Manager, Canara Bank, Tenali.
 - 2. Thakurdas B. Chulani, English Wore House, Tenali.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the rublication of this notice in the Official Gazette.

TAPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule property as per registered document No. 2915/77 registered before the S.R.O. Tenali, during the F.N. anded on 30-11-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 10-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE. KAKINADA

Kakinada, the 10th July 1978

Acq. File Ref. No. 691.—Whereas, I, N. K. NAGA-RAJAN,

being the Competent Authority,

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. TS 1032 situated at Waltair

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on 2-11-1977

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri M. Prabhakara Rao S/o Venkataramaiah, Opp. Parameswari Picture Palace, Kancharapalem, Visakhapatnam-530 008.

(Transferor)

 Shri K. Krishnam Raju s/o Satyanarayana Raju, Nedunuru, Amalapuram Tq. (EG. Dist.).

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Garatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule property as per registered document No. 3686/77 registered before the S.R.O., Vizag during the fortnight ended on 15-11-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date . 10-7-1978

→

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 10th July 1978

Acq. File Ref. No. 692.—Whereas, 1, N. K. NAGA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

TS 1032 situated at Waltair

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on 2-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sūbsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri M. Narasimha Rao s/o Venkataramaiah, G.P.A. holder Sri M. Prabhakara Rao, Opp. Parameswari P cture Palace, Kancharapalem, Visakhapatnam-530 008.

(Transferor)

(2) Dr. Sallapudi Victor Luther Fleming, S/o Abraham, G.P.A. Holder Sri S. K. Jeevan, Abidnagur, Visakhapatnam-530 016

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 3687/77 registered before the S.R.O., Visakhapatnam, during the F.N. ended on 15-11-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 10-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE KAKINADA

Kakinada, the 10th July 1978

Acq. File Ref. No 693.—Whereas, I, N. K. NAGA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. T.S. 1032 situated at Waltair

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Visakhapatnam on 2-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) Sri M. Venkataramayya s/o Sri Subbayya, G.P.A. Holder Sri M. Prabhakara Rao, Opp. Parameswari Picture Palace, Kancharapalem, Visakhapatnam-530 008.

(Transferor

(2) Sri S. Satyanarayana Raju S/o Λtchutarama Raju, P & T Colony Vi-akhapatnam-530 016.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein 2s are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule property as per registered document No. 3688/77 registered before the S.R.O., Vizag, during the Fortnight ended on 15-11-1977.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 10-7-1978

FORM ITNS------

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Sri K. Anjaiah s/o Sri Kotayya, G.P.A. Holder Sri M. Prabhakara Rao, Opp. Parameswari Picture Palace, Kancharapalem, Visakhapatnam-530 008,

(Transferor)

(2) Sri Sallapudi Krupa Jeevan s/o Abraham, Ice Factory, Abidnagar, Visakhapatnam-530 016.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE KAKINADA

Kakinada, the 10th July 1978

Acq File Ref. No. 694.—Whereas, I, N. K. NAGA-RAJAN,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceedings Rs. 25,000/- and bearing

No. TS 1032 situated at Waltair

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Visakhapatnam on 2-11-1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
17—186GI/78

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule property as per registered document No. 3689/77 registered before the S.R.O., Visakhapatnæm, during the F.N. ended on 15-11-1977.

N. K. NAGARAJAN,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kakinada.

Date: 10-7-1978

Soal :

FORM ITNS ------

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE KAKINADA

Kakinada, the 10th July 1978

Acq. File Ref. No. 695.—Whereas, J. N. K. NAGARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereInafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

T.S. 1032 situated at Waltair

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on 2-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M. Durgamba w/o Kumbarao, G.P.A. Holder Sri M. Prabhakara Rao, Opp. Parameswari Picture Palace, Kancharapalem, Visakhapatnam-530 008.

(Transferor)

(2) Sri Sallapudi Krupa Icevan s/o Abraham, Ice Factory, Abidnagar, Visakhapatnam-530 016.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule porperty as per registered document No. 3690/77 registered before the Sub-Registrar, Visakhapatnam, during the Fort-night ended on 15-11-1977.

N. K. NAGARAJAN
Comptent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 10-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COM-MISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 10th July 1978

Λcq. File Ref. No. 696.—Whereas, I, N. K. NAGΛ-RΛΙΛΝ

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

T.S. No. 1032 situated at Waltain

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on 2-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. M. Dutgamba w/o Kumbarao, G.P.A. Holder Sri M. Prabhakara Rao, Opp Parameswan Picture Palace, Kancharapalem, Visakhapatnam-530 008.

(Transferor)

(2) Smt. S. R. Hemalatha w/o Di. S. V. L. Fleming, G.P.A. Holder Sri S. K. Jeevan, Abidnagar, Visakhapatnam-530 016.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule porperty as pet registered document No 3691/77 registered before the Sub-Registrar, Visakhapatnam, during the F.N. ended on 15-11-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada,

Date: 10-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE KAKINADA

Kakinada, the 10th July 1978

Acq. File Ref. No. 697.—Whereas, I, N. K. NAGA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4/97 and 98 situated at Dowleswaram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on 8-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in persuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(I) Sri Lalbaba Rolling and Sheet Mills (P) Ltd* Represented by its Mg. Director Sri Dantuluri Venkatanarasımla Raju, Dowleswaram, Rajahmundry Tq.

(Transferor)

(2) Sri Satya Metal Industries, Represented by its Mg. Partner Sri Cherukuvada Appala Raju, Dowleswaram, Rajahmundry Tq.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule property as per registered document No. 4343/77 registered before the S.R.O., Rajahmundry, during the F.N. ended on 15-11-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 10-7-1978

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Kakinada, the 18th July 1978

Acq. File Ref. No. 698.—Whereas, I, N. K. NAGA-RAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

40-5-25/1 situated at Labbipeta, Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 23-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Venegalla Suryaprakasa Rao, S/o Suryanarayana, Near State Bank Colony, Labbipeta, Vijayawada-10.

(Transferor)

(2) Smt. Garikipati Surya Kumari, W/o Krishna Rao, Labbipeta, Vijayawada-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule property as per registered document No. 3434/77 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the F.N. ended on 30-11-1977.

N. K. NAGARAJAN
Comptent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 18-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 18th July 1978

Acq. File Ref. No 699—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

11-41-55 situated at Kandulavari St., Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada in November 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269© of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Ramnivas Jakotia.
 Gulabbai Jakotia.
 L.Rs. of Sri Madanlal Jakotia, Vadapallivari Street, Vijayawada-1.

(Transferor)

(2) Smt. Vimala Toshniwala W/o Gopal Toshniwala, Pulipativari Street, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule property as per registered document No. 3398/77 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the F.N ended on 30-11-1977.

N. K. NAGARAJAN
Comptent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 18-7-1978.

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 18th July 1978

Acq. File Ref. No. 700.—Whereas, I, N K. NAGARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 11-54-12 situated at Gulabchand St., Vijayawada (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vijayawada in November, 1977

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Λct, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Parepalli Srecramulu s/o Sitaramaiah, Raja Rangaiah Apparao St., Vijayawada-1.

(Transferor)

(2) Smt. Nukala Suryakumari w/o China Brahmaiah, C/o Jaihind Market, Vijayawada-1.

(Transferee)

(3) 1. R. Peraiah & Co.2. M. Sri Krishnamurthy, Vijayawada.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule property as per registered document No. 3423/77 registered before the Sub-Registrar, Virayawada, during the F.N. ended on 30-11-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 18-7-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 18th July 1978

Acq. File Ref. No. 701.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Nandigam Palace situated at Tekkali

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at Tekkali on 9-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) K. C. Gajapati Deo, Adopted son of Late Sii Padmanaba Gajapati Deo, Tekkali, Now at Palui Bungalow area, Berhampur, Ganjam Dist

(Transferor)

(2) 1. Borigi Dasu

 B. Murali
 B. Laxminarayana, Sons of Sri B. Samba Murthy, Tekkali, Srikakulam Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person is crested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule property as per registered document No. 2926/77 registered before the Sub-Registrar, Tekkali, during the F.N. ended on 15-11-1977.

N. K. NAGARAJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kākinada

Date: 18-7-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 18th July 1978

Acq. File Ref No. 702.-Whereas, I, N. K. NAGARAJAN being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

RS No. 545/A situated at Kalla Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Undi on 3-11-1977

for an appearent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:

18-186GI/78

(1) 1. Polasanapalli Someswara Rao

P. Kanakadurgamba
 P. Naga Venkata Suryanarayana Murthy
 P. Veera Venkata Satyanarayana Murthy

5. P. Suryakantham

6. P. Kusuma Kumari

7. P. Jhansi Laxmi, M/G Father P. Someswara Rao, Ajjaram, Tanuku Tq.

(Transferor)

(2) Telagamsetti Ranganayakanima, W/o Sree Ramamurthy Kalla, Bhimavaram Tq., West Godavan Dist

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule property as per registered document No. 2163/77 registered before the Sub-Registrar, Undi, during the F.N ended on 15-11-1977.

N. K. NAGARAJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Aange, Kakinada

Date: 18-7-1978.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. KAKINADA

Kakinada, the 18th July 1978

Acq. File Ref. No. 703.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

29-19-78 situated at Suryaraopeta, Vijayawada

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Vijayawada on 17-11-1977

for an apparent consideration which its less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Kajathila Raghavaiah,
 Sri Rama Vilas Hotel,
 Ramachandra Rao Road, Suryaraopeta,
 Viiayawada.

(Transferor)

(2) Sri Kopparapu Venkata Ranga Rao S/o Late Sri Veeraraghavaiah, Jadagamvari St., Suryaraopeta, Vijayawada-2.

(Transferee)

(3) 1. S. Radhakrishna.2. The Enforcement Officer (Labour Dept.) Vijayawada.

(Person in occupation of the property)'s

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule property as per registered document No. 3306/77 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the F.N. ended on 30-11-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 18-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Saripalle Suraparaju, S/o Simhadri Raju, Ganapavaram, Tadepalligudem Tq.

(Transferoi)

(2) Sii Kosuri Suryanarayana Raju, S/o Subba Raju, Kshatriyapuram, Pedakapavaram P.O., Bhimavaram Tq.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

KAKINADA

Kakinada, the 18th July 1978

Acq. File Ref. No. 704.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. RS No. 851, 852 & 853 situated at Pedakapavaram village

RS No. 851, 852 & 853 situated at Pedakapavaram village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

[Undi on 24-11-1977

transfer with the object of :-

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule property as per registered document No. 2244/77 registered before the Sub-Registrar, Undi, during the F.N. ended on 30-11-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakınada.

Date: 18-7-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE KAKINADA

Kakinada, the 18t July 1978

Acq. File Rcf. No. 705.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market, value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

RS No. 851, 852 and 853 situated at Pedakapavaram village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Undi on 24-11-1977

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Saripalle Suraparaju,
 - S. Ramakrishnam Raju,
 Ganapavaram, Tadepalligudem Tq.

(Transferor)

(2) Smt. Kosuri Bangaramma W/o Suryanarayana Raju, Kshatriyapuram, Pedakapavaram (P.O.) Bhimayaram Tq.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule property as per registered document No. 2243/77 registered before the Sub-Registrar, Undi, during the F.N. ended on 30-11-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 18-7-1978

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 18th July 1978

Acq. File Ref. No. 706.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

RS No. 851, 852 and 853 situated at Pedakapavaram village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Undi on 24-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Saripalle Venkataraju,
 - 2. S. Sitaramaraju,
 - 3. S. Ramakrishnam Raju, Ganapavaram, Tadepalligudem Tq.

(Transferor)

(2) Sri Kosuri Suryanarayana Raju, S/o Subba Raju, Kshatriyapuram, Pedakapavaram P.O., Bhimavaram Tq.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule property as per registered document No. 2242/77 registered before the Sub-Registrar, Undi, during the F.N. ended on 30-11-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 18-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 18th July 1978

Acq. File Ref. No. 707.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN being the competent authority under section 269B of the Income tax Act. 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. RS 851, 852 and 853 situated at Pedakapavaram village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Undi on 24-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Saripalle Krishnam Raju
 S. Venkata Suraparaju, Ganapavaram, Tadepalligudem Tq.

(Transferor)

(2) Sri Kosuri Suryanarayana Raju, S/o Subba Raju, Kshatriyapuram, Pedakapavaram P.O., Bhimavaram Tq.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule property as per registered document No. 2241/77 registered before the Sub-Registrar, Undí, during the F.N. ended on 30-11-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 18-7-1978

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 18th July 1978

Acq. File Ref. No. 708.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN being the competent authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

36-13-8B situated at Santhinagar, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 17-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922 or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

13-156GI/78

 Smt. K. Saradamba w/o Sri Madhu Murthy, Srinagar Colony, Back Side: Sarathi Studio, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M. Madhava Rao, Door No. 36-13-8, Santhinagai, 1st Line, Labbipeta, Vijayawada-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule property as per registered document No. 3300,77 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the F.N. ended on 30-11-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 18-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 24th July 1978

Ref. No. A.P.293/HSR/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per schedule situated at

Hoshiarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Rgistration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hoshiarpur on November, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Capt. Agyapal Singh S/o Shri Harkishan Dev Singh, R/o Street No. 11, Krishan Nagar, Hoshiarpur.

(Transferor)

- (2) 1. Thakur Munshi Ram alins Shri Besria Ram S/o Shri Shyama,
 - Shri Ramesh Gupta s/o Shri Jagir Lal, Fair Ways Travel Services, Court Road, Hoshlarpur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in a house situated at Street No. 11, Krishan Nagar, Hoshiarpur as mentioned in sale deed No. 2936 of November, 1977 registered with the S.R. Hoshiarpur.

P. N. MALIK

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 24-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- Shri Prafulchand Bansilal Sanghvi & Shri Sureshchand Bansilal Sanghvai, At Post Utran, Tal. Erandol, Dist. Jalgaon. (Transferor)
- (2) The Directors of Nilons Food Private 1 td. Co. Utran, Tal. Frandol, Dist Intgaon

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITON RANGE, 60/61 ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA

Poona-411004, the 19th July 1978

Ref. No.CA5/Erondol/Nov.'77/363/78-79 -Whereas. I SMT. P. LALWANI

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Gat No. 175/B2 situated at. Utran, Tal. Erandol

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Frandol on 9-11-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent, consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said propert, may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as alongwith Manufacturing hall, laboratory, casing room, packing material shed, Mechanical block, overhead water tank, etc.

(Property as described in the sale deed registered under No. 1184 dated 9-11-1977 in the office of the Sub-Registrar, Erandol).

SMT. P. LALWANI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona

Date: 19-7 1978